जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

FIBRE-OPTIC DRONES ARE DEFINING CONFLICT

Reports suggest Hezbollah is producing fiber optic drones locally using 3D printing and commercially available dual-use components

I Wasn't Worried!

The Decorated Chest of Tutankhamun

उत्तर प्रदेश के मंत्री राजभर का यूपी विभाजन का प्रस्ताव फिलहाल राजनैतिक मैसेज तक सीमित है

क्योंकि इस मैसेज के जरिए भाजपा को पूर्वांचल जैसे अति पिछड़े क्षेत्रों और अति पिछड़ी जातियों के प्रति संवेदनशील होने का मैसेज देने का अवसर मिलता है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- ज्ञातव्य है कि वर्ष 2011 में जब मायावती उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री थीं, तब उन्होंने भी यह प्रस्ताव रखा था, लेकिन केन्द्र सरकार में यह प्रस्ताव अटक गया, बाद में आई सपा सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया था।
- यह प्रस्ताव राजनैतिक रूप से ठंडे छींटे भी देता है। इससे यूपी में सरकार विरोधी मुद्दों के बजाय आम जनता में विभाजन पर चर्चा शुरु हो जाएगी और शासन से जुड़े मुद्दे दरकिनार हो जाएंगे।
- यही नहीं, यह प्रस्ताव भाजपा के छोटे सहयोगी दलों को एनडीए में बनाए रखने में भी मददगार हो सकता है।

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने उत्तर प्रदेश को चार हिस्सों-पूर्वांचल, मध्यांचल, बुंदेलखंड और हरित प्रदेश-में बांटने की दशकों पुरानी मांग को फिर से चर्चा में ला दिया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ विशेष रूप से चर्चा की है और दावा किया कि प्रधानमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया है कि जाति जनगणना पूरी होने के बाद इस मुद्दे पर विचार किया जाएगा। राजभर ने जोर देकर कहा कि नए पूर्वांचल का पहला मुख्यमंत्री राजभर समुदाय से ही होना चाहिए और इसे उन्होंने गठबंधन की एक ऐसी शर्त के रूप में पेश किया, जिस पर कोई समझौता नहीं हो सकता। पूर्वी उत्तर प्रदेश में रैलियों के दौरान दिए गए ये बयान 2027 के विधानसभा चुनावों के करीब आने के बीच सामने आए हैं और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के लिए इन बयानों के स्पष्ट राजनीतिक निहितार्थ हैं।

भाजपा और एनडीए के लिए इस मुद्दे को फिर से उठाने के रणनीतिक फायदे हैं। इससे सत्तारूढ़ गठबंधन को पूर्वांचल में क्षेत्रीय और जातीय आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील होने का संदेश देने का अवसर मिलता है, जहां राजभर समुदाय का काफी ज्यादा चुनावी प्रभाव है। इसके लिए, तत्काल कुछ करना भी नहीं है। विभाजन को जाति जनगणना से जोड़कर एनडीए अति पिछड़ा वर्ग के समर्थन को मजबूत कर सकता है और सीट बंटवारे की बातचीत से पहले, एसबीएसपी जैसे छोटे सहयोगियों को गठबंधन में बनाए रख सकता है। इससे सत्ता विरोधी भावना और शासन से जुड़े मुद्दों से भी ध्यान हटता है तथा एनडीए गठबंधन को प्रशासनिक सुधार के लिए तैयार गठबंधन के रूप में पेश करने का अवसर मिलता है। इससे पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों की कथित उपेक्षा को लेकर विपक्ष के आरोपों को भी कमजोर किया जा सकता है। हालांकि, केन्द्र या भाजपा नेतृत्व की ओर से अभी तक इस मांग का कोई आधिकारिक समर्थन नहीं आया है। इससे संकेत मिलता है कि ये दावे ठोस नीति की अपेक्षा, चुनावी मौसम के संदेश जैसे ज्यादा प्रतीत हो रहे हैं।

इस मांग का सीधा संबंध मायावती की 2011 की पहल से है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने इस विभाजन के लिये कैबिनेट की मंजूरी हासिल की थी और उत्तर प्रदेश विधानसभा में पूर्वांचल, बुंदेलखंड, अवध प्रदेश और पश्चिम प्रदेश बनाने का प्रस्ताव पारित कराया था और इसके लिए इस विशाल राज्य में बेहतर प्रशासन और संतुलित विकास का हवाला दिया था। प्रस्ताव कांग्रेस के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार को भेजा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीबीआई कोर्ट ने बैंक कर्मियों को सात साल की सजा सुनाई

जयपुर, 22 सितंबर। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत ने लोन राशि बकाया होने के बावजूद एनओसी जारी कर बैंक को लाखों रुपए का नुकसान पहुंचाने के आरोप में ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स की श्योसिंहपुरा,

- ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स की श्योसिंहपुरा लालसोट शाखा के अधिकारियों ने लोन खाते में बकाया होने के बावजूद एनओसी देकर लाखों का नुकसान कराया।

लालसोट, शाखा के तत्कालीन प्रबंधक रामजी लाल मीणा, विशेष सहायक मुरारी लाल मीणा और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थान सिंह लश्कर को सात साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्तों को अर्थदंड से भी दंडित किया है।

सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि बैंक प्रबंधन ने सीबीआई में 1 फरवरी, 2019 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया था कि बैंक की श्योसिंहपुरा शाखा के तत्कालीन विशेष सहायक मुरारी लाल मीणा ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया और तीन लोन खातों में बकाया राशि होने के बावजूद अनाधिकृत रूप से खाताधारकों को एनओसी जारी कर दी। जिससे उन्हें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जल्दी ही ज़मींदोज़ हो जाएंगे दिल्ली के प्रख्यात शास्त्री भवन एवं कृषि भवन

सीपीडब्ल्युडी ने दोनों भवनों को 30 सितम्बर तक खाली करने का नोटिस दिया है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- प्रधानमंत्री के प्रिय ड्रीम प्रोजैक्ट सैंट्रल विस्टा के तहत शास्त्री भवन और कृषि भवन को ध्वस्त कर नए कॉमन सैंट्रल सैक्रेटेरिएट भवनों, कर्तव्य भवन 4 एवं 5 का निर्माण किया जाएगा।
- दोनों परिसरों को 30 सितम्बर तक खाली करने का नोटिस दिए जाने से विपक्षी दल प्रोजैक्ट को लेकर जल्दबाजी करने के आरोप भी लगा रहे हैं।
- सीपीडब्ल्युडी द्वारा भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि दो नए भवनों के निर्माण का टैंडर दिया जा चुका है। इस पर 3,155 करोड़ रूपए की लागत आएगी तथा 12 माह में निर्माण कार्य पूरा करना होगा।

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। केन्द्रीय राजधानी के दो प्रतिष्ठित कार्यालय परिसरों, शास्त्री भवन और कृषि भवन, को गिराए जाने की तैयारी है, ताकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत नए कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट भवनों, कर्तव्य भवन 4 और 5, का निर्माण किया जा सके।

प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी परियोजना 'सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट' के तहत इन दोनों भवनों को गिराए जाने से वे स्मृतियां भी मिट जाएंगी, जो प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के निकट स्थित शास्त्री भवन से जुड़ी हैं। इस परियोजना को 2019 में मंजूरी दी गई थी और 2020 में इसकी शुरुआत हुई थी।

लगभग 20,000 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना विवादों में रही है, क्योंकि अन्य भवनों, नए संसद भवन का निर्माण और उद्घाटन हो चुका है, लेकिन उनमें संरचनात्मक खामियां और कमियां सामने आ रही हैं।

सूत्रों ने कहा कि यह फैसला जल्दबाजी को दर्शाता है, जिसका मतलब है कि मोदी सरकार अगले लोकसभा चुनाव से पहले इस परियोजना को पूरा करना चाहती है, क्योंकि इससे भाजपा को यह दावा करने का मौका मिल सकता है कि पार्टी ने एक नई राजधानी का निर्माण किया है।

रिपोर्टों के अनुसार, दोनों परिसरों को 30 सितंबर तक खाली किया जाना है, जिससे इस फैसले की जल्दबाजी पर सवाल उठ रहे हैं।

इस संबंध में सैंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमैंट (सीपीडब्ल्यूडी) ने संबंधित अधिकारियों से सितंबर के अंत तक मौजूदा परिसरों को खाली कर उन्हें सौंपने को कहा है, ताकि नए भवनों का निर्माण शुरू किया जा सके।

इन दोनों परिसरों में पांच दशक से भी अधिक समय से महत्वपूर्ण मंत्रालय और कार्यालय संचालित होते रहे हैं। इनमें प्रधान महानिदेशक (सूचना) का कार्यालय तथा शिक्षा, सूचना एवं प्रसारण, महिला एवं बाल विकास,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वंदे मातरम् के सभी अंतरे नहीं गाने पर दंडित नहीं किया जा सकता'

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि वास्तविक आधार पर धार्मिक आपत्ति रखने वालों को इसके विवादित अंतरे नहीं गाने पर दंडित नहीं किया जाए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने यह आदेश कर्नाटकी संगीत के जाने-माने संगीतकार टी.एम. कृष्णा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। कृष्णा ने केन्द्र सरकार के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें वंदे मातरम् के सभी 6 अंतरे गाना अनिवार्य किया गया था तथा ऐसा नहीं करने पर दंड का प्रावधान था।

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि भले ही 'वंदे मातरम्' राष्ट्रीय गीत बना हुआ है, लेकिन संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत, अगर किसी को वास्तविक धार्मिक आपत्ति है तो उसे इसके विवादित अंतरों को न गाने के लिए दंडित नहीं किया जा सकता।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की बैंच कर्नाटक संगीतकार टी. एम. कृष्णा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। कृष्णा ने केन्द्र के उस सर्कुलर को चुनौती दी है, जिसमें वंदे मातरम् के सभी छह अंतरों को गाना अनिवार्य किया गया है और एक संशोधन के जरिए, इस गीत को राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री आज जैतारण व रामदेवरा जाएंगे

जयपुर, 22 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को जैतारण एवं रामदेवरा के दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री प्रातः जयपुर से रवाना होकर दोपहर 12:05 बजे जैतारण पहुंचेंगे। इसके बाद पावन धाम, जैतारण में 'सेवा

- जैतारण में ''सेवा संकल्प बाइक रैली'' के फ्लैग ऑफ कार्यक्रम में तथा रामदेवरा में पदयात्रा में शामिल होंगे।

संकल्प बाइक रैली' के फ्लैग ऑफ कार्यक्रम में शामिल होंगे।

दोपहर 12:30 बजे से 2 बजे तक मुख्यमंत्री पावन धाम परिसर में समाधि दर्शन, जनसभा तथा युवाओं के साथ संवाद करेंगे।

दोपहर बाद लगभग 3:20 बजे मुख्यमंत्री रामदेवरा में बाबा रामदेव पैनोरमा जाएंगे। यहां वे पैनोरमा से मुख्य बाजार होते हुए बाबा रामदेव मंदिर तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान के दोस्त टर्की ने डीज़ल के लिए भारत का रूख किया

असल में टर्की को रूस से पर्याप्त मात्रा में डीज़ल नहीं मिल रहा है, इसलिए उसने भारत से डीज़ल खरीदना शुरु किया है तथा अगस्त में रिकॉर्ड मात्रा में डीज़ल खरीदा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- हाल ही में टर्की पाकिस्तान के सबसे करीबी रणनीतिक सहयोगी के रूप में उभरा है। उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी पाकिस्तान का खुला समर्थन किया था।
- यही नहीं, टर्की ने पाकिस्तान व सऊदी अरब के साथ मिलकर नाटो जैसा संगठन, ''मक्का डिफैंस अलायंस'' बनाया है, जिसके तहत एक देश पर हमले को सभी देशों पर हमला माना जाएगा।
- टर्की पहले भी भारत से डीज़ल खरीदता था, पर, इस क्षेत्र में रूस व मिस्र के बाद भारत का नम्बर तीसरा था।

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। पाकिस्तान के प्रमुख रणनीतिक सहयोगी तुर्किये ने अगस्त 2026 में भारत से रिकॉर्ड मात्रा में डीज़ल आयात किया, जो पिछले कई सालों में नई दिल्ली से की गई उसकी सबसे अधिक खरीद है। रूस से सप्लाई में कमी और मध्य पूर्व के रास्तों में रूकावट के कारण राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के नेतृत्व वाले तुर्किए के लिए भारत ईंधन का एक अहम विकल्प बनकर उभरा है।

तुर्किये ऐसे समय में डीज़ल के लिए भारत का रुख कर रहा है, जब उसका पारंपरिक ईंधन आपूर्तिकर्ता रूस अब पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पा रहा है। अगस्त में तुर्किये द्वारा भारत से डीज़ल का आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि रूस से आपूर्ति में तेजी से गिरावट आई। इसके कारण पाकिस्तान के इस सहयोगी देश को अपने पारंपरिक रूसी सप्लायर के अलावा, अन्य जगहों से ईंधन तलाशने पर मजबूर होना पड़ा।

तुर्किये पाकिस्तान के सबसे करीबी रणनीतिक सहयोगियों में से एक बनकर उभरा है और उसने 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्लामाबाद का मजबूती से समर्थन किया था। राष्ट्रपति एर्दोगन के नेतृत्व वाले तुर्किये ने सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ मिलकर नाटो जैसी रणनीतिक रक्षा साझेदारी भी बनाई है, जिसका नाम ''मक्का डिफेंस अलायंस'' है।

फिर भी, ग्लोबल ऑयल सप्लाई में व्यापक व्यवधान के बीच तुर्किये के खरीदार अब भारतीय रिफाइनरियों से रिकॉर्ड मात्रा में डीज़ल खरीद रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि यह बदलाव कितना जबरदस्त रहा है।

कमोडिटी डेटा कंपनी ''कैप्लर''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एडवोकेट रस्तोगी को दी गई धमकी पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रूख अपनाया

जयपुर, 22 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने शहर के गोपालपुरा बाईपास पर कोचिंग सेंटरों के संचालन से जुड़े मामले में सीनियर एडवोकेट आरडी रस्तोगी को कोचिंग सेंटर मालिक द्वारा धमकी दिए जाने को गंभीरता से लिया

- डीजीपी को मामले में सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

है। अदालत ने डीजीपी को कहा है कि वे मामले में सख्त कार्रवाई करें।

सुनवाई के दौरान, पूर्व सॉलिसिटर जनरल व सीनियर एडवोकेट रंजीत कुमार सहित कई सीनियर एडवोकेट उपस्थित हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि एक कोचिंग सेंटर के मालिक रघुवीर सिंह डागुर ने सीनियर एडवोकेट आरडी रस्तोगी सहित, 10-बी स्कीम विकास समिति के अध्यक्ष एडवोकेट वीरेन्द्र अग्रवाल और महासचिव गोपाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या यूएन जैसे महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भी गंभीर मंत्रणा पर फोकस कम हो रहा है

इसके बजाय एक-दूसरे को मैसेज देने पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- न्यूयॉर्क में युनाइटेड नेशन्स की जनरल असैम्बली की बैठक होने जा रही है, लेकिन चीन के राष्ट्रपति बैठक में शामिल नहीं होंगे। हालांकि, वे अमेरिका जाएंगे, लेकिन वे सीधे वॉशिंगटन जाएंगे और ट्रंप द्वारा आयोजित भव्य रात्रिभोज में शामिल होंगे।
- यूएन की जनरल असैम्बली की मीटिंग में शी जिनपिंग की अनुपस्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे नई दिल्ली में जी-20 की मीटिंग के दौरान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आयोजित रात्रिभोज में शामिल नहीं हुए थे। अफवाह थी कि स्वास्थ्य संबंधी कारणों से वे बीजिंग लौट गए थे।

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। साल का सबसे बड़ा डिप्लोमैटिक इवैंट न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की महासभा (युनाइटेड नेशन्स की जनरल असैम्बली) के साथ शुरू होने जा रहा है, जिसे संक्षेप में यूएनजीए कहा जाता है। मौजूदा तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र में सुधार की तत्काल जरूरत जैसे सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे, जो भारत के लिए बहुत जरूरी हैं, शायद पीछे छूट जाएंगे।

इस साल की यूएनजीए सबसे अधिक विवादित डिप्लोमैटिक इवैंट होगा, क्योंकि जनरल असैम्बली में कई गंभीर मुद्दे चर्चा के लिए सामने आएंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ अपने युद्ध को सही ठहराने की कोशिश करेंगे। ईरान के राष्ट्रपति अपने देश में अमेरिका की कार्रवाई की आलोचना करेंगे, यूक्रेन के राष्ट्रपति रूस की ओर से की गई बिना उकसावे की आक्रामकता की बात करेंगे और इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हमास के खिलाफ इज़रायल के हमले पर अपना पक्ष रखेंगे।

इसी बीच सबसे बड़ा अनकहा डर यूरोप में एक विनाशकारी युद्ध का है। यह युद्ध यूक्रेन युद्ध के विस्तार के रूप में पश्चिमी यूरोपीय देशों और रूस के बीच हो सकता है। इस समय रूस यूरोप में नाटो सदस्य देशों को ऐसे जानबूझकर किए जा रहे तोड़फोड़ के कामों के जरिए उकसा रहा है, जिनका सीधा संबंध रूस से साबित नहीं किया जा सकता।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इस बैठक में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क पहुंच रहे हैं और उनकी डॉनल्ड ट्रंप के साथ आमने-सामने की बैठक होनी है। मैक्रों यूरोप की सुरक्षा के लिए बढ़ते रूसी खतरे का लगातार जिक्र करते रहे हैं। नाटो और यूरोप की सुरक्षा को लेकर डॉनल्ड ट्रंप के विचारों को लेकर अक्सर उनकी ट्रंप से तनातनी होती रही है।

लेकिन सबसे बड़ा तनाव मध्य पूर्व में चल रहे टकराव को लेकर पैदा होगा, जो अब लगभग बेकाबू होता जा रहा है। सऊदी क्राउन प्रिंस सहित, कई अरब देशों के नेता डॉनल्ड ट्रंप से मिलकर ईरान के खतरे को रोकने की रणनीति बनाने वाले हैं। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव के परिणामस्वरूप, अरब देशों को ईरान की ओर से भारी हमलों का सामना करना पड़ रहा है।

यूएनजीए में शामिल होने के लिए अमेरिका रवाना होने से पहले ही ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका के खिलाफ अपने तीखे हमले शुरू कर दिए हैं। उन्होंने बिना उकसावे के युद्ध शुरू करने और ईरान की आम नागरिक आबादी पर भयंकर हमले करने के लिए अमेरिका की आलोचना की है।

राष्ट्रपति पेज़ेशकियन और ईरान के अधिकारियों ने बार-बार देश में अमेरिका की ओर से किए गए उस बमबारी अभियान का उल्लेख किया है, जिसमें एक स्कूल भी निशाना बना था। इस बमबारी में 150 से अधिक स्कूली बच्चों की मौत हुई थी और इसे युद्ध अपराध बताया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने इस घटना पर न तो माफी मांगी है और न ही खेद जताया है।

अमेरिकी धरती पर कदम रखने से पहले ही इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू एक बड़े विवाद के केन्द्र में आ गए हैं। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने प्रधानमंत्री को गिरफ्तार करने की अपनी मांग दोहराई है। ममदानी नेतन्याहू को हमास के खिलाफ उनकी सैन्य कार्रवाई के लिए युद्ध अपराधी मानते हैं। इस कार्रवाई में कथित तौर पर 75,000

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति ने अनंत नाग को दादा साहब फाल्के पुरस्कार दिया

नई दिल्ली, 22 सितंबर। दिग्गज अभिनेता अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान और उनकी उत्कृष्ट सिनेमाई यात्रा के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार 2024 से सम्मानित

- अभिनेता अनंत नाग ने इस पुरस्कार को उनके साथ काम करने वाले कलाकारों व तकनीशियनों को समर्पित किया।

किया गया। गुजरात के केवड़िया स्थित एकता नगर (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के समक्ष) में मंगलवार को आयोजित 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया।

अनंत नाग को यह पुरस्कार उनकी पांच दशकों से अधिक लंबी शानदार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

उत्साह मनुष्य की भाग्यशीलता का पैमाना है। -तिरुवल्लुवर

मांगें राज्य की देने की क्षमता पर भारी पड़ने लगी हैं

भारतीय लोकतंत्र की यात्रा एक प्रकार से जन-आकांक्षाओं और मांगों के विस्तार की यात्रा रही है। आजादी के सात दशकों बाद वह जिस मुकाम पर पहुंच गई है वहां प्रतिस्पर्धी चुनावी राजनीति के चलते लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्था को अनोखे झंझावात से झूंझना पड़ रहा है। हर तरफ 'राजनीतिकरण' की प्रक्रिया, जो एक दुधारी तलवार की तरह होती है, अपने चरम पर है। एक तरफ, इसने सदियों से हाशिए पर रहे समुदायों, जातियों और वर्गों को आवाज़ दी है, उन्हें संगठित किया है और राजनीतिक व्यवस्था से अपना हक मांगने के लिए तैयार किया है, लेकिन इसी प्रक्रिया का दूसरा पहलू सबके लिये चिंता का विषय है। जब राज्य व्यवस्था पर नई मांगों का बोझ उसकी वहन क्षमता से अधिक हो जाता है, तो सिस्टम में ओवरलोड की स्थिति पैदा हो जाती है। भारत में राज्य की व्यवस्था आज इसी ओवरलोड को झेल रही है। एक तरफ उम्मीदों और मांगों का कोई छोर नहीं है, तो दूसरी तरफ बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक तंत्र की बोझ उठाने की क्षमता क्षीण है। एक तरफ सशक्तीकरण का उजला पक्ष है तो दूसरी तरफ मांगों की बाढ़। यह जरूर है कि राजनीतिकरण की प्रक्रिया ने लोकतंत्र को जन-आनुपातिक बनाया है। आज भारत का कोई भी नागरिक, चाहे वह किसी भी इलाके या पृष्ठभूमि से हो, वह अपने वोट की कीमत को समझता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा अब केवल नीतिगत दस्तावेज में लिखे हर्फ़ नहीं हैं, बल्कि वे राजनीतिक सौदेबाजी के मुख्य हथियार बन चुके हैं। इस प्रक्रिया ने समाज के विभिन्न समूहों को यह सिखाया है कि कैसे वे जाति, धर्म, क्षेत्र या वर्ग की अपनी पहचान के आधार पर गोलबंद होकर राज्य पर दबाव बना सकते हैं। आरक्षण के लिए नए समुदायों के आंदोलन, किसानों द्वारा अपनी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी बनाने की मांग, या युवाओं द्वारा सरकारी नौकरियों में त्वरित भर्ती के लिए किए जाने वाले प्रदर्शन इसी राजनीतिक चेतना के परिणाम हैं। व्यवस्था पर यह दबाव लोकतंत्र के जीवंत होने का प्रमाण है। यह साबित करता है कि जनता अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि नीति-निर्धारण में एक सक्रिय हितधारक है। मगर इनके साथ-साथ हम व्यवस्था पर 'ओवरलोड' और अक्षमता का संकटभी झेल रहे हैं। समस्या तब शुरू होती है जब इस राजनीतिकरण की गति और मांगों की मात्रा, राज्य की संस्थागत क्षमता से बहुत अधिक हो जाती है। भारतीय प्रशासनिक ढांचा, न्यायिक व्यवस्था और वित्तीय तंत्र आज भी पुरानी औपनिवेशिक विरासत और सीमित संसाधनों के बोझ तले दबे हैं। जब हर समूह अपनी मांगों को लेकर सड़क से संसद तक दबाव बनाता है, तो राज्य के सामने प्राथमिकताओं का संकट खड़ा हो जाता है। इसी सिस्टम ओवरलोड के फलस्वरूप भारतीय राज्य कई मोर्चों पर लगातार नाकाम होता दिखने लगता है। राजनीतिक दल चुनावों को जीतने के लिए लोक-लुभावन वादों और मुफ्त योजनाओं की झड़ी लगा देते हैं। यह भी राजनीतिकरण का ही एक हिस्सा है, जो जनता को मुफ्त बिजली, पानी या नकद हस्तांतरण की मांग करने के लिए उकसाता है। इसका सीधा असर राज्य के खजाने पर पड़ता है। जब राजस्व का एक बड़ा हिस्सा इन तात्कालिक मांगों को पूरा करने में चला जाता है, तो दीर्घकालिक बुनियादी ढांचे, जैसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध, स्वास्थ्य और उद्योग के लिए पूंजी नहीं बचती। इसी कारण मौजूदा सरकारें उधार लेकर बढ़ते वित्तीय दबाव को झेल रही हैं।

यह भी सच है कि भारतीय नौकरशाही भी जन अपेक्षाओं के इस बोझ को संभालने में अक्षम साबित हो रही है। जब किसी एक मांग को पूरा करने के लिए नीतियां बनाई जाती हैं, तो दूसरा समूह उसके विरोध में खड़ा हो जाता है। इसे हम भूमि अधिग्रहण और पर्यावरण संरक्षण के बीच के टकराव के रूप में रोज देखते हैं। इस अंतहीन खींचतान में प्रशासनिक तंत्र निर्णय लेने की क्षमता खो देता है, जिससे विकास की परियोजनाएं वर्षों तक लंबित रहती हैं। नौकरशाही का औपनिवेशिक और सामंती परिवेश भी नहीं बदला है, जिससे भ्रष्टाचार शासन तंत्र की रग-रग में समा चुका है। इसके चलते लोकतान्त्रिक जागरूकता ने न्यायिक और नियामक संस्थाओं पर दबाव जबरदस्त बढ़ा दिया है। जब राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर मांगों का समाधान नहीं होता, तो स्वाभाविक ही लोग न्यायपालिका के पास पहुंचते हैं। भारतीय अदालतों में करोड़ों मुकदमों का लंबित हैं। हमारी न्याय व्यवस्था विवादों को समय पर सुलझाने में नाकाम रही है। अब तो न्यायिक व्यवस्था पर भी सवालिया निशान लगने लगे हैं। नियमन करने वाली संस्थाएं भी राजनीतिक दबावों और जन-आकांक्षाओं के बीच संतुलन बनाने में असफल होती दिख रही हैं। दुर्भाग्य से पहचान की राजनीति और राजनीतिक ध्रुवीकरण के कारण मांगें सार्वभौमिक होने के बजाय विशिष्ट समूहों की बन रही हैं। विकास की मांग अब सबके विकास के रूप में नहीं, बल्कि मेरी जाति या मेरे क्षेत्र के विकास के रूप में की जाती है। प्रतिस्पर्धी चुनावी राजनीति में निर्वाचित राजनेता भी अब अपने और अपनों के लिये हो रहते हैं। जब राज्य सीमित संसाधनों के कारण सभी मांगों को एक साथ पूरा नहीं कर पाता, तो वह तुष्टिकरण या चयनात्मक समाधान का रास्ता चुनता है। इससे समाज में एक नया असंतोष जन्म लेता है। जो समूह पीछे छूट जाते हैं, वह शासन व्यवस्था को पूर्वाग्रह से ग्रसित मानने लगते हैं। यह स्थिति राज्य की वैधता को कमजोर करती है। जनता का यह भरोसा टूटने लगता है कि राज्य एक निष्पक्ष मध्यस्थ है। जब राज्य सुरक्षा, त्वरित न्याय और समान अवसरजैसी अपनी बुनियादी जिम्मेदारियों को पूरा करने में लगातार विफल होता है, तो अराजकतावादी तत्वों को बढ़ावा मिलता है। यह प्रक्रिया एक आत्म-विनाशकारी दुष्चक्र का निर्माण करती है। राजनीतिकरण समूहों को लामबंद करता है और अक्सर अवास्तविक मांगें पैदा करने लगता है। राज्य इन चौतरफा मांगों के दबाव में आकर लोक-लुभावन घोषणाएं करता है, लेकिन संस्थागत कमजोरी के कारण उन्हें जमीन पर उतारने में नाकाम रहता है। इस नाकामी से जनता में हताशा और आक्रोश तथा विपक्ष का हौसला बढ़ता है। यह आक्रोश आगे चलकर अधिक आक्रामक राजनीतिकरण और नई, कठिन मांगों को जन्म देता है। वर्तमान में व्यवस्था पर दबाव इतना अधिक है कि वह संकट का समाधान करने के बजाय केवल उसे टालने के प्रयास में ही लगी रहती है।

> **अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए की जाने वाली मुफ्त घोषणाओं की कड़ी समीक्षा होनी चाहिए, जो राज्य की वित्तीय स्थिति पर भारी बोझ डालती हैं। इसका मतलब हुआ कि राज्य को लोकलुभावनवाद को तिलांजलि देनी होगी और व्यावहारिक तथा टिकाऊ नीतियों की ओर बढ़ना होगा। तभी भारत इस सिस्टम ओवरलोड से उबरकर एक सुदृढ़ और उत्तरदायी महाशक्ति बन सकेगा।**

सौ टके का सवाल यह है कि इन हालात से निकलने का रास्ता क्या है? राजनीतिकरण को कैसे रोका जाए और कैसे संतुलन और संस्थागत सुधार की ओर बढ़ा जाए? इसका रास्ता किसी को सूझ नहीं रहा। लोकतांत्रिक समाज में चेतना के प्रवाह को रोका नहीं जा सकता और न ही रोका जाना चाहिए। असली समाधान राजनीतिकरण की ऊर्जा को संस्थागत सुधारों के साथ जोड़ने से ही संभव है। राज्य की संस्थागत क्षमता का विस्तार ही एकमात्र उपाय है। इसके लिये जबरदस्त राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है जो अब राजनेताओं में लुप्त होती लगती है क्योंकि सोशल मीडिया के युग में वे सबसे आभासी जुड़ कर भी आम जनता के भौतिक संपर्क से दूर होते जा रहे हैं। विशेषज्ञ लोग राज्य की प्रशासनिक और न्यायिक क्षमताओं को दोगुना करने का आसान सा सुझाव देते हैं। मगर इसके लिये गुणवत्ता वाला मानव संसाधन चाहिए जो आता है गुणवत्ता वाली शिक्षा व्यवस्था तथा पारदर्शी और ईमानदार चयन प्रक्रिया से, जिसे राजनीतिकरण ने दूषित और भ्रष्ट कर के रख दिया है। इसके अलावा तकनीकी का उपयोग करके सेवाओं की डिलीवरी को पारदर्शी और त्वरित बनाकर भी राज्य की नाकामी के नैरेटिव को बदला जा सकता है। साथ ही साथ वित्तीय उत्तरदायित्व का भान भी सबको होना जरूरी है। राजनीतिक दलों और जनता के बीच यह स्पष्ट समझ बनानी होगी कि राज्य के संसाधन असीमित नहीं हैं। लोक-लुभावनवाद की योजनाओं की कोई सीमा तय होनी चाहिए, ताकि भावी पीढ़ियों के विकास की कीमत पर तात्कालिक मांगें पूरी न की जाएं। मांगों का लोकतंत्रीकरण और समावेशन भी कम जरूरी नहीं है। सभ्य समाज और समाज के प्रमुखों को ऐसी राजनीति को बढ़ावा देना पड़ेगा जो विशिष्ट पहचानों के बजाय शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बेहतर सार्वभौमिक अधिकारों पर केंद्रित हो। सबके केंद्र में समान रूप से देश का नागरिक हो। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारतीय लोकतंत्र मौजूदा समय में एक नाजुक मोड़ पर है। यदि राजनीतिकरण की प्रक्रिया केवल व्यवस्था पर मांगें लादने और उसे पंगु बनाने का जरिया बनी रही, तो वह दिन दूर नहीं जब कमजोर व्यवस्था तंत्र के चलते यह विशाल लोकतांत्रिक ढांचा अपने ही बोझ से ढह जाएगा। इसलिए समय की मांग है कि हम मांगों के अधिकार के साथ-साथ व्यवस्था को मजबूत करने के कर्तव्य को भी समझें। राज्य को केवल मांगें पूरी करने वाली मशीन नहीं, बल्कि एक सक्षम, निष्पक्ष और दीर्घकालिक दृष्टिकोण रखने वाली संस्था के रूप में विकसित करें। इस स्थिति से निकलने का एकमात्र तरीका "सख्त वित्तीय अनुशासन" और 'कुशल शासन' ही हो सकता है। अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए की जाने वाली मुफ्त घोषणाओं की कड़ी समीक्षा होनी चाहिए, जो राज्य की वित्तीय स्थिति पर भारी बोझ डालती हैं। इसका मतलब हुआ कि राज्य को लोकलुभावनवाद को तिलांजलि देनी होगी और व्यावहारिक तथा टिकाऊ नीतियों की ओर बढ़ना होगा। तभी भारत इस सिस्टम ओवरलोड से उबरकर एक सुदृढ़ और उत्तरदायी महाशक्ति बन सकेगा। जब तक ऐसा नहीं होगा देश की जीडीपी को लेकर हम कितना भी इतराते फिरें देशवासियों के जीवन में अच्छे-दिन नहीं आने वाले हैं। बढ़ी हुई जीडीपी से बढ़ी दौलत कुछ लोगों को ही ऊपर उठाती रहेगी।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

सदी पुराना एच1एन1 ख़ौफ़ नहीं, सतर्कता ही बचाव

डॉ. मोनिका शर्मा

वर्तमान में फैल रहा स्वाइन फ्लू (एच1एन1) वायरस कोई नया स्ट्रेन नहीं है। इसके लिए मौजूदा टीके तथा दवाइयां पूरी तरह प्रभावी हैं। सतर्कता, मास्क का प्रयोग और सही समय पर चिकित्सकीय परामर्श ही इस वायरस से बचने का सबसे सटीक हथियार है।

इन दिनों देशभर में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) वायरस के मामलों में तेजी देखी जा रही है। इस वायरस की चपेट में सबसे ज्यादा देश की राजधानी दिल्ली है, जहां इस साल 3,200 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले सात वर्षों का रिकॉर्ड है। कोरोना के दौर से गुजर चुके आमजन में इसे लेकर भ्रांतियां और भय बने हुए हैं। चिकित्सा विभाग की भी लगातार सतर्कता बरतने की अपील जारी है। इसके बावजूद कई दशकों का सफर पूरा कर सूअरों से इंसान तक पहुंचा वायरस क्या वाकई अब भी घातक है या सिर्फ मौसमी बीमारी इसकी गंभीरता को समझना बेहद जरूरी है।

असल में स्वाइन फ्लू इन्फ्लूएंजा वायरस के कारण होने वाला संक्रामक श्वसन रोग है। साल 1918 में शुरुआत में यह वायरस मुख्य रूप से स्पैनिश फ्लू सूअरों में फैला और उन्हीं के श्वसन तंत्र को प्रभावित करता था, लेकिन बाद में इसी के अंश सूअरों और इंसानों दोनों में अलग रूपों में विकसित हुए, इसलिए इसे स्वाइन फ्लू नाम दिया गया। हालांकि वक्त के साथ इस वायरस में बदलाव (म्यूटेशन) हुआ और यह इंसानों में भी तेजी से फैलने लगा। इंसानों में स्वाइन फ्लू का पहला मामला मैक्सिको और अमेरिका में सामने आया। जून, 2009 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वाइन फ्लू को पहली वैश्विक महामारी घोषित किया और अगस्त, 2010 में महामारी खत्म होने की घोषणा हुई। तब से अब तक स्वाइन फ्लू पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, बल्कि सीजनल फ्लू का हिस्सा बन चुका है। इसके चलते हर साल मौसम बदलने पर इसके मामले सामने आते हैं।

हाल ही में दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों जैसे कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और महाराष्ट्र में स्वाइन फ्लू के मामलों में भारी उछाल आया है, जो पिछले साल के मुकाबले कई गुना अधिक है। राजस्थान में भी कुछ केस दर्ज हुए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यह बीमारी आम लोगों के लिए घातक नहीं है, बशर्ते लापरवाही ना बरती जाए और सही समय पर इलाज मिल जाए। चिंता की बात सिर्फ इतनी है कि यह वायरस तेजी से फैल रहा है और इस बार संक्रमण के मामले पिछले सालों की तुलना में काफी ज्यादा हैं। बढ़ते संक्रमण को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकें की हैं और राज्यों के लिए स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की है।

विशेषज्ञों के अनुसार, स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी के मुख्य रूप से दो कारण हैं, मौसम और नमी। मानसून और सर्दियों की शुरुआत के दौरान हवा में अत्यधिक नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव वायरस के पनपने और फैलने के लिए सबसे अनुकूल माहौल बनाते हैं। दूसरा है वायरस में म्यूटेशन यानी स्वरूप बदलना।

एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया के अनुसार, एच1एन1 वायरस समय के साथ अपने स्वरूप (म्यूटेशन) में थोड़ा बदलाव करता रहता है। इस वजह से यह लोगों की मौजूदा इम्युनिटी को चकमा देकर उन्हें आसानी से संक्रमित कर रहा है। हालांकि राहत की बात यह है कि आईसीएमआर ने साफ किया है कि देश में कोई नया या पहले से अधिक जानलेवा स्ट्रेन नहीं मिला है।

सोशल कम्युनिटी प्लेटफॉर्म लोकल सर्कल्स द्वारा दिल्ली-एनसीआर (दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद, फरीदाबाद) के 32,000 से अधिक नागरिकों पर एक व्यापक सर्वे किया गया। सर्वे के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के करीब 54 फीसदी घरों में कम से कम एक व्यक्ति फ्लू या वायरल बुखार जैसी समस्याओं से पीड़ित पाया गया। 39 प्रतिशत घरों में दो या उससे अधिक लोग एक साथ बीमार थे। लगभग 23 फीसदी घर ऐसे मिले, जहां परिवार के चार या उससे अधिक सदस्य एक साथ फ्लू के लक्षणों से जूझ रहे थे। सर्वे साफ करता है कि भले ही हर मामला स्वाइन फ्लू का न हो, लेकिन इस समय श्वसन संबंधी वायरल संक्रमण बहुत तेजी से एक से दूसरे व्यक्ति में फैल रहा है।

वहीं चिकित्सकों का कहना है कि आमजन के लिए यह बीमारी घातक नहीं है। स्वाइन फ्लू के अधिकांश मरीजों में यह वायरस एक सामान्य सर्दी-जुकाम या गंभीर फ्लू की तरह ही व्यवहार करता है, जो उचित आराम और 5-7 दिनों की दवाइयों से पूरी तरह ठीक हो जाता है, इसलिए घबराने की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि यह संक्रमण कुछ विशेष श्रेणी के लोगों में गंभीर रूप ले सकता है, जिन्हें चिकित्सा की भाषा में को-मॉर्बिडिटी मरीज कहा जाता है।

जैसे छोटे बच्चे और बुजुर्ग (जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है), गर्भवती महिलाएं, पहले से अस्थमा, फेफड़ों की बीमारी, डायबिटीज, किडनी या दिल की बीमारी से पीड़ित लोग। इन हाई-रिस्क वाले मरीजों में स्वाइन फ्लू बिगड़ने पर निमोनिया या सांस लेने में गंभीर तकलीफ जैसी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं, जो सही समय पर इलाज न मिलने पर जानलेवा हो सकती हैं।

अतः इस वायरस संक्रमण से बचाव और सावधानी जरूरी है। यदि आपको तेज बुखार, सूखी खांसी, गले में खराश, बदन दर्द, अत्यधिक थकान या उल्टी-दस्त जैसी शिकायतें हैं, तो इन्हें सामान्य वायरल न समझें और डॉक्टर से परामर्श लें। बचाव और सावधानी के लिए भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचें और मास्क का उपयोग करें। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को टिश्यू या रुमाल से ढकें। समय-समय पर साबुन और पानी से हाथ धोते रहें। फ्लू के लक्षण दिखने पर खुद को आइसोलेट करें, ताकि घर के अन्य लोग सुरक्षित रहें। डॉक्टरों की सलाह पर सालाना इन्फ्लूएंजा वैक्सीन जरूर लगवाएं, विशेषकर बुजुर्ग और बच्चे। अगर बुखार तीन दिन से ज्यादा रहे, पल्स ऑक्सीमीटर पर ऑक्सीजन का स्तर गिरे या सांस लेने में तकलीफ हो, तो तुरंत अस्पताल जाकर आरटीपीसीआर टेस्ट कराएं।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि स्वाइन फ्लू का प्रकोप व्यापक जरूर है, लेकिन यह नियंत्रित है। स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र द्वारा देशभर में लगातार सर्वेक्षण और स्क्रीनिंग तेज कर दी गई है। गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण और इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी के लक्षणों वाले मरीजों की पहचान के लिए देशभर की प्रयोगशालाओं और अस्पतालों में सैंपलिंग बढ़ाई गई है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अनुसार, वर्तमान में फैल रहा एच1एन1 वायरस कोई नया स्ट्रेन नहीं है। इसके लिए मौजूदा टीके तथा दवाइयां पूरी तरह प्रभावी हैं। सतर्कता, मास्क का प्रयोग और सही समय पर चिकित्सकीय परामर्श ही इस वायरस से बचने का सबसे सटीक हथियार है। हाई रिस्क वाले मरीजों को विशेष सावधानी बरतने के साथ चिकित्सकों की सलाह लेनी चाहिए। इस तरह इस बीमारी से बचा जा सकता है।

-डॉ. मोनिका शर्मा,
वरिष्ठ पत्रकार

खारिया खंगार से चूना पत्थर का नया रेल यातायात शुरू हुआ

> **जोधपुर मंडल की बड़ी उपलब्धि, रेलवे को करीब 4.13 करोड़ रुपए मिलेंगे**

जोधपुर, (कासं)। माल यातायात बढ़ाने की दिशा में जोधपुर मंडल को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। खारिया खंगार स्टेशन से मंगलम सीमेंट लिमिटेड, कोटा के लिए चूना पत्थर के नए रेल यातायात की शुरुआत हुई है। 21 सितंबर की रात पहली मालगाड़ी की लोडिंग शुरू की गई। खारिया खंगार से कोटा तक 539 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली प्रत्येक रेक से रेलवे को करीब 41.35 लाख रुपए की आय होने का अनुमान है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि मंडल में नए माल यातायात को रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। खारिया खंगार से चूना पत्थर के नए यातायात की शुरुआत इसी प्रयास का परिणाम है। इससे मंडल के माल परिवहन के साथ राजस्व को भी मजबूती मिलेगी। पार्टी से मिली जानकारी के अनुसार चालू माह में दो और रेक की लोडिंग प्रस्तावित है।

इसके बाद हर माह 8 से 10 रेक लोड किए जाने का अनुमान है। इस नियमित यातायात से रेलवे को करीब 4.13 करोड़ रुपए की मासिक आय मिलने की संभावना है। खारिया खंगार से शुरू हुआ यह नया यातायात मंडल के माल परिवहन में महत्वपूर्ण जुड़ाव है। चूना पत्थर जैसी बड़ी मात्रा में ढोई जाने वाली सामग्री के रेल परिवहन से रेलवे को नियमित माल यातायात मिलने की उम्मीद है। वहीं मंगलम सीमेंट को लंबी दूरी तक बड़ी मात्रा में कच्चा माल रेल मार्ग से मंगाने की सुविधा मिलेगी।

सीनियर डीसीएम हितेश यादव के अनुसार मंडल प्रशासन की ओर से नए माल ग्राहकों को रेल परिवहन से जोड़ने और मौजूदा माल यातायात बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। खारिया खंगार से शुरू हुआ चूना पत्थर का यह यातायात इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आने वाले समय में मंडल के माल राजस्व को और बढ़ावा मिलने की संभावना है जिससे मंडल भारतीय रेलवे की आय में और वृद्धि होगी।

अजमेर-उदयपुर रेलखंड पर टिकट जांच अभियान चलाया

अजमेर, (निसं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल में बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों के खिलाफ जांच अभियान जारी है। इसी क्रम में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मिहिर देव के निर्देशन में अजमेर-उदयपुर-अजमेर रेलखंड पर विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया।

अभियान का संचालन मंडल वाणिज्य टिकट निरीक्षक केके मौर्य के नेतृत्व में 22 वाणिज्य एवं टिकट जांच कर्मियों की टीम ने किया। टीम ने रेलखंड से गुजरने वाली ट्रेनों और संबंधित रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के टिकटों की जांच की। जांच के दौरानबिना टिकट यात्रा करने वाले 259 यात्री पकड़े गए। इनसे 50,995 रुपए किराया और 1,29,500 रुपए अतिरिक्त प्रभार के रूप में वसूल किए गए। इस तरह कुल 1,80,495 रुपए की वसूली हुई। वहीं,उचित श्रेणी का टिकट नहीं होने पर यात्रा करने के 26 मामले सामने आए। इन यात्रियों से 5,170 रुपए किराया और 13,000 रुपए अतिरिक्त प्रभार सहित कुल 18,170 रुपए वसूल किए गए। इसके अलावा बिना बुक कराए सामान ले जाने के तीन मामलों में 200 रुपए जुर्माना वसूला गया। पूरे अभियान के दौरान कुल288 मामले दर्ज किए गए और यात्रियों से किराये एवं जुर्माने के रूप में 1,98,865 रुपए का राजस्व वसूल किया गया। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा उचित और वैध रेल टिकट लेकर ही यात्रा करें। साथ ही यात्रा के दौरान ले जाए जाने वाले सामान की नियमानुसार बुकिंग करवाएं, ताकि किसी प्रकार की असुविधा या वैधानिक कार्रवाई से बचा जा सके।

पाटन के ग्राम नरसिंहपुरी क्षेत्र में मनरेगा कार्य शुरू करवाने सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन

जल जीवन मिशन के अधूरे कार्य पूरे करवाने तथा पेयजल समस्याओं के स्थायी समाधान कराने की मांग की

पाटन, (निसं)। ग्राम पंचायत नरसिंहपुरी क्षेत्र में मनरेगा कार्य तत्काल शुरू करवाने, जल जीवन मिशन के अधूरे कार्य पूरे करवाने तथा पेयजल समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग को लेकर भारत की जनवादी नौजवान सभा के नेतृत्व में मंगलवार को ग्राम पंचायत कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान नौजवानों एवं ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत प्रशासन एवं सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग उठाई।

धरने को संबोधित करते हुए जिला सचिव एवं पूर्व सरपंच एडवोकेट कॉमरेड गोपाल सैनी ने कहा कि ग्राम पंचायत नरसिंहपुरी के नरसिंहपुरी, करणपुरा, तिवाड़ी का बास, हुल्डा का बास, झांकड़ा सहित कई गांव-ढाणियों में मनरेगा कार्य बंद पड़े हैं। इससे ग्रामीण मजदूरों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद कई स्थानों पर पाइप लाइन के कार्य अधूरे हैं, कहीं पाइप लाइन लीकेज की समस्या है तो कहीं पाइप लाइन डालने के बाद भी जलापूर्ति शुरू नहीं हुई है। गोपाल सैनी ने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक घर तक पानी पहुंचाना है, केवल पाइप लाइन डालना नहीं। उन्होंने प्रशासन से अधूरे कार्यों की मौके पर जांच करवाकर उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा कराने, लीकेज पाइप लाइनों को दुरुस्त करने तथा खराब ट्यूबवेलों की मरम्मत करवाकर नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। धरने को जिला सचिव कॉमरेड विक्रम यादव एवं किसान सभा जिला अध्यक्ष कॉमरेड ओमप्रकाश सैनी ने भी संबोधित किया।

वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीणों को रोजगार और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से सभी समस्याओं का तत्काल समाधान करने की मांग की। धरना समाप्त होने के बाद प्रशासक एवं ग्राम विकास अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मनरेगा कार्य तत्काल शुरू करवाने, जल जीवन मिशन के अधूरे कार्य पूरे कराने, लीकेज पाइप लाइनों की मरम्मत, सभी घरों तक पाइप लाइन पहुंचाने तथा खराब ट्यूबवेलों को दुरुस्त करवाने सहित कुल 26 मांगें रखी गईं। प्रशासक ने ग्रामीणों को एक सप्ताह के भीतर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक करते हुए उग्र आंदोलन किया जाएगा। धरने में कॉमरेड गोपाल सैनी, कॉमरेड विक्रम यादव, कॉमरेड ओमप्रकाश सैनी, जितेंद्र यादव, मुकेश सैनी, श्यामलाल सैनी, धर्मपाल सैनी पंच, सोहनलाल सैनी, मोतीराम सैनी, राहुल सैनी, नंदा बाबा, गोकुल सैनी, पप्पूराम सैनी, छगन लाल सैनी, सुरेश सैनी, सचिन सैनी सहित बड़ी संख्या में नौजवान एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने प्रशासक एवं ग्राम विकास अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

राशिफल

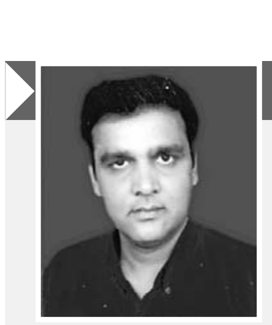

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 23 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत-2083, श्रवण नक्षत्र प्रातः 9:09 तक, सुकर्मा योग सायं 4:27 तक, बव करण प्रातः 10:17 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 9:57 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरु-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज राजयोग दिन 9:09 से रात्रि 10:51 तक है। आज श्री वामन जयन्ती, विजया महाद्वादशी व्रत, भुवनेश्वरी जयन्ती, वन बघड़ी, श्रवण द्वादशी व्रत है। पंचक रात्रि 9:57 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया- लाभ अमृत सूर्योदय से 9:19 तक, शुभ 10:49 से रात्रि 12:19 तक, चर 3:14 से 4:49 तक, लाभ 4:49 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल- 12:00 से 1:30 तक, सूर्योदय 6:14, सूर्यास्त 6:19

मेष – व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष – नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन – चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

कर्क – परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह – स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या – व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला – घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक – परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

धनु – नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर – व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ – घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मीन – आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

लापरवाह अधिकारियों एवं कार्मिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने 28 सितंबर तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आयोजित 'सेवा सेतु अभियान' में आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए

- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 'विकसित भारत-जन सेवा अभियान' का क्रियान्वयन सुनिश्चित हो
- जन-जन तक पहुंचे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित भारत जन सेवा अभियान का उद्देश्य जनसेवा, सामाजिक सरोकार एवं सुशासन की भावना को सुदृढ़ करना, जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के साथ-साथ किसानों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को विकसित भारत-जन सेवा अभियान को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ली। उन्होंने अभियान के माध्यम से सरकार की योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और नागरिक सेवाओं की जानकारी अंतिम छोर तक पहुंचाने तथा जनभागीदारी को और मजबूत करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को विकसित भारत-जन सेवा अभियान को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ली।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 'सेवा सेतु अभियान' को तीन दिवस बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं तथा नागरिक सेवाओं का स्थानीय स्तर पर लाभ उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से यह अभियान 28 सितंबर तक प्रदेशभर में संचालित होगा।

बैठक में बताया गया कि विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत प्रदेशभर में 383 रक्तदान शिविरों का आयोजन कर 15 हजार से अधिक यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। साथ ही, राज्य में 37 हजार से अधिक ऑनलाइन संकल्प पत्र भरे गए, जो कि देशभर में सर्वाधिक है। अभियान के तहत आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में 30 लाख परिवारों द्वारा दीपों का प्रज्वलन, और मेरे सपनों का भारत चित्रसेवा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित 17 हजार 730 कार्यक्रमों में 13 लाख 40 हजार से अधिक विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों ने भागीदारी की। मुख्यमंत्री ने आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए अधिकारियों को सड़क, स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं की प्रदायगी में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के सख्त निर्देश दिये।

बैठक में मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दीपावली से पूर्व सड़कों की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत करने एवं स्थानीय शासन विभाग को शहरों में साफ-सफाई सहित आमजन से जुड़ी अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में सुधार करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को भी प्रदेशभर में बिजली की निर्बाध एवं सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव एवं शासन सचिव सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

एचपीवी और एमआर टीकाकरण अभियान में तेजी लाने के निर्देश

जयपुर। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम ने प्रदेश में बच्चों और बालिकाओं के टीकाकरण की समीक्षा करते हुए सभी जिलों में अभियान को और तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में टीकाकरण की प्रगति कम है, वहां विशेष ध्यान देकर पात्र बच्चों और बालिकाओं का टीकाकरण कराया जाए।

डॉ. जोगाराम ने कहा कि 30 सितम्बर तक कम से कम 80 प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य पूरा किया जाए। जिन जिलों में यह लक्ष्य पूरा नहीं होगा, वहां संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही 31 अक्टूबर तक 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य करें।

उन्होंने कहा कि टीकाकरण से छूटी हुई पात्र बालिकाओं की पहचान कर उनका रिकॉर्ड पीसीटीएस और यू-विन पोर्टल पर दर्ज किया जाए। जीएवीआई द्वारा चुने गए जिलों में अगले तीन दिन में तथा अन्य जिलों में अगले सात दिन में छूटी हुई पात्र बालिकाओं की एंट्री पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि केवल टीका लगाना ही नहीं, बल्कि उसकी ऑनलाइन एंट्री भी समय पर होना जरूरी है, ताकि हर लाभार्थी का सही रिकॉर्ड उपलब्ध रहे।

एसआई पेपर लीक मामले में दो अभ्यर्थी गिरफ्तार

- 7 लाख और 20 लाख रुपए में हुआ था सौदा
- लीक सॉल्वड पेपर पढ़कर लिखित परीक्षा पास की

जयपुर। उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने दो और अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर परीक्षा से पहले पेपर लीक गिरोह से सॉल्वड पेपर प्राप्त कर परीक्षा पास करने का आरोप है। एसओजी में दर्ज एफआईआर के तहत की गई कार्रवाई में गिरफ्तार नरेंद्र प्रताप सिंह और अनिल विश्नोई को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से दोनों को पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल के अनुसार दोनों ने पेपर लीक गिरोह के सदस्यों को लाखों रुपए देकर परीक्षा से पहले लीक सॉल्वड पेपर पढ़ा था।

एसओजी के अनुसार नरेंद्र प्रताप सिंह ने अपने ही गांव के पेपर लीक सरगना विनोद कुमार जाट उर्फ विनोद रेवाड़ से 7 लाख रुपए में सौदा किया था। परीक्षा से पहले हैंडलर के माध्यम से लीक सॉल्वड पेपर पढ़ने के बाद उसने परीक्षा दी।

नरेंद्र ने सामान्य हिंदी में 200 में से 149.09 और सामान्य ज्ञान में 200 में से 124.71 अंक हासिल कर लिखित परीक्षा पास की, लेकिन अंतिम मेरिट में स्थान नहीं बनने के कारण उसका चयन नहीं हो सका।

सरगना विनोद रेवाड़ को 28 अगस्त 2025 को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आरोप-पत्र पेश किया जा चुका है। वहीं दूसरा आरोपी अनिल विश्नोई (25) निवासी धर्मपुरी की ढाणी, भगतासनी, थाना लूनी, जोधपुर कमिश्नरेट है। एसओजी के अनुसार अनिल ने अपने भाई तेजाराम विश्नोई और पेपर लीक गिरोह के सदस्य शैतानाराम विश्नोई, तत्कालीन कांस्टेबल यातायात शाखा जोधपुर, के जरिए 20 लाख रुपए में सौदा किया था। शैतानाराम और गणपतलाल विश्नोई के माध्यम से उसे पेपर लीक सरगना भूपेंद्र सारण के हैंडलर से परीक्षा से पहले सॉल्वड पेपर मिला था।

अनिल ने सामान्य हिंदी में 154.69 और सामान्य ज्ञान में 157.38 अंक हासिल कर लिखित परीक्षा पास की, लेकिन शारीरिक दक्षता परीक्षा में असफल रहने के कारण चयनित नहीं हो सका।

एसओजी के अनुसार भूपेंद्र सारण को 16 मार्च 2024 और शैतानाराम विश्नोई को 22 अगस्त 2024 को गिरफ्तार कर आरोप-पत्र पेश किया जा चुका है। वहीं तेजाराम और गणपतलाल विश्नोई अभी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

सार-समाचार

सरपंच-वार्ड पंच पदों का आरक्षण 24 सितंबर को होगा तय

जयपुर। पंचायत राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत पंचायत समिति झोटवाड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया 24 सितंबर को लॉटरी के माध्यम से होगी। इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा महिलाओं के लिए आरक्षण और श्रेणीवार पदों का आवंटन निर्धारित किया जाएगा। उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम खुशबू शर्मा ने बताया कि आरक्षण निर्धारण एवं श्रेणीवार आवंटन की लॉटरी 24 सितंबर को सुबह 10 बजे से आयोजित की जाएगी। यह प्रक्रिया उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम के कार्यालय कलेक्ट्रेट जयपुर में संपन्न होगी। लॉटरी के माध्यम से पंचायत समिति झोटवाड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और महिलाओं के आरक्षण का निर्धारण किया जाएगा। आरक्षण की श्रेणीवार स्थिति तय होने के बाद संबंधित ग्राम पंचायतों में चुनावी प्रक्रिया के लिए पदों का आवंटन किया जाएगा।

पोते ने चाकू से दादी की हत्या की

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना इलाके की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में मंगलवार को 25 वर्षीय पोते ने अपनी बुजुर्ग दादी पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी। इस वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पोते पुलकित को मौके से हिरासत में ले लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद पुलकित ने अपनी दादी विमला देवी पर चाकू से हमला किया। गंभीर चोट लगने से बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार नहीं हुआ और पुलिस के पहुंचने तक वहीं मौजूद था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बजरंग सिंह शेखावत ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू की। आसपास के लोगों से भी घटना के संबंध में जानकारी ली गई। प्रारंभिक जानकारी में आरोपी के मानसिक रूप से कमजोर होने की बात भी सामने आई है। हालांकि उसकी मानसिक स्थिति और घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही होगी। पुलिस आरोपी से पूछताछ के साथ घटनास्थल और आसपास के लोगों से मिले साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ रही है।

मॉल के बेसमेंट के पैनल में आग लगी

जयपुर। गांधी नगर थाना इलाके नारायण सिंह सर्किल स्थित सिग्नेचर एलिट मॉल में मंगलवार दोपहर बेसमेंट के विद्युत पैनल में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की सूचना मिलते ही मॉल में काम कर रहे लोग सतर्क हो गए और बेसमेंट में खड़ी गाड़ियां बाहर निकालने में जुट गए। हालांकि, समय रहते दमकल की दो गाड़ियों ने करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 2.15 बजे मॉल के बेसमेंट स्थित पैनल में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। एहतियात के तौर पर मॉल की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। बेसमेंट में आग के कारण धुआं भर गया था, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।प्रारंभिक जांच में बेसमेंट के विद्युत पैनल में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। आग ज्यादा फैलने से पहले ही दमकलकर्मियों ने मोर्चा संभाल लिया और करीब 20 मिनट में आग पर नियंत्रण पा लिया। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारण और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को वजह माना जा रहा है, लेकिन दमकल और संबंधित विभाग की जांच के बाद ही आग के कारणों की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी।

खदान में गहरी खाई में गिरी पोकलेन मशीन हादसे में ऑपरेटर की मौत

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके के खोरा श्यामदास में पत्थर की खदान में पोकलेन मशीन फिसलकर गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में मशीन पर सवार ऑपरेटर की मौत हो गई। थानाधिकारी महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि जगदंबा क्रेशर की खदान में एलएनटी/पोकलेन मशीन से काम चल रहा था। इसी दौरान मशीन अचानक फिसल गई और गहरी खाई में जा गिरी। मशीन चला रहे चेतलाल पंडित (30) भी नीचे गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक झारखंड के हजारीबाग जिले के काल्हाबाद का निवासी था और पिछले करीब 8 से 10 साल से पोकलेन मशीन चलाने का काम कर रहा था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम कराया गया ।

नगर निगम जयपुर के अध्यक्ष पद के लिए दो अभ्यर्थी चुनाव मैदान में

जयपुर। नगर निगम जयपुर के अध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए नाम वापसी की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अंतिम रूप से दो अभ्यर्थी महापौर पद के लिए चुनाव मैदान में हैं। रिटर्निंग अधिकारी (महापौर एवं उपमहापौर) आशीष कुमार ने बताया कि अंतिम रूप से चुनाव मैदान में रहने वाले अभ्यर्थियों में सुनीता गुप्ता मावर (इंडियन नेशनल कांग्रेस, चुनाव चिह्न हाथ) तथा सुनील (भारतीय जनता पार्टी, चुनाव चिन्ह कमल) शामिल हैं।

कठूमर पंचायत समिति के दो इंजीनियर 35 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़े गए

दोनों अधिकारियों पर पंचायत समिति में लंबित 2.52 लाख रुपए के बिल के भुगतान के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है

अलवर, (निसं)। अलवर की पंचायत समिति कठूमर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए सहायक अभियंता शिवराम और कनिष्ठ अभियंता मिन्ना खान को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। दोनों अधिकारियों पर पंचायत समिति में लंबित 2.52 लाख रुपए के बिल के भुगतान के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है।

अलवर की पंचायत समिति कठूमर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए सहायक अभियंता शिवराम और कनिष्ठ अभियंता मिन्ना खान को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। पोसवाल कम्पनी ने ग्राम पंचायत में एफएसएसी योजना के तहत टेंडर के माध्यम से राजीव गांधी सेवा केन्द्र ईटोला का मरम्मत कार्य कराया था। इस काम का 2,52,000 रुपए का बिल पंचायत समिति कठूमर में भुगतान के लिए लंबित था। बिल का भुगतान कराने के लिए परिवादी ने पंचायत समिति कार्यालय में सहायक अभियंता शिवराम और कनिष्ठ अभियंता मिन्ना खान से संपर्क किया

आरोपी सहायक अभियंता शिवराम और कनिष्ठ अभियंता मिन्ना खान।

था। शिकायत के मुताबिक सहायक अभियंता शिवराम ने बिल पास करने की एवज में 40 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। वहीं, कनिष्ठ अभियंता मिन्ना खान पर 15 हजार रुपए रिश्वत मांगने का आरोप है। शिकायत मिलने के बाद एसीबी चौकी भिवाड़ी ने 18 सितंबर को रिश्वत मांग की शिकायत का सत्यापन कराया। सत्यापन में दोनों अधिकारियों की ओर से रिश्वत की मांग किए जाने की पुष्टि हुई। सत्यापन के दौरान शिवराम द्वारा 40 हजार रुपए की मांग की गई। परिवादी के राशि कम करवाने के आग्रह के बाद वह 35 हजार रुपए लेने पर सहमत हुआ। इसमें से 10 हजार रुपए मौके पर लेने और

- **एसीबी ने सहायक अभियंता शिवराम को 25 हजार और कनिष्ठ अभियंता मिन्ना खान को 10 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते डिटेन किया**

बाकी 25 हजार रुपए बाद में लेने की बात सामने आई। इसी तरह मिन्ना खान ने 15 हजार रुपए की रिश्वत मांगी और पांच हजार रुपए मौके पर प्राप्त करने के बाद 10 हजार रुपए और लेने पर सहमति जताई।

एसीबी चौकी भिवाड़ी ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए सहायक अभियंता शिवराम को 25 हजार रुपए और कनिष्ठ अभियंता मिन्ना खान को 10 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों डिटेन किया। यह कार्रवाई डॉ. रामेश्वर सिंह, उप महानिरीक्षक पुलिस, एसीबी के सुपरवीजन में की गई। कार्रवाई का नेतृत्व एसीबी चौकी भिवाड़ी के प्रभारी एवं ट्रैप कार्रवाई अधिकारी सुरजीत सिंह, पुलिस निरीक्षक ने किया। एसीबी के अनुसार कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों से पूछताछ और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव और महानिरीक्षक पुलिस एस. परिमाला के सुपरवीजन में मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसीबी ने बताया कि प्रकरण भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किया जाएगा और मामले में अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा। कार्रवाई के बाद पंचायत समिति कठूमर में रिश्वत मांगने और सरकारी काम के बदले अवैध राशि लेने के आरोपों को लेकर विभागीय स्तर पर भी जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। एसीबी ने शिकायत, सत्यापन और ट्रैप कार्रवाई से जुड़े दस्तावेज जुटाने शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों से पूछताछ के आधार पर रिश्वत मांगने के पूरे मामले की कड़ियां जांची जाएंगी और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लॉटरी से भाजपा के हेमंत सांखला अजमेर के डिप्टी मेयर बने

निर्वाचन विभाग के अधिकारियों ने हेमंत सांखला को प्रमाण पत्र सौंपा।

अजमेर, (निसं)। नगर निगम के डिप्टी मेयर पद के लिए मंगलवार को हुए चुनाव में रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। भाजपा की ओर से हेमंत सांखला और कांग्रेस की ओर से नौरत गुर्जर चुनाव मैदान में थे। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतगणना में दोनों प्रत्याशियों को 40-40 वोट मिले। दोनों प्रत्याशियों के मत बराबर होने के बाद निर्वाचन विभाग की ओर से नियमानुसार लॉटरी प्रक्रिया अपनाई गई।

लॉटरी प्रक्रिया में भाजपा के हेमंत सांखला के नाम की पर्ची निकलने के बाद उन्हें डिप्टी मेयर निर्वाचित घोषित किया गया। परिणाम सामने आते ही भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने एक-दूसरे को बधाई दी और खुशी जताई। डिप्टी मेयर चुनाव को लेकर नगर निगम भवन परिसर में सुबह से ही राजनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। चुनाव प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए निगम भवन परिसर मेंभारी पुलिस बल तैनातरहा। पुलिसकर्मियों ने निगम परिसर में आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखी और चुनाव प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी।

- **भाजपा के नौरत गुर्जर और कांग्रेस के हेमंत सांखला को 40-40 वोट मिले**
- **बराबरी के बाद निर्वाचन विभाग ने अपनाई लॉटरी प्रक्रिया**

देशनोक में तीन बच्चों की पानी की डिग्गी में डूबने से मौत

दो को बचाने डिग्गी में उतरा तीसरा भी डूबा, 10 दिन पहले परिवार के साथ हिसार से आए थे

बीकानेर, (निसं)। देशनोक में खेत में बनीं पानी की डिग्गी में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। डिग्गी में कृष (7) और कार्तिक (4) डूबने लगे तो उन्हें बचाने पंकज (17) भी डिग्गी में कूद गया, लेकिन तीनों ही डूब गए। हादसा ओरण परिक्रमा रोड स्थित एक खेत का है।

तीनों बच्चे हिसार जिले की आदमपुर तहसील के रहने वाले थे और परिवार के साथ पिछले करीब 10 दिन से खेत में नरमा कटाई के सिलसिले में आए हुए थे। परिजनों के अनुसार, सोमवार शाम करीब 5:30 बजे बच्चे आसपास दिखाई नहीं दिए तो उनकी तलाश शुरू की गई। तलाश के दौरान खेत में बनी पानी की डिग्गी के पास कुछ हलचल नजर आई। परिजनों ने देखा तो कृष और कार्तिक पानी में डूब चुके थे। उन्हें बचाने के प्रयास में पंकज भी डिग्गी में उतर गया। इस दौरान वह भी पानी में डूब गया। हादसे में तीनों बच्चों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन और आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे। तीनों बच्चों को देशनोक सीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शवों का पोस्टमॉर्टम करवाया और परिजनों को सुपुर्द कर दिया। हादसे के बाद देशनोक सीएचसी में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बच्चों की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया। परिजनों के अनुसार, परिवार पिछले करीब 10 दिनों से देशनोक क्षेत्र में नरमा कटाई के सिलसिले में खेत पर रह रहा था।

कार ने दो बाइकों को टक्कर मारी, एक की मौत

बूंदी, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में बीती रात तेज रफ्तार कार ने दो बाइक पर सवार चार युवकों को टक्कर मार दी। हट्टीपुरा गांव के पास रात्रि करीब डेढ़ से दो बजे के बीच हुए इस भीषण हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

सदर थाने के सहायक उप निरीक्षक गजानंद ने बताया कि तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रही दो बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार चारों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बून्दी जिला अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना में तालेड़ा थाना क्षेत्र के नया बरधा निवासी मनीष माली की मौके पर मौत हो गई। वहीं प्रीतमपुरा निवासी अमन भील, अंशुल और दीपक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक तीनों घायल पर्चा बयान देने की स्थिति में नहीं हैं। हादसे की सूचना के बाद मृतक मनीष माली के परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। परिजनों के पहुंचने के बाद पुलिस ने सोमवार सुबह शव का पोस्टमार्टम कराया और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

परिजनों ने बताया कि गांव से चारों युवक दो बाइक से तेजा दशमी की सवारी देखने आए थे जो हादसे का शिकार हो गए। एएसआई गजानंद ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसा देर रात करीब डेढ़ से दो बजे के बीच हुआ।

विराटनगर में स्मैक सहित चार आरोपी गिरफ्त में

पावटा, (निसं)। मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विराटनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3.06 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद करने के साथ ही तस्करी में प्रयुक्त मारुति स्विफ्ट कार को भी जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई बिलवाड़ी स्टैंड से पहले पुराने रोड प्लेट के सामने, एनएच-248ए तन बिलवाड़ी पर की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नरसी मीणा, महेश सैनी उर्फ सुन्ना, कृष्ण मीणा उर्फ बाबू मीणा तथा सुभाष उर्फ कालूराम मीणा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। मामले में मादक पदार्थ की बरामदगी और आरोपियों के नेटवर्क को लेकर पुलिस जांच जारी है।

DIRECTORATE OF RESEARCH
SRI KARAN NARENDRA AGRICULTURE UNIVERSITY) JOBNER, DISTRICT-JAIPUR

Expression of Interest

SKNAU, Jobner invites Expression of Interest (EOI) from eligible DGCA-authorized RPTOs/ drone manufacturers/ drone training institutions/ drone service providers, and/or other eligible agencies for empanelment and collaboration through a MoA under the PPP mode for conducting Drone Pilot Training at SKNAU, Jobner. Pre-bid Discussion: 23-09-2026; 11:00AM and date of Bid Submission:30-09-2026; 11:00AM. For more detail visit University website: **www.sknau.ac.in.**

Raj.Samwad/C/26/10635 Director Research

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. जिला खण्ड शेरगढ़

क्रमांकः-अअ / आ. निविदा/2026-27//552 दिनांक :-16/09/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 05 वर्ष 2026-27

NIB Code - PWD2627A2754

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सा.नि.वि. खण्ड शेरगढ़ के अन्तर्गत विभिन्न कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई - टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO.- PWD2627WSOB12259

(विजय लाल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड शेरगढ
मोबाईल : 9829073216

DIPR/C/16153/2026

बकरी चोरी विवाद में दंपती पर डम्पर चढ़ाया, युवक की मौत

घायल पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया, ग्रामीणों ने एक करोड़ मुआवजे की मांग रखी

गजनेर, (निसं)। थाना क्षेत्र के सरेह किशनायत में तड़के बकरी चोरी के विवाद को लेकर डम्पर से कुचलने की घटना में पूनमराम मेघवाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी पूनम देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल महिला का बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया।

पुलिस के अनुसार डेह निवासी बाबूराम नायक पर एक दिन पहले पूनमराम की ढाणी से बकरी चोरी करने का आरोप लगा था। परिवार के सदस्यों ने पीछा कर बकरियां वापस ले ली थीं तथा आरोपी का मोबाइल भी अपने पास रख लिया था। पुलिस को आशंका है कि इसी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया। आरोप है कि सुबह करीब चार से पांच बजे बाबूराम नायक पुष्पेंद्र सिंह की खान से डम्पर लेकर पूनमराम की ढाणी पहुंचा। सड़क से करीब 600 मीटर अंदर सो रहे दंपती पर डम्पर चढ़ा दिया। हादसे में पूनमराम की मौत हो गई। ढाणी में खड़ी दो मोटरसाइकिलें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। मृतक के बेटे की बाइक को कुचलने का प्रयास किए जाने का भी आरोप है।

सूचना पर एडीशनल एसपी बनवारीलाल, कोलायत सीओ जयपाल सिंह और गजनेर थानाधिकारी ओमप्रकाश मौके पर पहुंचे। एफएसएल और एमओबी टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने डम्पर बरामद कर आरोपी को हिरासत में लिया। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया, जिसके चलते शव कोलायत अस्पताल में रखवाया गया।

- **पुलिस ने डम्पर बरामद कर आरोपी को हिरासत में लिया**

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

रामगंजमंडी, (निसं)। रामगंजमंडी रेलवे ओवरब्रिज के पास सोमवार देर शाम दर्दनाक हादसा हो गया। डाउन लाइन पर ट्रेन से गिरने के कारण 32 वर्षीय युवक मनोज पुत्र दुर्गाशंकर निवासी बुरनखेड़ी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मनोज रामगंजमंडी से कोटा की ओर जा रहा था। इसी दौरान रेलवे ओवरब्रिज के पास अचानक संतुलन बिगड़ने से वह ट्रेन से नीचे गिर गया और गंभीर हादसे का शिकार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ मौके पर पहुंची और परिजनों को सूचना दी। इसके बाद रामगंजमंडी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।

बयाना रेलवे स्टेशन पर नाबालिग बालिका मिली

कोटा, (निसं)। मंडल के बयाना रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नम्बर एक पर 13 वर्षीय नाबालिग बालिका अकेली मिली। सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बालिका को आरपीएफ पोस्ट लाकर चाईल्ड लाईन को सौंपकर बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि बयाना रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर एक पर नाबालिग बालिका के अकेले होने की सूचना पर सहायक उप निरीक्षक देवेन्द्र कुमार ने बालिका को सुरक्षित आरपीएफ आउट पोस्ट, बयाना लाकर उससे जानकारी ली। बालिका ने बताया कि वह पुराना फरीदाबाद क्षेत्र की रहने वाली है और पारिवारिक कारणों से बिना बताए घर से निकल आई थी। इसके बाद चाइल्ड हेल्पलाइन, भरतपुर को सूचित किया गया और बालिका को गाड़ी संख्या 13238 से भरतपुर ले जाकर चाइल्ड हेल्पलाइन की सदस्य खुशबू के साथ बाल कल्याण समिति, भरतपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के निर्देश पर उसे राजकीय बालिका गृह, भरतपुर में दाखिल कराया गया।

अलग-अलग हादसों में दो जनों की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के मंडोर पुलिस थाना क्षेत्र में एक अधेड़ ने फंदा लगाकर अपना जान दे दी। उसके पुत्र ने मर्ग में रिपोर्ट दी। मंडोर पुलिस ने बताया कि बारली मंडावता निवासी 58 साल के खेमसिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला। उसके पुत्र दिव्यम ने मर्ग की रिपोर्ट दी। पुलिस ने शव को कार्रवाई के उपरांत परिजन के सुपुर्द किया। वहीं निर्माणाधीन भवन पर कार्य करते नीचे गिर कर घायल होने वाले श्रमिक की अस्पताल में मौत हो गई।

बोरानाडा पुलिस ने बताया कि मुसलमानों का बास, बिसलपुर डांगियावास निवासी 35 वर्षीय फारूख शाह पुत्र इसुब शाह यहां बोरानाडा स्थित गांगाणा फांटा नवकार सिटी के पास में एक निर्माण में कार्य में लगा हुआ था। इसी दौरान घर की छत पर रस्सी टूट गई। इसके साथ ही श्रमिक पर वह नीचे गिर गया और बुरी तरह घायल हो गया। उस तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी अब अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। उसके पिता इसुब शाह ने मर्ग में रिपोर्ट दी। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

अवैध खनन पर कार्रवाई

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन चलाये जा रहे अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ विशेष अभियान के तहत गठित थाना पुलिस टीम ने अभियान में कार्रवाई करते हुये क्षेत्र से अवैध बजरी भरकर परिवहन करते हुए एक डम्पर मय 60 टन बजरी के जब्त किया गया। इस दौरान पुलिस ने चालक बद्रीलाल पुत्र सत्यनारायण बलाई निवासी मनोहरपुरा थाना बोराडा जिला अजमेर को गिरफ्तार किया है।

इसी प्रकार इस अभियान में थानाधिकारी थाना बरोनी जयमल सिंह के नेतृत्व में गठित थाना टीम ने कार्रवाई करते हुए जोंला से बगड़ी रोड से ट्रैक्टर-ट्रॉली जिसमें अवैध बजरी 2 टन भरी हुई को जप्त किया गया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियात्रिकी विभाग खंड राजसमन्द

Phone: 02952-223136 E-Mail: phedrajd@gmail.com

कमांक/अअ/राज/निविदा/2026-27/ 1884 दिनांक 14.09.2026

निविदा सूचना संख्या 84-85/2026-27

(NIB No. PHE2627A2568)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खंड के अधिन निम्नलिखित कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों के निर्धारित प्रपत्र में खुली / दर संविदा निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा संबंधी विवरण www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है। निविदा निम्नानुसार निर्धारित दिनांक को इस कार्यालय द्वारा बेची जाकर उपस्थित निविदादाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। धरोहर राशि का ई-चालान 8443-00-108-00-00 हेड में जमा कर संलग्न करना होगा तथा DDO Code 11243 अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिक विभाग खंड राजसमंद के नाम ई-चालान मद 0075-00-800-52-01 में निविदा शुल्क जमा कराकर निविदा प्रपत्र SPPP पोर्टल से प्राप्त किया जा सकता है उपरोक्त के अभाव में निविदा अमान्य होगी।

UBN No.-PHE2627WSRC05304
UBN No.-PHE2627WSRC05305

अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियात्रिकी विभाग
खंड राजसमन्द

DIPR/C/16230/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड प्रथम, सीकर

क्रमांकः 3122 दिनांकः 07-09-2026

संशोधित निविदा सूचना संख्या 12/2026-27

(RO No. 14906)

इस कार्यालय के क्रमांक 2658 दिनांक 11.08.2026 के द्वारा आमंत्रित निविदा संख्या 12/2026-27 के क्रम संख्या 8 पर अंकित कार्य को अपरिहार्य कारणों से निम्नानुसार संशोधित किया जाता हैः-

विवरण	पूर्व दिनांक	संशोधित दिनांक
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख	दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 9.9.2026 को सांय 6.00 बजे तक	दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 09.09.2026 को सांय 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तारीख	दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 9.9.2026 को सांय 6.00 बजे तक	दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 09.09.2026 को सांय 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	10.09.2026 को दोपहर 1.00 बजे	22.09.2026 को दोपहर 1.00 बजे

नोटः- संवेदक द्वारा धरोहर राशि के रूप में डिमाण्ड ड्राफ्ट / बैंकर चैक / बैंक गारन्टी / ई-बैंक गारन्टी / इन्सुरेन्स श्योरिटी बॉण्ड के माध्यम से जमा करवाता है तो भौतिक रूप से दिनांक 22.09.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक जमा करवाना आवश्यक है।

NIB Code-PWD2627A2233
UBN Code-PWD2627WSOB09980

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

(प्रकाश चन्द्र)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि., खण्ड प्रथम, सीकर

DIPR/C/15879/2026

खाटूश्यामजी से लापता पार्षद को रानोली से पकड़ा

सीकर, (निसं)। सीकर के खाटूश्यामजी नगर पालिका की लापता पार्षद को पुलिस ने रानोली के आखेपुरा टोल के पास से पकड़ लिया है। पार्षद को पुलिस निगरानी में घर भेजा गया है। खाटूश्यामजी में पार्षद लक्ष्मी देवी के लापता होने की वजह से चेयरमैन और वाइस चेयरमैन का चुनाव स्थगित कर दिया गया था। अब कोर्ट और निर्वाचन आयोग के आदेश पर चुनाव प्रक्रिया टिक गई है। लक्ष्मी देवी के पति हरलाल ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। खाटूश्यामजी कोतवाली पुलिस ने पार्षद को कोर्ट में पेश करने के बाद घर भेज दिया है। कानूनी कार्रवाई और राज्य निर्वाचन आयोग के आदेश के बाद खाटूश्यामजी की बची हुई चुनाव प्रक्रिया पूरी होगी।

इकलेरा में हुये विज्जो हत्याकांड के मुख्य आरोपी को मुठभेड़ के बाद पकड़ा

पुलिस को देखते ही आरोपी ने देसी कट्टे से तीन फायर किये, जवाबी कार्रवाई में आरोपी के घुटने में गोली लग गई

डीग/भरतपुर, (निसं)। डीग के गांव इकलेरा में 14 सितंबर की शाम पुरानी रंजिश को लेकर हुई फायरिंग में 55 वर्षीय विजय सिंह उर्फ विज्जो गुर्जर की हत्या के मामले में डीग पुलिस ने मंगलवार सुबह मुख्य आरोपी सुनहरी पुत्र भगवान सिंह निवासी इकलेरा को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए टीम पर अवैध देसी कट्टे से तीन राउंड फायर किए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर के घुटने में गोली लगी, जिसके बाद टीम ने उसे मौके से दबोच लिया।

- **14 सितंबर को इकलेरा गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था, फायरिंग में विजय सिंह उर्फ विज्जो गुर्जर की मौत हो गई थी**

थाना कोतवाली प्रभारी हीरालाल मीणा ने बताया कि 14 सितंबर की शाम इकलेरा गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। आरोप है कि सुनहरी पक्ष ने अवैध हथियार से फायरिंग कर दूसरे पक्ष के विजय सिंह उर्फ विज्जो को गंभीर रूप से घायल कर दिया। उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई थी। मृतक के पुत्र प्रधान सिंह की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली डीग में नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस इस प्रकरण में शामिल आरोपी गोविंद पुत्र हरफूल गुर्जर निवासी इकलेरा को 17 सितंबर को गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस अधीक्षक डीग शरण गोपीनाथ कांबले के निर्देशन में मुख्य आरोपी सहित अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थीं। इसी दौरान मंगलवार सुबह करीब 5 बजे क्यूआरटी को मुख्य आरोपी सुनहरी के श्रीपुर मोड़ से पहले होने की सूचना मिली। सूचना पर थाना कोतवाली पुलिस और क्यूआरटी की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को पकड़ने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस के मुताबिक टीम को देखते ही सुनहरी ने अवैध देसी कट्टे से पुलिसकर्मियों पर तीन राउंड फायर कर दिए। पुलिस पार्टी ने बचाव करते हुए जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक गोली आरोपी के बाएं पैर के घुटने में लगी। इसके बाद पुलिस ने तत्काल उसे डिटेन कर लिया। घायल आरोपी को प्राथमिक उपचार के लिए राजकीय जिला चिकित्सालय डीग लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर भरतपुर रेफर कर दिया। पुलिस ने मौके से आरोपी के कब्जे से देसी कट्टा और राउंड बरामद किए हैं। हथियार बरामदगी और पुलिस पर फायरिंग के संबंध में थाना कोतवाली डीग में अलग से प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में आरोपी से पूछताछ कर रही है।

Office of the Additional Chief Engineer (Project) PHED, Ajmer

Qtr. No. II/2, PHED Colony, Vaishali Nagar, near RIICO Watch Factory, Ph. No. 0145-2640265, Fax No. 0145-2640265, email: acepajmer@gmail.com acepajm.phed@rajasthan.gov.in

S.No. F()ACE/Proj/Aj/Ngr/2026-27/3464 Dated: 14/09/2026

CORRIGENDUM NO. 02

NIB Code:- PHE2627A2166 & UBN No. (PHE2627WLOB04282)

In continuation to this office NIT No.01/2026-27 issued vide letter no. 2869-2922 dated 12.08.2026. The following amendment are hereby notified: -

S.N.	Description	As per original NIT	As per this corrigendum
1	Date & time for downloading of bid document.	From 13.08.2026 to 7.9.2026 up to 18:00 hrs	From 13.08.2026 to 30.09.2026 up to 18:00 hrs
2	Date & time for online submission of bid document	07.09.2026 up to 18:00 hrs	30.09.2026 up to 18:00 hrs
3	Documents in proof of deposition of Bid Security, RISL Fee & Tender Fee and Deposition of affidavits on Non-Judicial Stamp Paper 1. ANNEX 3 Power of attorney on Stamp Paper of Rs.500/- 2. HCNP-Rs.500/ 3. शपथ-पत्र 'स' on Rs.100/-	08.09.2026 up to 13:00 hrs	01.10.2026 up to 13:00 hrs
4	Date & Time for Opening of Technical bid.	08.09.2026 up to 15:00 hrs	01.10.2026 up to 15:00 hrs

All other terms and conditions shall remain same as mentioned in original tender document.

(Krishan Kumar Agarwal)
Additional Chief Engineer
(Project) PHED, Ajmer

DIPR/C/16059/2026

सभी 361 ब्लॉकों में टीबी मुक्त भारत की टीमें तैयार

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि टीबी को खत्म करने के लिए सरकार के प्रयासों के साथ आम लोगों और युवाओं की भागीदारी भी जरूरी है। इसी दिशा में राजस्थान ने टीबी मुक्त भारत टीमों के गठन में 100 प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर लिया है। प्रदेश के सभी 361 ब्लॉकों में टीबी मुक्त भारत की टीमें बना दी गई हैं।

उन्होंने बताया कि इन टीमों से 1,805 माय भारत वॉलंटियर्स और 1,805 एनसीसी कैडेट्स जुड़े हैं। ये युवा अपने-अपने क्षेत्र में लोगों को टीबी के लक्षणों, जांच और समय पर इलाज के बारे में जागरूक करने में सहयोग करेंगे। राठौड़ ने कहा कि टीबी का समय पर पता लगना और पूरा इलाज होना बहुत जरूरी है। इसके लिए लोगों को जागरूक करने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। ब्लॉक स्तर पर बनाई गई टीमें अभियान का संदेश ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद करेंगी। 21 सितम्बर 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार देशभर में 7,026 ब्लॉकों में 4,686 टीमें गठित हुई हैं और टीम गठन का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिशत 67 प्रतिशत है। वहीं राजस्थान के सभी 361 ब्लॉकों में टीमें गठित होने के साथ प्रदेश ने 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है।

जलझूलनी एकादशी पर पालकी में निकले ठाकुरजी को सरोवर में जल विहार कराया

छोटी काशी में जलझूलनी एकादशी के रूप में उल्लास के साथ मनाई

जयनिवास बाग स्थित ठिकाना मंदिर गोविंद देवजी महाराज में ठाकुर श्रीजी को नटवर वेश धारण कराया।

- पुरानी बस्ती स्थित राधा गोपीनाथजी मंदिर में महंत सिद्धार्थ गोस्वामी के सान्निध्य में अभिषेक, श्रृंगार और पदगायन हुआ

जयपुर। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की एकादशी मंगलवार को छोटी काशी में जलझूलनी एकादशी के रूप में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। शहर के प्रमुख वैष्णव मंदिरों में दिनभर धार्मिक आयोजन हुए। शाम को शंख, घंटे और घड़ियाल की मंगल ध्वनि के बीच सालिग्रामजी को पालकी में विराजमान कर डोल उत्सव निकाला गया। ठाकुरजी को विभिन्न मार्गों और कॉलोनियों में भ्रमण कराने के बाद पुनः मंदिर में विराजमान किया गया।

वहीं जयनिवास बाग स्थित ठिकाना मंदिर गोविंद देवजी महाराज में ठाकुर श्रीजी को नटवर वेश धारण कराया गया। मंदिर प्रशासन के अनुसार ग्वाल झांकी के बाद शाम 4.45 से 5.15 बजे तक दर्शन पट मंगल रहे। इस दौरान मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी जलझूलनी एकादशी का विशेष पूजन किया। ठाकुर सालिग्रामजी (नारायणजी) को खाट पर विराजमान कर मंदिर के दक्षिण-पश्चिमी चौक स्थित तुलसी मंच पर ले जाया गया। यहां पंचामृत अभिषेक, चंदन श्रृंगार और विशेष आरती की गई।

इसके बाद तुलसी मंच की चार परिक्रमा की गईं। फिर सालिग्रामजी को खाट पर विराजमान कर मंदिर की एक परिक्रमा कराते हुए निज मंदिर में प्रवेश कराया गया और ठाकुर श्रीजी के समीप विराजमान किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के बाद दर्शन पट खोले गए और श्रद्धालु संध्या झांकी में ठाकुरजी के दर्शन कर आरती का लाभ लिया।

सुभाष चौक पानों का दरीबा स्थित सरस निकुंज में शुक संप्रदाय पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज के सान्निध्य में सुबह राधा सरस बिहारी सरकार का वेदोक्त मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक किया गया। ऋतु पुष्पों से श्रृंगार कर सागारी सामग्री का भोग लगाया गया। शाम को जलझूलनी एकादशी के भाव से जुड़े पदों का गायन कर ठाकुरजी के लाड़ लड़ाए गए। पुरानी बस्ती स्थित राधा गोपीनाथजी मंदिर में महंत सिद्धार्थ गोस्वामी के सान्निध्य में अभिषेक, श्रृंगार और पदगायन हुआ। चौड़ा रास्ता स्थित राधा दामोदरजी मंदिर में महंत मलय गोस्वामी के सान्निध्य में एकादशी उत्सव मनाया गया।

इसी प्रकार मदनगोपालजी, रामगंज बाजार स्थित लाड़लीजी, चांदनी चौक स्थित ब्रजनिधिजी, आनंद कृष्ण बिहारीजी, रामगंज चौपड़ स्थित मुरली मनोहरजी सहित अन्य वैष्णव मंदिरों में भी जलझूलनी एकादशी के आयोजन हुए।

गोनेर स्थित लक्ष्मीजगदीशजी मंदिर में जलझूलनी एकादशी का वार्षिक मेला भरा। जयपुर सहित विभिन्न जिलों और मध्यप्रदेश से हजारों श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए पहुंचे। सुबह से ही मंदिर में दर्शनार्थियों की कतारें लगी रहीं। शाम को मुख्य उत्सव के तहत लक्ष्मीजगदीश महाराज को पालकी में विराजमान कर बैंड-बाजे के साथ जगन्नाथ सरोवर ले जाया गया। श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए साथ चले।

सरोवर पहुंचने पर भगवान को नौका में विराजमान कर जल विहार कराया गया। जल विहार यात्रा में करीब 30 झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। विभिन्न स्वरूपों की झांकियों के साथ सजे-धजे घोड़े, बैंड-बाजे और बलवंत व्यायामशाला के स्वयंसेवक करतब दिखाते हुए चल रहे थे।

सार-समाचार

सुगंध दशमी पर झांकी निकाली

जयपुर। सकल दिगंबर जैन समाज, जवाहर नगर के तत्वावधान में जवाहर नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में सुगंध दशमी पर बिखरते संस्कार, टूटते परिवार विषय पर एक प्रेरणादायी जीवंत झांकी सजाई गई। झांकी को देखने के लिए काफी संख्या में लोग पहुंचे। मंदिर समिति के अध्यक्ष महेंद्र बक्शी और महामंत्री अजय गोधा ने बताया कि उद्घाटन एसके जैन ने किया। कार्यक्रम के संयोजक विजय पाटोदी, नवीन बड़जात्या, अभिषेक सोगानी एवं मनीष जैन रहे। जीवंत झांकी के माध्यम से वर्तमान समाज में बढ़ते स्वार्थ, अहंकार, आपसी दूरियां, मोबाइल की बढ़ती निर्भरता, संवादहीनता तथा कमजोर होते पारिवारिक रिश्तों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही संस्कारों से जुड़े संयुक्त परिवार और आपसी प्रेम, सम्मान एवं संवाद के सकारात्मक पक्ष को भी दर्शाया गया।

संत दुर्बलनाथ जी महाराज की 165 की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महाराज की जयंति लक्ष्मीनारायणपुरी स्थित गुरु दुर्बल नाथ सदन पूर्व प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष कैलाश सोयल के आवास पर मनाई इस अवसर पर उनके साथ स्थानीय विधायक रफीक खान थे कार्यक्रम में जिला कांग्रेस के अध्यक्ष श्री सुनील शर्मा ने भी शिरकत की कार्यक्रम में भक्तगण नेताओं तथा नवनिर्वाचित पार्षदों और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी ने भी हिस्सा लिया।

शांति-अहिंसा के गीतों से गूंज उठी गांधी वाटिका

जयपुर। भारत सेवा संस्थान एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं की ओर से शांति के गीतों के साथ सोमवार की शाम यहां विश्व शांति दिवस मनाया गया।संस्थान के सचिव जी एस बापना के अनुसार, सैंट्रल पार्क स्थित गांधी वाटिका के ओपन एयर थियेटर में हुए इस आयोजन में मुम्बई, उड़ीसा और जयपुर के गायकों ने अपने गीतों से, पार्क को गुंजाते हुए शांति और अहिंसा का संदेश दियाउड़ीसा से आये मधुसूदन जी और उनके दल ने जय जगत, नौजवान आओ रे, एक चन्द्र-एक सूर्य - एक भूमि आसमान जैसे 8 गीत गाए तो शिखा भट्ट ने ईश्वर अल्लाह तेरे जहाँ में नफरत क्यों है, जंग क्यों है, हम होंगे कामयाब और जोड़ो - जोड़ो भारत जोड़ो गीत गाए। मुम्बई के ऑर्केस्ट्रा ने बांसुरी पर शांति की धुनें सुनाकर सबका मन मोह लिया। आयोजन में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की धर्मपत्नी सुनीता गहलोत सहित प्रो. बी एम शर्मा, प्रो. आर सी जैन, प्रो. ध्यान सिंह, प्रो. निमाली सिंह, राजीव अरोड़ा, हनुमान नायला, धर्मवीर कटेवा और संजय बापना सहित बड़ी संख्या में एडवोकेट और अमन पसंद नागरिक मौजूद थे।

भन्दे बालाजी धाम की पदयात्रा सम्पन्न

जयपुर। हनुमान चालीसा प्रबंध समिति के तत्वावधान में संत अमरनाथ महाराज के सान्निध्य में भन्दे बालाजी महाराज की 41वीं पैदल यात्रा धूमधाम से सम्पन्न हुई। हजारों श्रद्धालु हाथों में ध्वज लेकर जयकारों और श्रीराम नाम का जाप करते हुए भन्दे बालाजी धाम पहुंचे। धाम पहुंचकर श्रद्धालुओं ने ध्वज अर्पण कर बालाजी महाराज के दर्शन किए और सुख-शांति एवं मंगल की कामना की। धाम पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने अखण्ड सिद्ध धुणी पर अपने हाथों से ध्वज लगाए। इसके बाद 4100 भक्तों ने एक साथ एक स्वर में श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से पूरा धाम भक्तिमय हो उठा और वातावरण में श्रीराम तथा हनुमान जी के जयकारे गूंजते रहे। इस दौरान श्याम सुंदर, मौसम, रामस्वरूप यादव, सरदार राजन सिंह, महेंद्र बड़ीवाल, महेश मारोठिया, हीरालाल मामोडिया, कल्याण मल कुमावत, कैलाश खोरानिया, रामनिवास कारगवाल, मंगल चंद कुमावत, ओम प्रकाश मोरवाल, बिरदी चंद दम्बीवाल, सुरेंद्र कुमावत, लाला राम चौधरी, सीताराम जाखड़, पंकज शर्मा, मनोज पांडे, विक्रम सिंह, महेश बम्ब, राधेश्याम बैराठी, हनुमान किरोडीवाल, बाबूलाल किरोड़ीवाल, प्रेम चंद कुमावत, दाना राम गुर्जर, भगवान सहाय मीणा सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

एसीएस अभय कुमार ''विकसित भारत - जन सेवा अभियान'' के राज्य समन्वयक नियुक्त

जयपुर। प्रदेश में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित हो रहे ''विकसित भारत - जन सेवा अभियान'' के राज्य में प्रभावी क्रियान्वयन, समयबद्ध संचालन, निगरानी तथा विभिन्न विभागों और जिलों से समन्वय व मार्गदर्शन के लिए जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार को राज्य समन्वयक नियुक्त किया गया है। आयोजना विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने बताया कि राज्य स्तर पर आयोजना विभाग को अभियान के लिए नोडल विभाग बनाया गया है। राज्य में जनसेवा, सामाजिक सरोकार एवं सुशासन की भावना को सुदृढ़ करने, विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी को व्यापक स्तर पर पहुँचाने तथा विकसित राजस्थान के लक्ष्य को प्राप्त करने में आमजन, किसानों, महिलाओं, युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है।

'कटले में फायर सिस्टम दुरुस्त होने तक हेरिटेज मुख्यालय पर तैनात रहेगी फायर ब्रिगेड'

- डॉ. सैनी ने अधिकारियों को शहर के सभी प्रतिष्ठानों का सात दिन में सर्वेकरने के निर्देश दिए
- 'फायर एनओसी प्राप्त प्रतिष्ठानों में अग्निशमन मानकों की वास्तविक पालना की जांच की जाएगी'

जयपुर। निगम के कार्यवाहक आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने पुरोहित जी के कटले में हाल ही हुई अग्नि दुर्घटना को लेकर मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय में अग्निशमन अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उपायुक्त (फायर) दुर्गा कुमारी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, सहायक अग्निशमन अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

डॉ. सैनी ने अधिकारियों को शहर के सभी प्रतिष्ठानों का सात दिन में सर्वेकरने के निर्देश दिए। बिना फायर एनओसी संचालित प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी करने के साथ ही फायर एनओसी प्राप्त प्रतिष्ठानों में भी अग्निशमन मानकों की वास्तविक पालना की जांच की जाएगी।

बैठक में बताया गया कि नगर निगम अधिकारियों ने व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों से भी वार्ता की है। पुरोहित जी के कटले में आपात स्थिति से निपटने के लिए, व्यापारियों ने स्वयं स्प्रिंकलर सिस्टम लगाने पर सहमति जताई है।

आयुक्त ने निर्देश दिए कि कटले का फायर फाइटिंग सिस्टम पूरी तरह दुरुस्त होने तक चारदीवारी स्थित हेरिटेज मुख्यालय पर 24 घंटे फायर ब्रिगेड और दो दक्ष कर्मचारियों की तैनाती की जाए। साथ ही घाटगेट फायर स्टेशन से पुरोहित जी के कटले तक हाइड्रेंट लाइन और फायर फाइटिंग सिस्टम को तत्काल दुरुस्त करवाने के निर्देश दिए गए।

नेपा के 22 प्रशिक्षु अधिकारियों ने जयपुर कमिश्नरेट का अध्ययन भ्रमण किया

जयपुर। नॉर्थ-ईस्ट पुलिस अकादमी (नेपा), उमसाव, मेघालय से भारत दर्शन अध्ययन भ्रमण के तहत 22 प्रशिक्षु पुलिस अधिकारी मंगलवार को जयपुर कमिश्नरेट पहुंचे। इनमें उपअधीक्षक, निरीक्षक और उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारी शामिल थे। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद कर कमिश्नरेट की कार्यप्रणाली, आधुनिक पुलिसिंग व्यवस्था तथा तकनीक के उपयोग से अपराध नियंत्रण और अनुसंधान की जानकारी दी।

विशेष पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश और अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (यातायात एवं प्रशासन) प्रदीप मोहन शर्मा ने प्रशिक्षु अधिकारियों को जयपुर कमिश्नरेट के प्रशासनिक ढांचे, विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली और दायित्वों के बारे में विस्तार से बताया। उन्हें विभिन्न पुलिसिंग व्यवस्थाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

राजस्थान के 304 निकायों में उपाध्यक्ष चुनाव के परिणाम जारी

- 304 नगरीय निकायों की पूरी सूची सामने आई, कई निकायों में निर्विरोध निर्वाचन

जयपुर। राजस्थान के नगरीय निकायों में उपाध्यक्ष पद के चुनाव के परिणाम सामने आ गए हैं। उपलब्ध परिणाम पत्र के अनुसार प्रदेश के 304 नगरीय निकायों में उपाध्यक्ष पद के परिणाम आये हैं। इनमें नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाएं शामिल हैं। कई निकायों में उपाध्यक्ष निर्विरोध चुने गए, जबकि अन्य निकायों में मतदान के जरिए परिणाम घोषित किए गए हैं।

जयपुर:- बगरू-शंकर चौधरी, बस्सी-भागीरथ पंचोली, चाकसू-ममता देवी, चौमूं-बाबूलाल सैनी, दूदू-आरिफ शेख, जमवारामगढ़-रुक्मणी देवी शर्मा, जोबनेर-धर्मवीर सिंह मनोहर, कालाडेरा-गंगाराम यादव, कानोता-बाबूलाल, खेजरोली-सुशीला बुनकर, किशनगढ़ रेनवाल-सीताराम कुमावत, मनोहरपुर-सुरज्ञान सिंह, नारायणा-कजोड़ मल, फागी-लीनू, फुलेरा-गजेंद्र सिंह शेखावत, सांभर-सुरेंद्र कुमार, शाहपुरा-पूजा गुप्ता, वाटिका-रामचरण शर्मा।

अजमेर:- अजमेर नगर निगम-हेमंत सांखला, केकड़ी-राजेंद्र कुमार चौधरी, किशनगढ़-मनेन्द्र सिंह खंगारोत, नसीराबाद-धनराज मेहरा, पीसांगन-प्रदीप कुमार कुमावत, पुष्कर-लक्ष्मी पाराशर, सरवाड़-मीनाक्षी, सांवर-आदित्य शर्मा, तांतोटी-बाली।

अलवर:- अलवर नगर निगम-अजय कुमार, बहरोड़पुर-ज्योति राजपूत, बड़ौदामेव-शबनम, गोविंदगढ़-रामवास-महेंद्र सैनी, कठूमर-जय प्रकाश, खेरली-ओमप्रकाश, लक्ष्मणगढ़-शकुंतला, मालाखेड़ा-महेश चंद्र, नौगांवा-राजेश सिंह, राजगढ़-सर्वेश कुमार सैनी, रामगढ़-परविंद्र सिंह, थानागाजी-पंकज सैनी।

बालोतरा:- बालोतरा-कांतिलाल, घोरीमन्ना-बाबूलाल, गुड़ामालानी-पुरुषोत्तम, जसोल-रमेश कुमार, समदड़ी-मनोज, सिंधरी-हडमत सिंह, सिवाना-सुनील कुमार।

बांसवाड़ा:- बांसवाड़ा-चंकी शाह, कुशलगढ़-नरेश कुमार, परतापुर गढ़ी-इश्तियाक अहमद।

बारां:- अंता-विष्णुकुमारी, अटरू-मनोज कुमार, बारां-तेजेश, छबड़ा-देवेंद्र शर्मा, मांगरोल-मोहम्मद अशफाक, सीसवाली-चंद्रभान।

बाड़मेर:- बाड़मेर-कन्या देवी, चौहटन-मांगीलाल बोथरा।

ब्यावर:- ब्यावर-दीक्षांत हरचंदानी, जैतारण-नौजी देवी, मसूदा-सीता देवी, रायपुर-विनोद, विजयनगर-खुशबूपौऊल लुणावत।

भरतपुर:- बयाना-धनेश कुमार, भरतपुर नगर निगम-अंबिका सैनी, भुसावर-लवकेश, नदबई-कृष्णा कुमारी, रुपवास-हेमेंद्र कुमार गोयल, उच्चैन-मनोज कुमार, वैर-लतेश।

बूंदी: बूंदी-संजय, देई-नरेश कुमार, हिंडोली-सुगना, इंदरगढ़-अंजू, कापरेन-मनोज।

'दवाओं के साथ मरीज की सुरक्षा पर भी पूरा ध्यान जरूरी'

6वें राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित हुई।

जयपुर। 6वें राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह-2026 के अवसर पर मंगलवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज के ग्रांड ऑडिटोरियम में चिकित्सा शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार एवं एसएमएस मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में राज्य स्तरीय फार्माकोविजिलेंस संवेदनशीलता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का विषय फार्माकोविजिलेंस के माध्यम से दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देना-सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक कदम रहा। कार्यशाला में प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों के चिकित्सक, चिकित्सा शिक्षक एवं संबंधित विशेषज्ञ शामिल हुए।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच लगातार बढ़ रही है और सरकारी अस्पतालों में बड़ी संख्या में मरीजों को दवाएं एवं जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ऐसे में केवल मरीज तक दवा पहुंचाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी जरूरी है कि दवा सुरक्षित हो और उसका सही तरीके से उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि मरीज की सुरक्षा स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अस्पतालों में इलाज के दौरान यदि किसी मरीज में दवा का प्रतिकूल प्रभाव दिखाई देता है, तो उसकी पहचान कर समय पर रिपोर्ट करना जरूरी है। इससे भविष्य में ऐसे मामलों को रोकने और मरीजों की सुरक्षा बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि दवाओं के प्रतिकूल प्रभाव की रिपोर्टिंग को लेकर चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ को किसी तरह का डर या संकोच नहीं होना चाहिए।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की पेंशन अदालत आज

जयपुर। निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित लंबित पेंशन प्रकरणों एवं आपत्तियों के निस्तारण के लिए 23 सितम्बर 2026 को निदेशालय में पेंशन अदालत आयोजित की जाएगी। डॉ. शर्मा ने बताया कि पेंशन अदालत में विभाग से संबंधित लंबित पेंशन प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि लंबित प्रकरणों में आवश्यक दस्तावेज एवं आपत्तियों की पूर्ति करते हुए प्रकरणों को पूर्ण रखा जाए, ताकि पेंशन प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि पेंशन अदालत का आयोजन प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को पेंशन प्रकरणों से जुड़े आवश्यक अभिलेखों के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

'पंचायत चुनाव की तैयारी पूरी, सामूहिक रणनीति से आगे बढ़ रही भाजपा'

- भाजपा में कोई जबरदस्ती नहीं, स्वेच्छा से विकास की राजनीति से जुड़ रहे हैं आमजन : श्रवण सिंह बगड़ी

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने निकाय चुनाव पर विपक्ष के बयानबाजी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से जनता के बीच जाकर अपनी बात रखती है। भाजपा में किसी को डराने या धमकाने का सवाल ही नहीं है। भाजपा में जो भी व्यक्ति आता है, वह पार्टी की विचारधारा और नीतियों से सहमति रखते हुए स्वेच्छा से जुड़ता है। जोड़ने या तोड़ने की राजनीति कांग्रेस का काम है, भारतीय जनता पार्टी ऐसा काम कभी नहीं करती। भाजपा में किसी व्यक्ति को जबरदस्ती शामिल नहीं किया जाता। आज जो निर्दलीय अथवा अन्य दलों से जुड़े लोग भाजपा के साथ आ रहे हैं, वे स्वेच्छा से विकास की राजनीति से जुड़ना चाहते हैं।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने कहा कि ऐसे लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा के साथ जुड़ रहे हैं और प्रदेश के विकास में सहयोग करना चाहते हैं। इसलिए भाजपा में लोगों के आने को लेकर किसी प्रकार की शंका नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास जनता के बीच जाने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह केवल आरोप लगाने का काम कर रहा है। भाजपा कार्यकर्ता पूरी तरह लोकतांत्रिक तरीके से जनता के बीच जाकर सरकार की योजनाओं, विकास कार्यों और संगठन की नीतियों को पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

नरेश मीणा को जमानत मिली

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के दौरान एसडीएम को थप्पड़ मारने से जुड़े मामले में आरोपी नरेश मीणा को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने कहा है कि जमानत अवधि के दौरान आरोपी किसी अन्य अपराध में शामिल नहीं होगा और वह माह के पहले सप्ताह में संबंधित थाने में अपनी हाजिरी देगा। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश नरेश मीणा की तीसरी जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

जमानत याचिका में अधिवक्ता रजनीश गुप्ता ने अदालत को बताया कि आरोपी को पुलिस थाना नगर फोर्ट थाने में दर्ज एफआईआर में गिरफ्तार किया गया था। हाईकोर्ट ने इस मामले में उसे 30 मई, 2025 को सशर्त जमानत दी थी। इसके बाद राज्य सरकार की ओर से अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर कहा गया कि जमानत मिलने के बाद आरोपी याचिकाकर्ता तीन अन्य अपराधों में शामिल हुआ है, जबकि हाईकोर्ट ने उसे अन्य अपराध में शामिल नहीं होने की शर्त पर ही जमानत का लाभ दिया था। इस पर एडीजे कोर्ट ने गत 13 जुलाई को उसकी जमानत रद्द कर दी। इसके बाद याचिकाकर्ता ने सरेंडर कर जमानत मांगी, लेकिन गत 11 अगस्त को उस प्रार्थना पत्र को भी खारिज कर दिया गया।

जमानत याचिका में कहा गया कि वह राजनीतिक व्यक्ति है। उसने सरकार की ओर से अपने दायित्व का निर्वहन नहीं करने के मुद्दे उठाए थे। जिसमें झालावाड में सरकारी स्कूल की इमारत गिरने का मामला भी शामिल था। ऐसे में उसके खिलाफ राजनीतिक द्वेषता के कारण मामले दर्ज किए गए।

इनमें से दो मामलों में उसकी सक्रिय भूमिका भी नहीं मिली है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि उसे जमानत नहीं दी जानी चाहिए, हालांकि सरकारी वकील ने माना की दो मामलों में अब तक की जांच में याचिकाकर्ता की भूमिका नहीं आई है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत पर सशर्त रिहा करने के आदेश दिए हैं।

फर्जी आरजीएचएस अधिकारी बन 40 हजार रुपए लेते संदिग्ध डिटेन

- एआई से तैयार किया फर्जी पहचान पत्र और अस्पताल के नाम का पत्र
- हॉस्पिटल की ऑडिट कराने की एवज में मनीष कुमार शर्मा ने पहले 35 हजार रुपए और बाद में राशि बढ़ाकर 45 हजार रुपए की रिश्वत मांगी
- संदिग्ध को डिटेन करने के बाद उसका नाम और पदनाम भी फर्जी पाया

मनीष कुमार शर्मा

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने फर्जी आरजीएचएस अधिकारी बनकर अस्पताल की ऑडिट कराने के नाम पर रिश्वत लेने वाले संदिग्ध को 40 हजार रुपए प्राप्त करने के बाद डिटेन किया है। एसीबी चौकी जयपुर नगर-तृतीय, जयपुर इकाई ने मुख्यालय के निर्देश पर यह कार्रवाई की। संदिग्ध की पहचान मनीष कुमार शर्मा के रूप में हुई है, जो वर्तमान में जगतपुरा स्थित बंशीपुरी प्रथम में रह रहा है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी को शिकायत मिली थी कि डीडवाना, जिला नागौर स्थित एसकेआई हॉस्पिटल की ऑडिट कराने की एवज में मनीष कुमार शर्मा ने पहले 35 हजार रुपए और बाद में राशि बढ़ाकर 45 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने कार्रवाई की।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल के नेतृत्व में टीम गठित कर कार्रवाई की गई। ट्रैप कार्रवाई के दौरान संदिग्ध ने परिवादी से 40 हजार रुपए रिश्वत राशि प्राप्त की, जिसके बाद एसीबी टीम ने उसे डिटेन कर लिया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मनीष कुमार शर्मा ने एआई की सहायता से संतोष कुमार शर्मा के नाम से आरजीएचएस में डिस्ट्रिक्ट को-ऑर्डिनेटर पदनाम का फर्जी पहचान पत्र तैयार किया था। इसके अलावा एसकेआई हॉस्पिटल, डीडवाना, नागौर के नाम से पत्र क्रमांक 3350 दिनांक 22 अगस्त 2026 भी तैयार किया गया।

संदिग्ध ने फर्जी पहचान पत्र और पत्र अस्पताल के मैनेजर को दिखाकर पहले 35 हजार और बाद में 45 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। इसके साथ ही उसने खुद को आरजीएचएस में यूडीसी के पद पर होना बताते हुए परिवादी से 40 हजार रुपए प्राप्त किए।

एसीबी के अनुसार संदिग्ध को डिटेन करने के बाद उसका नाम और पदनाम भी फर्जी पाया गया। वह लोक सेवक भी नहीं है। प्रथम दृष्टया मामले में धोखाधड़ी, फर्जी पहचान और प्रतिरूपण के तथ्य सामने आए हैं।

मोबाइल स्नैचर गिरोह के तीन बदमाश गिरफ्तार

- सॉफ्टवेयर से लॉक तोड़कर एआई से बनाते थे फर्जी बिल
- पुलिस पूछताछ में 15 वारदातों का खुलासा
- 5 मोबाइल, लैपटॉप, 40 डिस्प्ले पैनल, 24 बैटरियां और बाइक बरामद

जयपुर। राहगीरों से मोबाइल झपटमारी कर उन्हें हाईटेक तरीके से ठिकाने लगाने वाले गिरोह का जालूपुरा थाना पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छीने गए पांच मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 40 डिस्प्ले पैनल, 24 बैटरियां और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी लैपटॉप में सॉफ्टवेयर की मदद से मोबाइल के लॉक तोड़ते थे। इसके बाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से फर्जी बिल तैयार कर मोबाइल ऑनलाइन बेच देते थे। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर उत्तर के पुलिस उपायुक्त करन शर्मा ने बताया कि शहर में मोबाइल व पर्स छिनैती की बढ़ती वारदातों तथा आगामी त्योहारों को देखते हुए अपराधियों पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए थे। जिसके चलते जालूपुरा थानाधिकारी बृजेश सिंह तंवर के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई।

टीम के कॉन्स्टेबल शिवराज को सूचना मिली कि गोपीनाथ मार्ग पर दो युवक चोरी व झपटमारी के मोबाइल बेचने की फिराक में खड़े हैं। सूचना पर हेड कॉन्स्टेबल छगाराम मय टीम ने मौके पर कार्रवाई कर दो बदमाशों को पकड़ लिया। उनसे मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया।

ARBiT it happens here...

International Day of Sign Languages: Celebrating Inclusion and Communication

The International Day of Sign Languages, observed on September 23, celebrates linguistic and cultural diversity while promoting the rights of people who are deaf and hard of hearing. Recognized by the United Nations, the day highlights the importance of sign languages as vital tools of communication, identity, and inclusion. Events worldwide showcase the richness of sign languages and advocate for equal access to education, public services, and opportunities. By fostering awareness and encouraging broader use of sign languages, this day reinforces the principle that communication is a fundamental human right, ensuring that no voice is left unheard.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
23 September 2026
A-B

#JOURNEYS

I Wasn't Worried!

There was so much to be grateful for, a caring family, many friends, comfortable life. And yet, there was a distinct feeling of things undone, things still incomplete. The bike ride not taken. That long-desired trip to Vienna. The cello concert I never went to...

Shashank Kaurani

One of the most memorable journeys of my life was not across continents, but from a hospital room to a cold, air-conditioned operation theatre.

In those few moments, my entire life ran like a movie before my eyes. As the ceiling lights of the corridor rushed by, the reels kept changing. Bittersweet memories of childhood, a privileged upbringing, school, college, friends, marriage, my son, work struggles, my mother's sudden demise. Some brought a smile, some sorrow, some regret, and some a quiet optimism that I was in the hands of good doctors.

There was so much to be grateful for, a caring family, many friends, comfortable life. And yet, there was a distinct feeling of things undone, things still incomplete. The bike ride not taken. That long-desired trip to Vienna. The cello concert I never went to. Streets not walked. An old friend I had not spoken to over a minor incident. My mind kept jumping from one to another.

The slight thud of the lift stopping on the third floor broke my chain of thoughts. My wife, son and a few friends were waiting outside the OT. They waved and wished me the best. That memory is embedded in my mind and will stay there forever. As I waved back, I felt thankful, to them, to my brother, my sister-in-law and their two adorable kids, to my father from whose silence and resilience I have learnt so much, and to the blessings of my mother, who left us rather early but I am convinced that all good souls do. I knew they were all praying for me, as were scores of loved ones and friends.

Inside the OT, they said that it would take some time. More machines were attached to monitor my vitals. For those few moments, I had nothing to do but stare at the cold steel roof and listen to the bip-bip of the machines.

Steel has a tendency to reflect. I could see myself lying on the bed, medical equipment, needles, bottles of IV fluids hanging and attached to me. I smiled every now and then when a doctor checked on me and assured me that it would all be fine.

Strangely, I wasn't worried. I was calm.

And somehow, suddenly, I started humming the song I had been listening to earlier in the evening before being wheeled out of the room. The eternally favourite Dev Anand song, 'Mai zindagi ka saath nibhata chala gaya har fikr ko......'

As I began to doze off, I thought I heard a faint chant of the Gayatri Mantra.

The surgeon had arrived.

FIBRE-OPTIC DRONES ARE DEFINING CONFLICT

On 26 April, the Israel Defense Force suffered its first known fatalities from a fibre optic drone when one soldier was killed and six others wounded after their position in southern Lebanon was struck. Hezbollah later released footage of the attack filmed by the drone. A screengrab taken from a video released by Hezbollah says to show an Israeli tank and soldiers gathered next to it moments before being hit by an FPV drone attack, in Taybeh, Lebanon.

Maj Gen Jagatbir Singh, VSM (RETD)

A battlefield innovation, perfected in Ukraine which first emerged in 2024, is spreading defeating electronic jamming and taking an adversary by surprise. Fibre-optic drones are transforming warfare, leaving militaries racing to develop effective countermeasures. In fact, Russian forces demonstrated the drones' effectiveness during Ukraine's Kursk offensive in August 2024.

The territory Ukraine controlled in Kursk relied on a single logistical route running from the Ukrainian city of Sumy to the Russian town of Sudzha. This bottleneck served as an ideal proving ground for this new Russian weapon, a drone guided by fibre-optic cable. The first successful Ukrainian use was at the beginning of October 2024. Today, they are being used extensively by both Russia and Ukraine.

Israel is now finding methods to counter this battlefield threat after Hezbollah's growing use of fibre-optic drones which is fundamentally changing modern warfare. Reports suggest Hezbollah is producing the drones locally using 3D printing and commercially available dual-use components.

Cheap, difficult to detect and immune to electronic jamming, these drones which were the defining weapons in Ukraine are now appearing in conflicts elsewhere, including Southern Lebanon.

On 26 April, the Israel Defense Force suffered its first known fatalities from a fibre optic drone when one soldier was killed and six others wounded after their position in southern Lebanon was struck. Hezbollah later released footage of the attack filmed by the drone. A screengrab taken from a video released by Hezbollah says to show an Israeli tank and soldiers gathered next to it moments before being hit by an FPV drone attack, in Taybeh, Lebanon.

According to reports, at least a dozen Israeli soldiers have since been killed by the drones after fighting in Lebanon resumed in March. A screenshot taken from a video released by Hezbollah shows an Israeli D9 armored bulldozer moments before being hit by an FPV drone attack, in Bint Jbeil, Lebanon, with the date of the video given as 15 April 2026.

#WAR MACHINES

Hezbollah touts deadly new drone tech in their fight with Israel

> Fibre-optic drones are equipped with a cable thinner than a fishing line that trails back to the operator, maintaining a physical connection rather than relying on radio signals. With no radio link for electronic warfare systems to jam, fibre-optic drones can operate in areas where conventional drones struggle or fail.

Understanding How They Work

Fibre-optic drones are equipped with a cable thinner than a fishing line that trails back to the operator, maintaining a physical connection rather than relying on radio signals. With no radio link for electronic warfare systems to jam, fibre-optic drones can operate in areas where conventional drones struggle or fail. The result is an effectively unjammable drone capable of striking at a range of 50 kilometers with pinpoint precision and a crystal-clear video feed. This is almost akin to the first generation ATGMs but with greater ranges. The cable acts as a cord between the operator's control console and the drone, carrying commands and high-definition video without relying on radio signals that can be jammed.

Some drones can carry up to 50 kilometers of cable. Flying low, fast and almost silently, they are exceptionally difficult to detect, track or shoot down. Operators fly them to roadsides or likely avenues of approach before placing almost every onboard system into standby mode to conserve power. Because transmitting through fibre consumes far less energy than radio, the drone can wait for up to 24 hours while still transmitting high-definition video. When a target appears, it launches its attack with only seconds of warning. The drone does not emit an electromagnetic signal, its firing source cannot be geolocated, and being small, with small electric motors, flying close to the ground, its radar and infrared signature are minimal.

According to reports, fibre drones now make up 70 percent of the enemy's first-person-view drone attacks and cause more than half of overall casualties.

Although the extra weight of the fibre spool reduces the explosive payload, the drones remain effective against troops, light vehicles and defensive positions. "It's best against manpower, light vehicles and ammunition and fuel dumps as their maneuverability makes them particularly dangerous."

As per reports from the battlefield in Ukraine, they have been employed for going inside structures that are harder to reach, such as open doors of reinforced bunkers and enter tunnels which is not possible with a radio frequency drone.

Counter Measures

The spread of the technology has triggered a search for effective countermeasures. In March, Britain's Ministry of Defence sought novel ideas to detect and defeat fibre optically controlled uncrewed aerial systems.

NATO also launched an innovation challenge focused on detecting and defeating fibre-optic FPV drones, with winning entries ranging from artificial intelligence-enabled radar software to autonomous turrets and remote weapon stations.

> Kinetic interception is particularly challenging due to the difficulty in the detection stages. There are several possible solutions against this threat, ranging from nets for passive defence, defensive drones that attack the threat, computerized sights that can be installed on assault rifles and mobile laser detection and interception systems.

Kinetic interception is particularly challenging due to the difficulty in the detection stages. There are several possible solutions against this threat, ranging from nets for passive defence, defensive drones that attack the threat, computerized sights that can be installed on assault rifles and mobile laser detection and interception systems.

Detection by electro-optical or acoustic sensors seems to be the most realistic means, although this type of detection provides a shorter warning time than radar detection.

Meanwhile, the countries in conflict continue searching for immediate answers.

A Fallout

However, the technology is leaving another legacy across battlefields. When the drones explode, the fibre cable remains strung across fields, forests and towns, creating vast webs of plastic waste. Vast swaths of Ukrainian farmland and forest are now littered with fiber-optic cables shed by drones. Images circulating on social media show landscapes blanketed with discarded strands. There is an environmental cost. The Conflict and Environment Observatory in Ukraine warns that plastic pollution from fibre optic drones may threaten wildlife for years. Like an abandoned fishing line, fibre optic cables could wrap itself around the necks of animals causing amputation, asphyxiation or starvation. People and even vehicles have also become entangled in the cables.

Conclusion

In Kursk, this advantage proved consequential. Over seven months of fighting, Russian fibre-optic drones helped render Ukraine's presence in the Kursk region increasingly unsustainable. Ukrainian forces ultimately withdrew back across the border in March 2025.

After Kursk, the trend soon spread. Fibre-optic drones began proliferating across other areas of the front and are now visible in Lebanon. By mid-2025, Ukraine moved to replicate and adapt the capability. Domestic production surged, thanks to Ukraine's agile ecosystem of innovative defense tech startups. What began as a Russian experiment has evolved into an innovation cycle. Fibre-optic drones are also Hezbollah's primary weapon against Israeli soldiers and civilians, along both sides of the Lebanese border, and are now seen as the biggest threat. According to the Alma Research Centre, an Israeli think tank which monitors the conflict, the small drone (quadcopter), and particularly, the FPV (First-Person-View) drone based on fibre-optic navigation has become the prominent weapon used by Hezbollah against IDF forces in southern Lebanon. According to them, Israel's military assessment is that Hezbollah has dozens of trained drone operators and that it has accumulated a significant stockpile of the small, cheaply-made drones, which cost around $300-$400 each.

The fibre-optic drone is definitely a game-changer. Compared with radio-frequency-controlled drones, it's much harder to detect that it's coming, so, it's easier to be surprised and unable to react in time.

As the defence industry works on technological countermeasures, troops have been forced to rely on passive measures such as mesh netting and even attempt shooting them down with rifles. But first, they have to see the drones coming.

Lessons from the ongoing conflicts reveal that militaries relying exclusively on radio-controlled drones risk disruption at critical moments. Fibre-optic drones may not replace conventional systems, but they have established themselves as a durable component of the modern battlefield toolkit. New rules of the game are emerging regarding cost asymmetry wherein equipment costing hundreds of dollars is able to damage equipment costing millions of dollars, and thereby, tactical success is translating into limitation as far as freedom of action is concerned.

rajeshsharma1049@gmail.com

#POWER, HUNTING, AND IDEOLOGY

The Decorated Chest of Tutankhamun

Visual propaganda was central to royal art in ancient Egypt. Tutankhamun was a young ruler, imagery projects him as a powerful warrior-king

The painted chest is notable for the contrast between its lid and its sides, each presenting a different but related message about kingship and dominance.

Lid: Hunting and Royal Control Over Nature

The lid depicts a dynamic hunting scene in which royal hunting dogs pursue and attack various wild animals. These include gazelles and other desert creatures, rendered in energetic motion. The dogs are not merely companions but active agents of the king's will, symbolizing control over the natural world.

Hunting imagery in ancient Egypt was never just recreational. It conveyed the pharaoh's role as maintainer of order against chaos. The attacking dogs emphasize discipline, training, and the extension of royal authority into the wild. Their presence also highlights a unique artistic choice, dogs shown aggressively subduing prey, reinforcing the theme of dominance.

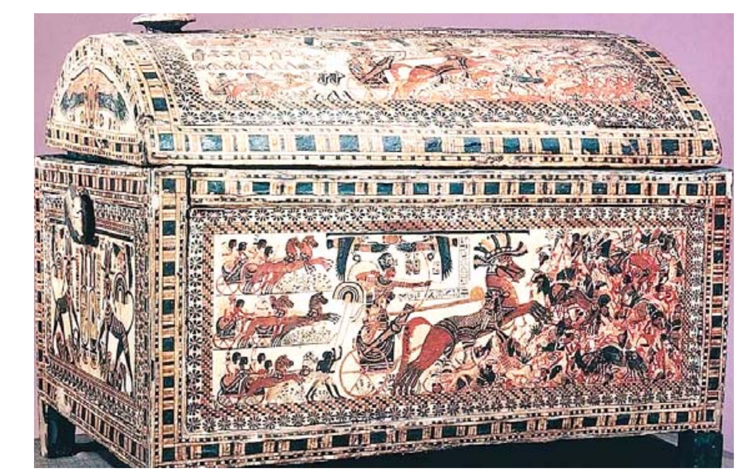

Sides of the Box: Warfare and Foreign Enemies

Campaign Against Nubians (Kush)

One side of the chest shows the king in battle against Nubian enemies. The pharaoh appears in a classic smiting pose, riding a chariot and launching arrows. The accompanying inscription, "destroying this land of cowardly Kush, launching arrows against the enemy," makes the message explicit: Egypt is triumphant, and its enemies are weak.

This depiction reflects Egypt's long-standing conflicts with Nubia (Kush), a region to the south rich in resources like gold. The visual and textual elements combine to assert not just military victory but moral and cultural superiority.

Campaign Against Asiatics (Syrians)

On another side, the king is shown battling Asiatic enemies, often interpreted as Syrians or Levantine people. Again, the imagery emphasizes chaos among the enemy ranks, contrasted with the composure and power of the Egyptian king.

A striking detail here is the presence of dogs attacking human enemies. This is highly unusual in ancient art. While animals are commonly used in hunting scenes, their use against humans in warfare imagery is rare, especially in such a direct and violent manner.

Symbolism of Dogs Attacking Humans

The depiction of dogs attacking humans serves a powerful ideological function. In most ancient cultures, dogs are associated with hunting, guarding, or companionship, not as weapons against people. Here, however, they become instruments of royal aggression.

This choice reinforces the concept of total domination.

- Foreign enemies are dehumanized, placed on the same level as hunted animals.
- The king's control extends so far that even nature (through trained animals) is mobilized against his foes.
- It visually communicates that Egypt's enemies are not just defeated, they are overwhelmed and humiliated.

Such imagery underscores a broader Egyptian worldview: the pharaoh stands at the center of order, while foreign lands represent chaos. By showing dogs attacking humans, the artist collapses the distinction between hunting and warfare, suggesting that enemies are little more than prey.

Ideological Message: Egyptian Superiority

Taken as a whole, the chest presents a unified message of Egyptian supremacy.

- The lid shows mastery over nature.
- The sides show mastery over foreign people.
- The combination asserts that the pharaoh, as ruler of Egypt, dominates all realms, natural and human.

This kind of visual propaganda was central to royal art in ancient Egypt. The scenes are not historical records in a modern sense but symbolic representations of ideal kingship. Even though Tutankhamun himself was a young ruler with limited military activity, the imagery projects him as a powerful warrior-king in line with his predecessors.

THE WALL

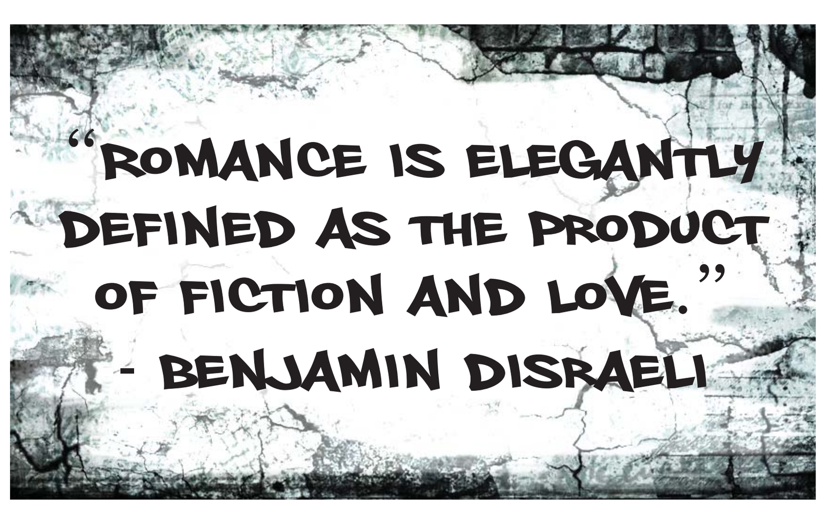

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

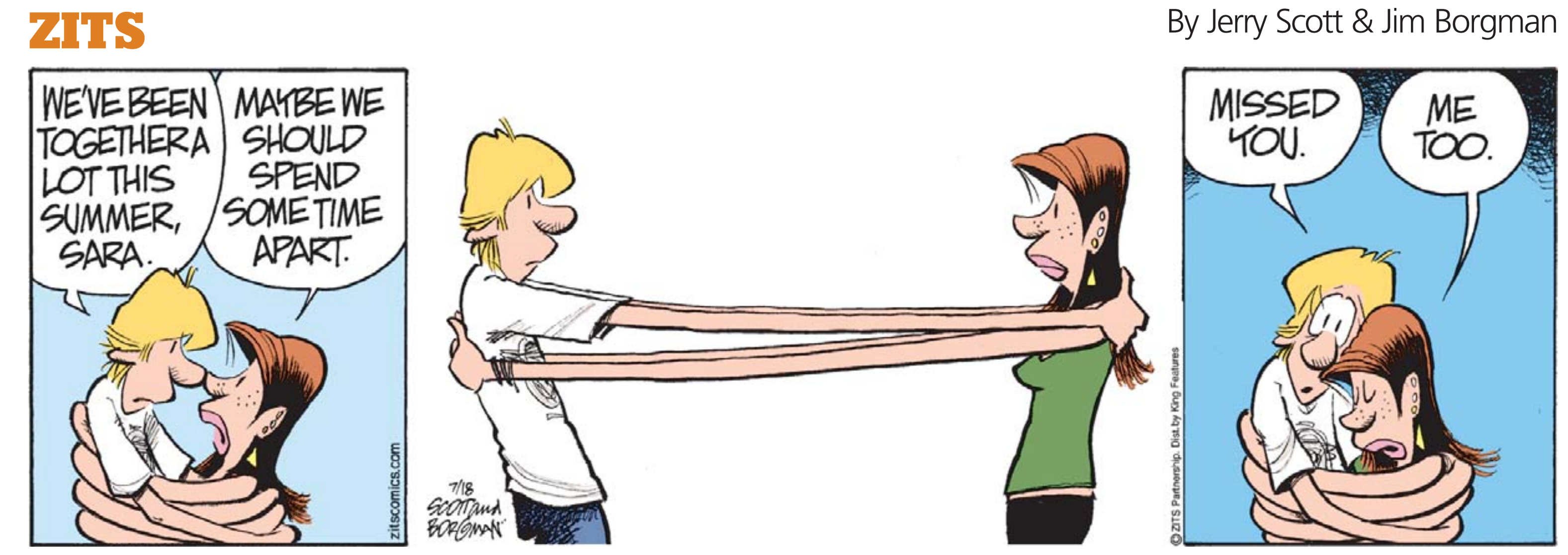

अलवर डिप्टी मेयर चुनाव में भाजपा के अजय पूनिया जीते, कांग्रेस की ममता सैनी की हार

भाजपा के अजय पूनिया को 40 वोट, कांग्रेस की ममता सैनी को 24 वोट मिले, एक वोट निरस्त

अलवर, (निसं)। अलवर नगर निगम के डिप्टी मेयर चुनाव में भाजपा के अजय पूनिया ने जीत दर्ज की है। वार्ड 49 से पार्षद अजय पूनिया को 40 वोट मिले, जबकि कांग्रेस की ममता सैनी को 24 वोट मिले। एक वोट निरस्त हुआ। अजय पूनिया के पांचवीं बार पार्षद बनने का रिकॉर्ड भी दर्ज हुआ।

जानकारी के अनुसार अलवर नगर निगम में डिप्टी मेयर पद के लिए मंगलवार को हुए चुनाव में भाजपा के अजय पूनिया ने जीत दर्ज की। वार्ड 49 से पार्षद अजय पूनिया को 40 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी ममता सैनी को 24 वोट मिले। मतदान में एक वोट निरस्त किया गया। नगर निगम में कुल 65 वार्ड हैं। अजय पूनिया को भाजपा ने डिप्टी मेयर पद के लिए प्रत्याशी बनाया था। चुनाव में बहुमत के लिए जरूरी समर्थन जुटाते हुए उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी को पीछे छोड़ दिया। अजय पूनिया के लिए यह जीत इसलिए भी खास है, क्योंकि उनके पांचवीं बार पार्षद बनने का रिकॉर्ड भी दर्ज हुआ है। कांग्रेस की ममता सैनी वार्ड 34 से पार्षद हैं। खास बात यह रही कि ममता सैनी को कांग्रेस की मेयर प्रत्याशी कमलेश शर्मा से ज्यादा वोट मिले हैं। सोमवार को हुए मेयर चुनाव में भाजपा की सुमनलता अग्रवाल ने 42 वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश शर्मा को 23 वोट मिले थे। सुमनलता अग्रवाल अलवर नगर निगम की पहली मेयर बनी हैं।

नवनिर्वाचित डिप्टी मेयर अजय पूनिया का समर्थकों ने माला पहनाकर स्वागत किया।

जिले की अन्य नगर निकायों में भी चुनाव :- अलवर जिले की कई नगर निकायों में मंगलवार को उपाध्यक्ष पद के चुनाव हुए। बहरोड़ नगर परिषद में भाजपा के रामनरेश यादव निर्विरोध उप सभापति चुने गए। कोटकासिम नगरपालिका में निर्दलीय मनीषा निर्विरोध उपाध्यक्ष बनीं। मांढण में भाजपा समर्थित निर्दलीय राकेश सैनी भी निर्विरोध उपाध्यक्ष चुने गए।

गोविंदगढ़-रामबास नगर पालिका में भाजपा के महेंद्र सैनी उपाध्यक्ष बने। मालाखेड़ा नगरपालिका में कांग्रेस के महेश गुप्ता ने उपाध्यक्ष पद जीता।

बड़ौदामेव नगर पालिका में कांग्रेस की शबनम उपाध्यक्ष बनीं। कठूमर नगरपालिका में कांग्रेस के जयप्रकाश दीक्षित उपाध्यक्ष चुने गए। कोटपूतली-बहरोड़ जिले की नारायणपुर नगरपालिका में भाजपा की मीना यादव उपाध्यक्ष बनीं। वहीं, बर्डोद नगरपालिका में कांग्रेस की पम्पी देवी उपाध्यक्ष बनीं।

सीकर में कांग्रेस के अशोक चौधरी तीसरी बार उपसभापति बने

अशोक चौधरी ने भाजपा की रेखा बिजारणिया को 17 वोटों से हराकर जीत दर्ज की

सीकर, (निसं)। सीकर नगर परिषद में वार्ड नं. 34 के पार्षद अशोक चौधरी लगातार तीसरी बार उपसभापति बन गए हैं। कांग्रेस के अशोक चौधरी ने भाजपा की रेखा बिजारणिया को 17 वोटों से हराया। कांग्रेस ने सभापति चुनाव की वोटिंग को बरकरार रखने में सफलता हासिल की और कोई टूटफूट नहीं होने दी।

- **कांग्रेस ने सभापति चुनाव की वोटिंग को बरकरार रखने में सफलता हासिल की और कोई टूटफूट नहीं होने दी**

सीकर जिले के 13 निकायों में वाइस चेयरमैन के चुनावों की वोटिंग खत्म हो गई है। इससे पहले सीकर नगर परिषद में वाइस चेयरमैन के पद के लिए कांग्रेस से अशोक चौधरी और भाजपा से रेखा बिजारणिया ने नामांकन दाखिल किया था। इधर, खाटूश्यामजी नगर पालिका की लापता पार्षद लक्ष्मी देवी को पुलिस ने पकड़ लिया है। वार्ड-10 की पार्षद लक्ष्मी देवी का वोट नहीं पड़ने की वजह से खाटूश्यामजी में चेयरमैन-वाइस चेयरमैन के चुनाव को निर्वाचन आयोग ने स्थगित कर दिया था। सीकर नगर परिषद में खतीजा बानो के सभापति बनने के बाद उपसभापति पद पर अशोक चौधरी की जीत हुई है। सीकर में लगातार कांग्रेस पार्टी का बोर्ड बना है। आज उपसभापति चुनाव के बाद सभी पार्षदों ने नवनिर्वाचित सभापति-उपसभापति और विधायक राजेंद्र पारीक के साथ ग्रुप फोटो खिंचवाई। नव निर्वाचित उप सभापति को रिटर्निंग ऑफिसर सुभाष चंद्र ने निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपा। इस मौके पर पूर्व सभापति जीवण खां भी मौजूद रहे। जीवण खां 2014 से लगातार 2 बार सभापति रहे, इस दौरान भी अशोक चौधरी ही उपसभापति थे।

दो युवकों पर हमला, मामला दर्ज

रेवदर, (निसं)। रेवदर थाना क्षेत्र के दाँतराई गांव में दो युवकों का रास्ता रोककर उन पर लाठियों से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़ित विक्रम कुमार पुत्र गणेशराम घांची की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित ने रिपोर्ट में बताया कि 21 सितंबर को रात करीब 8:15 बजे विक्रम कुमार और उसका साथी साहुल पुत्र पन्नालाल गुर्जर धाण से वापस आ रहे थे। स्कूल के बाहर पहुंचने पर अचानक कुछ लोगों ने उनका रास्ता रोक लिया और उन पर लाठियों से कई वार किए। उसने बताया कि आरोपियों की योजना जान से मारने की थी, लेकिन लोगों ने बीच-बचाव कर उनकी जान बचाई। मामले को लेकर पीड़ित विक्रम कुमार ने दाँतराई निवासी जवानाराम पुत्र उनाजी पुरोहित, लेहरचंद पुत्र शंकरजी पुरोहित, प्रवीण कुमार पुत्र शान्तिलाल पुरोहित और नरेन्द्र कुमार पुत्र नारायणलाल पुरोहित पर हमले का आरोप लगाया है।

82 लाख की धोखाधड़ी मामले में इनामी आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। जमीन के नाम पर 82 लाख की धोखाधड़ी करने के दर्ज मामले में कैथून पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए फरारी काट रहे 5 हजार के इनामी आरोपी को कोटा के बोरखेड़ा क्षेत्र से गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अपराधों की रोकथाम व वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान ऑपरेशन क्रिमीनल डस्टिंग चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि 24 मई को कैथून के जालखेड़ा निवासी धर्मेन्द्र व कृष्णमुरारी ने परिवाद पेश किया, परिवाद में कहा कि कोटा के बोरखेड़ा निवासी महावीर ने 82 लाख रूपये की धोखाधड़ी कर न तो जमीन दी न ही रूपये वापस लौटाए। ग्रामीण एसपी ने कहा कि परिवादी के परिवाद पर कैथून थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। मामले में अनुसंधान के लिये कैथून थानाधिकारी मनोज सिंह सिकरवार के नेतृत्व में टीम का गठन किया। गठित टीम ने मामले में फरार आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर संभावित स्थानों पर दबिश दी। टीम ने सूचना पर कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे 5 हजार के इनामी आरोपी बोरखेड़ा के मानपुरा निवासी महावीर (46) को बोरखेड़ा से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया।

आठ हजार की रिश्वत लेते जयपुर डिस्कॉम का टेक्नीशियन गिरफ्तार

हिण्डौन सिटी, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की करौली इकाई ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए जयपुर डिस्कॉम, हिण्डौन सिटी के कार्यालय सहायक अभियंता ए-द्वितीय में कार्यरत टेक्नीशियन प्रथम (सहायक स्टोर कीपर) जगदीश बैरवा को आठ हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

- **परिवादी के जले हुए विद्युत ट्रांसफार्मर को जमा कराने के बाद उसके स्थान पर नया ट्रांसफार्मर स्टोर से उपलब्ध करवाने की एवज में रिश्वत मांगी थी**

एसीबी के अनुसार आरोपी ने परिवादी के जले हुए विद्युत ट्रांसफार्मर को जमा कराने के बाद उसके स्थान पर नया ट्रांसफार्मर स्टोर से उपलब्ध करवाने की एवज में 9 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायत के सत्यापन के दौरान रिश्वत मांग की पुष्टि होने पर ट्रैप कार्रवाई की गई।

भरतपुर रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के सुपरवीजन में एसीबी करौली के पुलिस निरीक्षक जगदीश भारद्वाज के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। आरोपी को एईएन कार्यालय परिसर में परिवादी से 8 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते हुए गिरफ्तार किया गया। रिश्वत की राशि आरोपी की पहनी हुई पेंट की सामने की दाहिनी जेब से बरामद की गई। एसीबी के अनुसार आरोपी से पूछताछ एवं आगे की कार्रवाई जारी है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

एमडी ड्रग के साथ युवक को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। शहर के पाल बालाजी मंदिर के सामने आए एक निजी गार्डन के पास में युवक को पकड़ा गया। तलाशी में युवक के पास से 46.79 एमडी ड्रग बरामद हुई। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया। उससे अब एमडी ड्रग को लेकर अग्रिम पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी गोविंद व्यास के नेतृत्व में गठित टीम ने सोमवार की शाम को मुखबिरी सूचना पर पाल बालाजी मंदिर के सामने आए ऋतु वैन्यू गार्डन के पास में एक युवक को पकड़ा। युवक के पास में 46.79 ग्राम एमडी ड्रग बरामद हुई। इस पर आरोपी अशोक पुत्र जेठाराम को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया।

सब्जी विक्रेता के घर से लाखों के जेवर सहित नगदी चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती नारवा खिंचियान गांव में रामदेव मंदिर के पीछे एक घर में चोरी हो गई। रात को खुले दरवाजे का फायदा उठाकर चोर अंदर दाखिल हुए और बक्से उठाकर ले गए। बक्से में रखे दो लाख की नगदी के साथ सोने-चांदी के आभूषण ले गए। सुबह परिवार मे जाग होने पर घटना का पता लगा। फिलहाल पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। अठिाम जांच की जा रही है।

सूरसागर थानाधिकारी हरीशचंद्र सोलंकी ने बताया कि नारवा खिंचियान रामदेव मंदिर के पीछे रहने वाले किशनलाल पुत्र मांगीलाल मेघवाल ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह सब्जी का ठेला लगाता है। परिवार सहित रात को घर में सो रहा था। मुख्य दरवाजा खुला था। तब आधी रात को चोर दाखिल हुए और कमरे में रखे बक्से उठाकर ले गए। सूने स्थान पर ले जाकर बक्से से दो लाख की नगदी, तीन- चार तोला सोना और 700-800 ग्राम चांदी के आभूषण ले गए। एक अन्य बक्से में रखी सामग्री सुरक्षित रह गई। थानाधिकारी सोलंकी ने बताया कि आस पास सीसीटीवी नहीं है। फिलहाल आने-जाने मार्ग से पता लगाया जा रहा है। चोरों की संख्या एक या दो हो सकती है।

उदयपुर नगर निगम में डिप्टी मेयर पद पर भाजपा के दिनेश भट्ट निर्वाचित

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर नगर निगम में डिप्टी मेयर पद पर भाजपा के दिनेश भट्ट निर्वाचित हुए। कुल 80 पार्षदों में से भट्ट को 56 वोट मिले। वहीं कांग्रेस के लक्ष्मीनारायण मेघवाल को 24 वोट मिले। भट्ट ने 32 वोट से जीत दर्ज की है। इस दौरान नगर निगम के टाउनहॉल में बड़ी संख्या में भाजपा समर्थकों ने नारे लगाए।

- **चुनावी मुकाबले में दिनेश भट्ट को 56, जबकि कांग्रेस के लक्ष्मीनारायण मेघवाल को 24 वोट मिले**

भट्ट लंबे समय तक भाजपा के शहर जिलाध्यक्ष रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने पार्टी संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां भी संभाली हैं। नगर निगम उदयपुर में मेयर बनने के लिए उन्होंने प्रयास किया था, लेकिन मेयर पद के त्रिकोणीय मुकाबले में वे पारस सिंघवी से पीछे रह गए। मेयर पद की दौड़ से बाहर होने के बाद दिनेश भट्ट ने डिप्टी मेयर पद के चुनाव पर अपना ध्यान केंद्रित किया। मंगलवार को हुए चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के लक्ष्मीनारायण मेघवाल को हराकर यह पद अपने नाम कर लिया। चुनावी मुकाबले में दिनेश भट्ट को 56 जबकि लक्ष्मीनारायण मेघवाल को 24 वोट मिले। परिणाम घोषित होने के बाद रिटर्निंग अधिकारी अवुला सांईकृष्ण ने दिनेश भट्ट को डिप्टी मेयर पद की शपथ दिलाई। एडीएम सिटी जितेंद्र औझा और जिला निर्वाचन कार्यालय के डॉ. महामाया प्रसाद चौबीसा भी मौजूद रहे। निगम चुनाव में मेयर पद की दौड़ में शामिल रहे प्रमोद सामर को नगर निगम बोर्ड में फिलहाल पार्षद की भूमिका में ही रहना होगा। मेयर पद के लिए हुए मुकाबले में वे आगे नहीं बढ़ सके। यह जरूर है कि आने वाले दिनों में नगर निगम बोर्ड में विभिन्न समितियों का गठन होगा उसमें सामर को महत्वपूर्ण समिति मिलना तय है।

इससे पहले मेयर पद पर बंपर जीत दर्ज करने वाली भाजपा में डिप्टी मेयर के नाम को लेकर मंगलवार सुबह 9.40 बजे तक सस्पेंस बना रहा। इसके बाद भाजपा ने दिनेश भट्ट को डिप्टी मेयर का प्रत्याशी बनाने के नाम का ऐलान किया। कविता जोशी और पंकज बोराणा आखिरी तक रेस में बने रहे। संख्याबल के लिहाज से अधिकतर भाजपा पार्षदों ने कविता जोशी के नाम पर सहमति जताई लेकिन वरिष्ठता और बडे नेताओं की पसंद दिनेश भट्ट के नाम पर सहमति बनी। दिनेश भट्ट के लिए शहर विधायक ताराचंद जैन, सतीश पूनिया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला लगातार पैरवी कर रहे थे। पार्टी में लास्ट तक डिप्टी मेयर की रेस में दिनेश भट्ट और कविता जोशी के नाम पर चर्चा होती रही। पार्टी भट्ट के नहीं बनने की स्थिति में कविता जोशी का नाम बैकअप में रखकर चल रही थी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड अपने रिश्तेदार पंकज बोराणा के नाम के लिए पैरवी कर रहे थे। उनका अनुभव नहीं होना उनके लिए कमजोरी बना। बोराणा पहली बार पार्षद बने हैं और जिला कार्यकारिणी में राठौड की दखल से उन्हें महामंत्री बनने का फायदा भी मिला था। पार्टी का एक धडा कविता जोशी के नाम की पैरवी करवा रहा था। उनका संठनात्मक अनुभव भी ठीक था, मगर भट्ट जैसे बड़े चेहरे के आगे युवा को आगे करना पार्टी नेताओं को उचित नहीं लगा। राष्ट्र सेविका समिति की कार्यकर्ता होने के साथ महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष कविता के नाम पर संघ ने इस पर सहमति जताई थी। उधर कांग्रेस ने लक्ष्मीनारायण मेघवाल को डिप्टी मेयर के लिए प्रत्याशी बनाया था। मेघवाल कांग्रेस विवेक कटारा और रघुवीर मीणा के करीबी हैं।

नवनिर्वाचित उपमहापौर दिनेश ने इस जीत का श्रेय शीर्ष नेतृत्व, सभी पार्षदों और शहर की जनता के विश्वास को दिया। उन्होंने कहा कि शहर के विकास कार्यों को बिना किसी भेदभाव के गति देना और जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण करना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। दूसरी तरफ कांग्रेस खेमे में इस परिणाम के बाद सन्नाटा पसरा दिखा। हार के कारणों को लेकर पार्टी स्तर पर समीक्षा की बात कही जा रही है। इस परिणाम के साथ ही नगर निगम में भाजपा ने अपना परचम लहराते हुए उपमहापौर की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया है।

परिवार पर हमला, पांच गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडल थाना क्षेत्र के रावों का खेड़ा गांव में एक परिवार पर जानलेवा हमला करने और युवक को पोल से बांधकर बेरहमी से पीटने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने एक महिला सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने बताया कि 19 सितंबर को पीड़िता शांति देवी पत्नी नंदलाल राव निवासी रावों का खेड़ा ने मांडल थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने एकराय होकर उनके घर में अनाधिकृत प्रवेश किया और परिजनों के साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपी उनके पुत्र को खींचकर घर से बाहर ले गए और पोल से बांधकर बेरहमी से पीटा। इस दौरान आरोपियों ने जमीन के कागजात और 9 लाख रुपये की भी मांग की। पुलिस ने मामला दर्ज कर विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने आरोपियों की पहचान कर सज्जन सिंह, लादूलाल राव, गोपाल सिंह, चैन सिंह, लाड देवी को गिरफ्तार किया जबकि इससे पूर्व हिम्मत सिंह व लक्ष्मण सिंह को गिरफ्तार किया जा चुका है।

श्रीगंगानगर के रावला थाना क्षेत्र का बॉर्डर तस्करी का नया डेस्टिनेशन बन रहा

पाकिस्तानी तस्कर रावला और घड़साना थाना क्षेत्र के बॉर्डर की ओर खिसक गए हैं

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले की पाकिस्तान के साथ लगती रावला थाना क्षेत्र का बॉर्डर हेरोइन और मादक पदार्थ तस्करी का नया डेस्टिनेशन बन रहा है। ऐसा होने के पीछे हिंदुमलकोट से लेकर अनूपगढ़ तक के बॉर्डर पर पुलिस के बिछाए खुफिया तंत्र के जाल और तस्करों के नेटवर्क को तोड़ना कारण है।

- **इसी वर्ष इस एरिया में हेरोइन ड्रॉपिंग की 8 बड़ी वारदातों को विफल किया है**

बीते करीब दो दशकों में जो एरिया पाकिस्तानी तस्करों के लिए हेरोइन तस्करी का पीक पॉइंट रहा है, अब वहां तस्करी की वारदातों में सफलता नहीं मिल रही। पाकिस्तानी तस्कर रावला और घड़साना थाना क्षेत्र के बॉर्डर की ओर खिसक गए हैं। बीते 9 माह में यानी इसी वर्ष इस एरिया में हेरोइन ड्रॉपिंग की 8 बड़ी वारदातों को विफल किया गया। 35 किलोग्राम से ज्यादा हेरोइन पकड़ी जा चुकी है। इससे पाकिस्तानी और बॉर्डर के इस पार के तस्करों के नेटवर्क को 155 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। इसके बावजूद पाक तस्कर लगातार इसी एरिया को टारगेट कर रहे हैं। वे ड्रोन से ड्रॉपिंग कर रहे हैं। रावला और घड़साना थाना एरिया के बॉर्डर पर ऐसी गतिविधियां बढ़ रही हैं। इससे स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई हैं। अब इसे लेकर नाकी कोआर्डिनेशन सेंटर की मासिक बैठक में सभी एजेंसियां नए सिरे से प्लान बना रही हैं। तस्करी चैनल क्रैक करने एवं नेटवर्क का खुलासा करने पर भी काम हो रहा है।

हाल ही में 12 सितंबर को हुई हेरोइन ड्रोपिंग ने भविष्य के गंभीर खतरे का अलार्म बजा दिया है। रावला थाना एरिया के चक 14 केएनडी की रोही में रात को 5.615 किलोग्राम हेरोइन और 508 ग्राम अफीम दूध बरामद हुआ। कुल 6 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। जिस जगह ड्रोन ने ड्रॉपिंग करवाई, वह स्थान पाकिस्तान बॉर्डर से 4 किलोमीटर की दूरी पर है। दूसरा, सारा वजन एक ही बार में ड्रॉप किया गया। इस घटना में दो नई और विशेष बातें सामने आई हैं। पहला, पाकिस्तान के ड्रोन टेक्नोलॉजी में एडवांस हो गए हैं। वे एक बार में 4 से 5 किलोमीटर तक उड़ान भर रहे हैं। दूसरा, इनकी वजन उठाकर ले जाने की क्षमता भी 6 किलोग्राम तक सामने आ चुकी है। इससे ज्यादा वजन भी उठाकर उड़ रहे हों, तो भी कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

हरिशंकर यादव, एसपी, श्रीगंगानगर का कहना है कि पाकिस्तान सीमा पर मुखबिर तंत्र और निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया गया है, इसी वजह से तस्करी के मामले अधिक पकड़े जा रहे हैं। रावला और घड़साना सीमा क्षेत्र में गांव दूर होने, इलाका रेगिस्तानी होने और पंजाब के हैंडलर्स की रिश्तेदारियां होने के चलते उस क्षेत्र में ड्रॉपिंग बढ़ी है। सभी सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर तस्करी के नेटवर्क पकड़े जा रहे हैं।

क्षतिग्रस्त कार में यूपी के टैक्सी चालक का शव मिला

मृतक के गले सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के कई निशान मिले

अजमेर, (निसं)। गेगल थाना क्षेत्र में सोमवार को एक क्षतिग्रस्त कार में उत्तर प्रदेश के 47 वर्षीय टैक्सी चालक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी श्रीकांत तिवारी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि श्रीकांत नोएडा से टैक्सी लेकर बड़ौदा के लिए रवाना हुआ था। गेगल थाना पुलिस ने कार में मिले दस्तावेजों के आधार पर मृतक के परिजनों से संपर्क किया। परिजनों के अजमेर पहुंचने के बाद उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई।

- **नोएडा से बड़ौदा के लिए टैक्सी लेकर निकला था श्रीकांत तिवारी, ड्राइविंग सीट के पीछे मिला शव**
- **पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कार दुर्घटनाग्रस्त कैसे हुई और श्रीकांत की मौत किन परिस्थितियों में हुई**

पुलिस के अनुसार श्रीकांत का शव कार की ड्राइविंग सीट पर नहीं, बल्कि उसके पीछे की तरफ मिला। मृतक के गले पर चोट के निशान बताए जा रहे हैं। इसके अलावा शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोट के कई निशान मिले हैं। कार भी क्षतिग्रस्त हालत में मिली है। इन परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

पुलिस हत्या की आशंका के साथ-साथ सड़क हादसे में मौत होने की संभावना को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटनास्थल और कार की स्थिति के साथ ही मृतक के शरीर पर मिले चोट के निशानों की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कार दुर्घटनाग्रस्त कैसे हुई और श्रीकांत की मौत किन परिस्थितियों में हुई। मृतक के परिजन गुरुकांत तिवारी ने बताया कि श्रीकांत टैक्सी चलाता था और नोएडा से गाड़ी लेकर बड़ौदा के लिए रवाना हुआ था। उन्होंने बताया कि श्रीकांत का मोबाइल फोन और एक क्रेडिट कार्ड भी गायब है। पुलिस से सूचना मिलने के बाद परिजन अजमेर पहुंचे, जहां पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

रेस्टोरेंट पर हुई चाकूबाजी मामले में कार्रवाई

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में बार एण्ड रेस्टोरेंट पर हुई चाकूबाजी व तोड़फोड़ के मामले में पुलिस टीम ने दो नाबालिगों को विधि से संघर्षरत निरूद्ध किया है। नाबालिगों को पकड़ने के दौरान एक नाबालिग ने डीएसटी के हैड कांस्टेबल पर चाकू से हमला किया, जिससे हैड कांस्टेबल को चोट आई।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि कैथून क्षेत्र के जगन्नाथपुरा गांव में स्थित एसओडी बार एवं रेस्टोरेंट में 16 सितम्बर की रात्रि को रेस्टोरेंट के कर्मचारी पर चाकू से जानलेवा हमले एवं 17 सितम्बर को पुनः रेस्टोरेंट में घुसकर हमला कर तोड़फोड़ के दर्ज मामले में पुलिस टीम ने दो विधि से संघर्षरत बालकों को निरुद्ध करने में सफलता प्राप्त की है। विधि से संघर्षरत एक बालक पुलिस हिरासत से बचने के लिये भागने लगा जिसका पीछा कर जिला विशेष टीम के सदस्य रविकांत हैड कांस्टेबल द्वारा रुकने को कहा गया एवं पुलिस का परिचय दिया गया एवं समझाईश की गई परन्तु विधि से संघर्षरत बालक ने जेब में से चाकू निकाल लिया और समझाइश के दौरान रविकान्त हैड कांस्टेबल० पर हमला कर दिया।

डोडा-पोस्त के आरोपी को पांच वर्ष की सजा

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस न्यायालय संख्या दो जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मुजफ्फर चौधरी ने 13 वर्ष पुराने अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त बरामदगी के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी भंवरलाल उर्फ भंवरू बिश्नोई निवासी कंवरजी की खेजड़ी को 5 वर्ष का कठोर कारावास और 50 हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई है।

सरकार की ओर से पैरवी के लिए नियुक्त मनोहर लाल पालीवाल विशिष्ट लोक अभियोजक न्यायालय एनडीपीएस मामलात जोधपुर ने बताया कि 12 नवंबर 2013 को थाना अधिकारी पुलिस थाना ओसियां पूरण सिंह को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि भंवरलाल उर्फ भंवरु विश्नोई निवासी कंवरजी खेजड़ी तापू ने अपने घर में अवैध डोडा-पोस्त के बोरे छुपा कर रखे हैं। सूचना विश्वसनीय होने से थानाधिकारी मय जाब्ता भंवरलाल की ढाणी पहुंचे तो वहां ढाणी के पिछे में एक व्यक्ति नजर आया जो पुलिस जाब्ते को देखकर कट्टे लेकर भागने लगा। जिसे पुलिस द्वारा घेरा डालकर पकड़ लिया। नाम-पता पूछा तो उसने अपना नाम भंवरलाल विश्नोई बताया तथा घर व खेत अपना होना बताया। तब पास में पड़े सफेद व काले कट्टों में भरी वस्तु के बारे में पूछने पर उसने घबराते हुए डोडा-पोस्त होना बताया। डोडा-पोस्त अवैध होने से थानाधिकारी द्वारा कार्रवाई करते हुए सफेद कट्टे में 19 किलोग्राम व हल्के काले रंग के कट्टे में 20 किलोग्राम कूल 39 किलोग्राम डोडा-पोस्त बरामदग हुआ। अनुसंधान में आरोपी को गिरफ्तार किया गया। बाद में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मुजफ्फर चौधरी ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत 10 गवाह, 40 दस्तावेजी साक्ष्य और 4 आर्टिकल के आधार पर अभियुक्त भंवरलाल उर्फ भंवरु को दोषी ठहराते हुए उनके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त बरामदगी को देखते हुए सजा सुनाई।

निजी स्कूलों में गबन और फर्जीवाड़े का आरोप

परबतसर, (निसं)। डीडवाना-कुचामन एवं अजमेर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित निजी विद्यालयों द्वारा मान्यता नियमों के उल्लंघन, फर्जी नामांकन के जरिए सरकारी राशि के गबन और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने का बड़ा मामला सामने आया है। इस संबंध में मानपुरा निवासी शिकायतकर्ता मुकेश छबा ने राजस्थान संपर्क पोर्टल, मुख्यमंत्री कार्यालय, शिक्षा मंत्री, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो तथा जिला कलैक्टर सहित 14 प्रमुख विभागों के उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र भेजा है।

शिकायत में बताया गया है कि संचालक कमलेश शर्मा एवं उनके सहयोगियों द्वारा संचालित गुरुकुल बाल निकेतन (पीह), जुपिटर एकेडमी (पीह), श्री करणी उच्च प्राथमिक विद्यालय (मायापुर), श्री मरुधर केसरी शिक्षण संस्थान (मोरियाना) और आदर्श बाल भारती शिक्षण संस्थान (नरवर) में भारी वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताएं की जा रही हैं। आरोप है कि इन विद्यालयों में 75 प्रतिशत सशुल्क विद्यार्थियों की संख्या केवल कागजों में फर्जी तरीके से दिखाकर निशुल्क सीटों पर प्रतिवर्ष लगभग 75 लाख रुपये की राजकीय राशि का अवैध गबन किया जा रहा है। शिकायती पत्र में यह भी खुलासा किया गया है कि संचालक ने अपने परिवार के सदस्यों तथा गैर अध्ययनरत बच्चों के नाम से फर्जी नामांकन दर्ज कराए हैं। इसके अलावा, स्वीकृत स्थान के बजाय अन्य गैर मान्यता प्राप्त व जर्जर भवनों में स्कूल चलाना, टीन की चादरों में कक्षाएं लगाना, हाईटेंशन बिजली लाइन के नीचे संचालन करना और बिना लोक निर्माण विभाग व अग्निशमन सुरक्षा प्रमाण पत्र के बच्चों की जान जोखिम में डालना शामिल है। आरोप है कि पीह स्थित ई-मित्र केंद्र के माध्यम से फोटोशॉप सॉफ्टवेयर का उपयोग कर फर्जी आधार कार्ड, जन-आधार व अन्य दस्तावेज तैयार किए जाते हैं। एवं यह आईटीआर इसके पिताजी के सुवालाल खाती के नाम से लगाई गई है उसके पिता की मृत्यु 18 फरवरी 2024 हो गई हो ओर आईपीआर 2026 में लग गई है। ये फर्जी लग रहा है। शिकायतकर्ता ने सरकार एवं संबंधित विभागों से विशेष जांच समिति का गठन कर आकस्मिक भौतिक निरीक्षण कराने, अवैध नामांकनों से उठाई गई राशि की वसूली करने, विद्यालयों की मान्यता रद्द करने तथा दोषियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की है।

सार-समाचार

सांभर के प्रमुख मार्गों से बाबा रामदेव की भव्य शोभायात्रा निकली

सांभरझील, (निसं)। बाबा रामदेव की भव्य शोभायात्रा यहां सांभर के प्रमुख रास्तों से होते हुए गाजे बाजे के साथ निकाली गई। शोभा यात्रा में बाबा रामदेव के जयकारे लगाते हुए लोग नाचते गाते भक्ति भाव का आनंद लेते हुए चल रहे थे। यहां के पुराना किला स्थित बलाई समाज के नवयुवक मंडल की ओर से लोक देवता बाबा रामदेव महाराज की जयंती के अवसर पर भव्य जागरण एवं शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बडी संख्या में समाज बंधुओं, भक्तजनों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर भव्य जागरण में श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव जी महाराज के भजनों का आनंद लिया और भक्तिमय वातावरण में देर रात तक बाबा की आराधना की। इसके साथ ही निकाली गई भव्य शोभायात्रा में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शोभायात्रा के दौरान पूरे क्षेत्र में बाबा रामदेव जी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता एवं सद्भावना का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी भक्तजनों एवं श्रद्धालुओं ने आयोजन की सराहना की तथा बाबा रामदेव जी महाराज से समाज की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

नगर परिषद की उप सभापति बनीं फरजाना सईद

टोंक। नगर परिषद समेत जिले की 10 नगर निकाय में चेयरमैन बनने के बाद मंगलवार को उपसभापति के लिए चुनाव का परिणाम घोषित हुए, जिसमें टोंक नगर परिषद से कांग्रेस की फरजाना सईद को 36 वोट मिलने से नगर परिषद उपसभापति बनाया गया है। उन्होंने बीजेपी के ओम पांडे को मिले 13 वोटों से हराया है। इस मौके पर चेयरमैन मयंक गोयल ने कहा कि सभापति बनने के बाद पार्टी से ही उप सभापति बनना लाजमी था। उपसभापति बनी फरजाना सईद ने कहा कि मैं जनता और पार्टी का धन्यवाद करना चाहती हूं, साथ ही कहा कि जितना हो सकेगा जनता का काम करूंगी। चुनाव परिणाम के बाद नगर परिषद वाइस चौयरमैन फरजाना सईद को रिटर्निंग अधिकारी सीमा खेतान ने जीत का सर्टिफिकेट दिया। इन चुनावों के दौरान शान्ति व्यवस्था हेतु वोटिंग स्थल पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने डीएसपी मृत्युजंय मिश्रा एवं कोतवाल भंवर लाल वैष्णव मौके पर मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि टोंक नगर परिषद में कांग्रेस ने वाइस चैयरमैन प्रत्याशी मुस्लिम महिला पार्षद को बनाकर चेयरमैन नहीं बनाने से थोड़ा नाराज हुए मुस्लिम समुदाय को साधने का प्रयास किया है।

भाजपा समर्थित प्रदीप शर्मा डीग नगर परिषद के उपसभापति निर्वाचित

डीग भरतपुर (निसं)। नगर निकाय आम चुनाव 2026 के तहत मंगलवार को डीग नगर परिषद के उपसभापति पद के चुनाव में भाजपा समर्थित निर्दलीय पार्षद प्रदीप कुमार शर्मा ने सभी 40 पार्षदों का समर्थन हासिल कर पद अपने नाम कर लिया। मतदान में उन्हें 40 में से 40 मत मिले, जबकि उनके सामने चुनाव मैदान में उतरे राहुल लवानिया और गौरव सोनी को एक भी मत प्राप्त नहीं हुआ। परिणाम घोषित होते ही नगर परिषद में प्रदीप शर्मा के निर्वाचित होने की औपचारिक घोषणा कर दी गई। निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम अमित कुमार मीणा ने बताया कि उपसभापति पद के लिए प्रदीप कुमार शर्मा, राहुल लवानिया और गौरव सोनी ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। निर्धारित प्रक्रिया के तहत मंगलवार को मतदान कराया गया। नगर परिषद के सभी 40 पार्षदों ने मतदान में हिस्सा लिया। मतगणना में प्रदीप शर्मा के पक्ष में सभी 40 मत पाए गए। राहुल लवानिया और गौरव सोनी के खाते में एक भी मत नहीं आया। इसके बाद निर्वाचन अधिकारी मीणा ने प्रदीप कुमार शर्मा को डीग नगर परिषद का उपसभापति निर्वाचित घोषित किया। प्रदीप शर्मा ने हाल ही में हुए नगर निकाय चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पार्षद का चुनाव जीता था। उपसभापति चुनाव की मतदान प्रक्रिया के दौरान डीग सीओ सीताराम बैरवा और नगर परिषद आयुक्त कुलदीप सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

उन्होंने सभी संबंधित उपखण्ड अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विभाग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार सरपंच एवं वार्ड पंच के पदों हेतु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं के लिए आरक्षित किए जाने वाले पदों का निर्धारण सुनिश्चित करें।

नेमीचंद जैन देवली नगर पालिका के वाइस चेयरमैन बने

देवली (नि स)। मंगलवार को यहां नगर पालिका उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुऐ। इस चुनाव में भाजपा की ओर से पूर्व पालिका अध्यक्ष नेमीचंद जैन मैदान में उतरे और कांग्रेस ने सौरभ जिंदल को प्रत्याशी बनाया। पालिका के वाइस चेयरमैन पद के चुनाव में 35 पार्षदों ने मतदान किया। पार्षदों के मतदान के कुछ देर बाद ही वाइस चेयरमैन पद के परिणाम सामने आए। इस दौरान भाजपा के वाइस चेयरमैन प्रत्याशी नेमीचंद जैन को 25 मत प्राप्त हुए। और कांग्रेस के वाइस चेयरमैन प्रत्याशी सौरभ जिंदल को होने पर 10 मतों पर संतोष करना पडा। ऐसे में कांग्रेस के सौरभ जिंदल कि 15 मतों से हार हो गई।

दौसा में सभापति के बाद उपसभापति पद पर भी कांग्रेस का कब्जा

■ 1 वोट हुआ निरस्त, कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई मतदान प्रक्रिया

दौसा में उपसभापति पद पर कांग्रेस की सुनीता सैनी को प्रमाण पत्र सौपा।

दौसा (निसं.)। जिला एवं पुलिस प्रशासन की कड़ी सुरक्षा के बीच मंगलवार को दौसा नगर परिषद के उपसभापति पद के लिए चुनाव हुए, जिसमें कांग्रेस की सुनीता सैनी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के जितेंद्र शर्मा को 6 मतों से पराजित किया। कांग्रेस की सुनीता सैनी को 30 मत, भाजपा के जितेन्द्र शर्मा को 24 मत मिले, वही एक पार्षद का मत गोपनीयता भंग होने पर निरस्त कर दिया।

नगर परिषद उप सभापति के लिए मंगलवार को 2:30 से मतदान शुरू हुआ। पहला मतदान बबीता वाल्मीकि एवं अंतिम मतदान सन्नी खान ने किया। 55 पार्षदों ने अपने मतों का प्रयोग किया। मतदान पूर्ण होने के साथ ही मतगणना शुरू की गई। 55 में से कांठोस की सुनीता सैनी को 30 मत, भाजपा के जितेंद्र शर्मा को 24 मत मिले। वही एक पार्षद द्वारा दिखाकर मतदान किये जाने पर रिटर्निंग अधिकारी संजू मीणा ने गम्भीरता से लेते हुए निरस्त कर दिया। वही पूर्व में हुए सभापति चुनाव में भी भाजपा को 24 मत ही मिले थे। भाजपा द्वारा समीकरण साधने के तमाम प्रयासों के बावजूद उसके मतों की संख्या में कोई इजाफा नहीं हुआ।

कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ मतदान: बस से लाए गए कांग्रेस पार्षद दोपहर 2:30 बजे मतदान प्रक्रिया प्रारंभ होते ही सबसे पहले भाजपा खेमे के 24 पार्षदों ने एक साथ पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके बाद शाम 4:15 बजे कांठोस खेमे के पार्षद एक बस में सवार होकर मतदान केंद्र पहुंचे। प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल की मौजूदगी में पार्षदों की गिनती कर उन्हें सुरक्षित मतदान केंद्र के भीतर ले जाया गया, जहाँ उन्होंने वोट डाले। उपसभापति चुनाव के लिए मंगलवार सुबह कुल 3 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। हालांकि, नामांकन वापसी के निर्धारित समय के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी सन्नी खान ने अपना फॉर्म वापस ले लिया, जिससे मुकाबला सीधे तौर पर कांग्रेस और भाजपा के बीच आमने-सामने का हो गया। सभापति के बाद उपसभापति पद पर भी कांठोस का परचम इससे पूर्व आयोजित सभापति चुनाव में कांठोस की रेखा गुर्जर ने 31 वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी ।

लालसोट में ब्रजमोहन सैनी ने उपसभापति की कुर्सी पर जमाया कब्जा

■ भाजपा के जयप्रकाश सैनी को मिले 13 मत, 9 वोटों से दी शिकस्त; सभापति के बाद उपसभापति पद भी कांग्रेस की झोली में

■ सभापति पद के चुनाव में कांग्रेस के कपिल पुरोहित ने भाजपा की पिंकी चतुर्वेदी को 7 मतों से हराकर जीत हासिल की थी।

लालसोट। नगरपरिषद लालसोट के सभापति चुनाव में कांग्रेस के कपिल पुरोहित के जीत दर्ज करने के बाद अब उपसभापति पद पर भी कांग्रेस ने कब्जा जमा लिया। मंगलवार को नगरपरिषद के 35 पार्षदों ने उपसभापति पद के लिए मतदान किया। मतगणना में कांग्रेस प्रत्याशी ब्रजमोहन सैनी को 22 मत, जबकि भाजपा प्रत्याशी जयप्रकाश सैनी को 13 मत मिले। इस तरह ब्रजमोहन सैनी ने 9 मतों के अंतर से जीत दर्ज कर उपसभापति की कुर्सी पर कब्जा जमाया।

सभापति पद के चुनाव में कांग्रेस के कपिल पुरोहित ने भाजपा की पिंकी चतुर्वेदी को 7 मतों से हराकर जीत हासिल की थी। इसके बाद उपसभापति चुनाव में भी कांग्रेस के पक्ष में 22 मत आने से नगरपरिषद में कांग्रेस का बोर्ड मजबूत स्थिति में नजर आया।

तीन चुनाव, तीन जीत... ब्रजमोहन ने बनाई जीत की हैट्रिक : ब्रजमोहन सैनी की जीत इसलिए भी खास रही कि उन्होंने वार्ड 27 से लगातार तीसरी बार पार्षद का चुनाव जीतकर जीत की हैट्रिक बनाई है। उन्होंने पहली बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में, दूसरी बार भाजपा के टिकट पर और इस बार कांठोस प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीतकर अपनी राजनीतिक पकड़ का प्रदर्शन किया। अब उपसभापति पद पर जीत के साथ उन्होंने नगरपरिषद की राजनीति में एक और बड़ी जिम्मेदारी हासिल की है। ब्रजमोहन सैनी जनता गौ रक्षा सेवा दल के अध्यक्ष भी हैं। उपसभापति पद पर जीत के बाद समर्थकों में उत्साह का माहौल है। समर्थकों ने इसे सैनी समाज के लिए भी गौरव का क्षण बताया।

जलझूलनी एकादशी पर निकाली भव्य डोल यात्रा

निवाई। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में जलझूलनी एकादशी का त्यौहार उत्साह पूर्वक मनाया गया। जलझूलनी एकादशी पर भगवान की डोल यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर धर्म लाभ कमाया। डोल यात्रा से पूर्व मंदिर के पुजारियों ने भगवान की मूर्तियों का घृताभिषेक, दुग्धाभिषेक, पंचामृत अभिषेक व जलाभिषेक किया। इसके बाद सजे-धजे विमानों में भगवान को श्रृंगारित कर विराजित किया गया। जलझूलनी एकादशी महापर्व को लेकर दोपहर 4 बजे भगवान चारभुजानाथ मंदिर, नृसिंह मंदिर, सुनारों का मंदिर, दर्जियों का मंदिर, भगवान सत्यनारायण मंदिर व लक्ष्मीनाथ मंदिर सहित कई मंदिरों से बैंड बाजे के साथ भगवान के विमान भव्य शोभा यात्रा के साथ रवाना हुए। भगवान के विमानों की भव्य शोभा यात्रा शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए भरा कुआ तालाब पर पहुंची। शोभायात्रा का जगह-जगह पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा करके एवं आरती करके स्वागत किया जाएगा। डोल यात्रा में महिलाएं भजन गाती हुई चल रही थी तो वहीं युवा डीजे के भजनों की धुनों पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। ठाकुरजी के सभी विमानों को लेकर श्रद्धालु मेला स्थल भरकुंआ तालाब पहुंचे जहां भगवान के विमानों को विराजित किया गया।

कोटपुतली में आरक्षण निर्धारण के लिए 23 व 24 को लॉटरी

कोटपूतली। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत जिले में सम्मिलित जिला परिषद कोटपूतली-बहरोड़ के सदस्य निर्वाचन क्षेत्रों, पंचायत समितियों के सदस्य निर्वाचन क्षेत्रों तथा प्रधान पद के आरक्षण निर्धारण एवं आवंटन के लिए 23 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे लॉटरी निकाली जाएगी।

यह प्रक्रिया जिला कलक्टर कार्यालय, कोटपूतली-बहरोड़ स्थित जिला कलक्टर सभागार में आयोजित होगी । इसी प्रकार पंचायत समितियों में सम्मिलित ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के आरक्षण निर्धारण एवं आवंटन की लॉटरी 24 सितंबर 2026 को संबंधित उपखंड अधिकारी स्तर पर निर्धारित स्थानों पर आयोजित की जाएगी। जिला प्रशासन ने संबंधित पदों के आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया में निर्धारित दिनांक, समय एवं स्थान पर उपस्थित होने के लिए राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों, आमजन एवं संबंधित हितधारकों से अपील की है।

मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार

निवाई। निवाई थाना पुलिस ने एक मोटरसाइकिल चोरी का पर्दाफाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसकी निशानदेही पर मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। निवाई थाना अधिकारी घासीराम ने बताया कि 20 तारीख को सिंधी कॉलोनी निवासी दिलीप डासवानी ने मोटरसाइकिल चोरी का मामला दर्ज करवाया था। दर्ज करवाए गए प्रकरण के अनुसार पीड़ित दिलीप ने सुबह करीब 7 बजे अपने घर के सामने स्थित गैराज से मोटरसाइकिल निकाल कर घर के सामने खड़ी की थी। कुछ ही देर बाद वापस लौटा दो मोटरसाइकिल वहां से गायब थी।

आसपास तलाश की गई लेकिन मोटरसाइकिल का कहीं पता नहीं चला। इस पर प्रकरण दर्ज करवाया गया। पुलिस ने टीम गठित कर सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए मोटरसाइकिल चोरी के आरोपी सुनील कुमार पुत्र ओमप्रकाश प्रजापत निवासी श्रीरामपुरा उर्फ श्रीरामजीपुरा थाना माधोराजपुरा जिला जयपुर हाल निवासी आगरा रोड माली की कोठी लखेसरा रोड अमित कॉलोनाइजर्स प्लॉट नंबर बी 325 कानोता जिला जयपुर को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी की निशानदेही पर मोटरसाइकिल की बरामद कर ली है।

कोटपुतली जिले की 9 निकायों में सभापति व चेयरमैन निर्वाचित

कोटपूतली । नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत जिले की 09 नगरीय निकायों में सभापति व चेयरमैन पद के निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण होने के साथ ही नए बोर्डों का गठन हो गया है।

नगर परिषद कोटपूतली, बहरोड एवं नगर पालिका बानसूर, बर्डोद, मांढण, नारायणपुर, नीमराना, पावटा-प्रागपुरा एवं विराटनगर नगरीय निकायों में निर्वाचित सभापति व चेयरमैन के नेतृत्व में बोर्ड का गठन किया गया है। जिसमें 5 निकायों पर भाजपा व 4 निकायों पर कांग्रेस ने कब्जा जमाया है।

नम्बर मिलाइए
8890333139

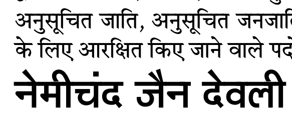

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

बैंक कर्मचारियों का मांगों को लेकर बैज लगाकर विरोध प्रदर्शन

निवाई में बैंक कर्मचारियों ने मांगों को लेकर बैज लगाकर विरोध-प्रदर्शन किया।

■ 28 से 30 सितंबर तक रहेगी अखिल भारतीय बैंक हड़ताल

निवाई। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के आव्हान पर बैंक कर्मचारियों की संयुक्त मांगों के समर्थन में मंगलवार को बैज वियरिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय सचिव गौरव कुमार गौतम ने बताया कि बैंक कर्मचारियों ने मांगों को लेकर बैज लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। जिसके माध्यम से बैंक कर्मचारियों ने सप्ताह में पाँच दिन बैंकिंग की मांग को बिना किसी देरी के लागू करने की माँग दोहराई। कार्यक्रम में सभी कर्मचारियों ने एकजुट होकर बैंक प्रबंधन व सरकार से कर्मचारियों की लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। बैज वियरिंग कार्यक्रम में 28, 29 व 30 सितंबर को अखिल भारतीय बैंक हड़ताल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के सहित सभी संगठन शामिल होंगे।

देवली में कचरे के जगह-जगह ढेर

देवली (निस)। शहर के मुख्य मार्गों पर कचरो के ढेर स्पष्ट रूप से बता रहे हैं कि कार्य से संबंधित ठेकेदार अपनी जिम्मेदारियों प्रति कितनी लापरवाही बरत रहा है। ऐसे में पालिका प्रशासन के अधिकारियों को चाहिए कि वह कचरा उठाने वाले ठेकेदार को पाबंद करें और रोड पर फैले हुऐ कचरे कि नियमित रूप से सफाई करवाई जाये। एवं क्षतिग्रस्त कुड़ेदानों को हटाकर सुरक्षित कूड़ेदान स्थापित किए जाने की कार्रवाई करें। मंगलवार को शहर के सी आई एस एफ गेट के पास के लोगों ने जानकारी में बताया कि सीआईएसएफ रोड पर निजी स्कूल के बाहर रखा हुआ कुड़ेदान पूरी तरह से टूट गया है। ऐसे में इस कुड़ेदान में डाले जाने वाला कचरा निकल कर बाहर फैल जाता है। इसी के साथ उक्त क्षेत्र के सफाई कर्मचारी भी अपने एरिया का सारा कचरा यहां डाल देते हैं। स्थानीय लोगों ने जानकारी में बताया कि ऐसे हालातो की जानकारी पालिका प्रशासन को कई बार गई है। इसके बावजूद स्थानीय लोगों को इस गंदगी से राहत नहीं मिल रही है। स्थानीय लोगों ने यह भी जानकारी बताया कि ऐसे हालातो की शिकायत संपर्क पोर्टल पर भी कई मर्तबा दर्ज करवा दी गई है।

आम सूचना हर आम को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री जगदीश पुत्र घासीराम, जाति थानका, निवासी- थानको का मौहल्ला, ग्राम श्री किशनपुरा, तहसील सांगानेर, जयपुर का पौत्र महेश कुमार कायत पुत्र स्व. पूरण चन्द मेरे अभिभाष्य व परिवारजन के कहने में नही है, उसके चाल-चलन भी गलत है। परिवार में अशांति रखता है, छोटे पौत्र प्रकाश की मोटरसाईकिल नं. RJ60ES4713 जबरन से ले गया, मेरे अभिभाष्य व परिवारजन ने उसे चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अतः जो कोई भी महेश से सम्बन्ध रखेगा उसके लिए मेरा अभिभाष्य व परिवारजन उत्तरदायी नही होगे।
दिनांक-22/9/2026 **भौरीलाल शर्मा एडवोकेट ग्राम बम्बाला, सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर मो-9351398553**

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या समीम बेगम पत्नी जाकिर अली, आयु 63 वर्ष, निवासी मकान नम्बर 3990, कुम्हारों की नदी, आरा मशीन, रामगंज, जयपुर का पुत्र समीर अली उसके कहे में नहीं है, नाफरमान हो गया है जिसके कारण मेरी अभिभाष्या ने अपने पुत्र समीर अली को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है यदि कोई व्यक्ति इससे किसी प्रकार का कोई लेन देन या संव्यवहार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहें। जयपुर।
दिनांक-22/9/26
(मोहम्मद अफजल) एडवोकेट मो.नं. 9928520745

आम सूचना सर्व साधारण को सुचित किया जाता है, कि दिनांक 29.04. 2026 को श्री प्रदीप मित्तल पुत्र श्री आनन्द शंकर मित्तल एवं श्रीमती रानी मित्तल पत्नि श्री प्रदीप मित्तल द्वारा संयुक्त रूप से श्री अशोक जेठवानी पुत्र श्री किशन सिंह जेठवानी के साथ किया गया इकरारनामा रद्द कर दिया गया है। श्री अशोक जेठवानी को इकरारनामा मे वर्णित आंशिक विक्रय प्रतिफल दिनांक 28.06.2026 तक तथा सम्पूर्ण शेष विक्रय प्रतिफल दिनांक 30.08.2026 तक अदा करना था। लेकिन इकरारनामा की शर्तो की पालना नही करने के कारण इकरारनामा रद्द किया जाता है। अग्रिम राशि जब्त कर ली गई है। अब श्री प्रदीप मित्तल एवं श्रीमती रानी मित्तल इकरारनामा दिनांक 29.04.2026 मे वर्णित सम्पत्ति अन्य को विक्रय करने को स्वतन्त्र है।
जयपुर **(फराज हुसैन) एडवोकेट**
दिनांक **मो.नः-9929797865**

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम नारायणदास से बदलकर नारायणदास गंगवानी पुत्र श्री ताराचन्द गंगवानी रख लिया है अतः भविष्य में मुझे नारायणदास गंगवानी के नाम से जाना जाए। J-47, टैगोर नगर, गणेश पथ, चित्रकूट, वैशाली नगर जयपुर

खोया पाया

मेरे द्वारा खरीदशुदा स्वामित्व का प्लॉट 167, क्षेत्रफल 333.33 वर्गगज जो विजय सिंह पथिक नगर, झोटवाडा का है जिसका पट्टा लक्ष्मीदेवी पत्नी रामसिंह डोई के नाम है जिसकी रसीद संख्या 62 दिनांकित 28/04/1990 है जो हाथोज से रामकुटिया के मध्य खो गया मिलने पर सूचित करे। मुकेश कुमावत-9929121249

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण दयाराम पुत्र श्री फतेह राम एवं उनकी पत्नि श्रीमती सुनीता राजपूत निवासीगण - 54, गायत्री नगर, महिमा पब्लिक स्कूल के पास, सांगानेर, जयपुर के बड़े पुत्र श्रवण कुमार की पत्नी प्रीति राजपूत द्वारा मेरे अभिभाष्यगण के साथ अत्यधिक लड़ाई झगड़ा किया जाकर उनको हैरान परेशान किया जाता है जिसमे मेरे अभिभाष्यगण का बड़ा पुत्र श्रवण कुमार भी उसका ही साथ देता है और दोनों मिलकर मेरे अभिभाष्यगण को परेशान करते हैं। इस कारण मेरे अभिभाष्यगण ने अपने बड़े पुत्र श्रवण कुमार, उसकी पत्नी प्रीति राजपूत एवं उनके पुत्र शौर्य से समस्त सम्बन्ध तोड़ते हुए इन्हें अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है । इनके द्वारा यदि किसी व्यक्ति, संस्था, सरकारी व अर्धसरकारी विभाग से किसी भी प्रकार का कोई लेनदेन, ऋण या अन्य कोई संव्यवहार किया जाता है तो उनकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी । मेरे अभिभाष्यगण की कोई जिम्मेदारी नही होगी। सूचित रहे। **(अविनाश वशिष्ठ) एडवोकेट**
जयपुर 22/9/2026 **मो. 9413488007**

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर नगर जोन) नगर निगम जयपुर
(अम्बाबाडी सामुदायिक केन्द्र, अम्बाबाडी सर्किल, जयपुर)
क्रमांक : एफ.55 ( ) वि. जोन/न.नि.ज./2026/2191 दिनांक : 17.09.2026
सार्वजनिक सूचना
भूखण्ड सं. 10, स्कीम नं. 13, सीकर रोड, जयपुर (म्युचुअल गृह निर्माण सहकारी समिति) जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री हरिश चन्द गुप्ता पुत्र श्री शंकर लाल गुप्ता के पक्ष में क्षेत्रफल 234.62 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। श्री हरिश चन्द गुप्ता पुत्र श्री शंकर लाल गुप्ता की दिनांक 02.08.2022 को मृत्यु हो गई। श्रीमती प्रीति गुप्ता पत्नी स्व. श्री हरिश चन्द गुप्ता, श्रीमती दीप्ति गुप्ता एवं श्रीमती प्रीति अग्रवाल पुत्रीयान स्व. श्री हरिश चन्द गुप्ता द्वारा जरिये पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनांक 18.07.2025 को उक्त भूखण्ड पर से अपना हक श्री समीर गुप्ता पुत्र स्व. श्री हरिश चन्द गुप्ता के पक्ष में हकत्याग कर दिया गया। श्री समीर गुप्ता पुत्र स्व. श्री हरिश चन्द गुप्ता द्वारा भूखण्ड संख्या 10, स्कीम नं. 13, सीकर रोड़, जयपुर (म्युचुअल गृह निर्माण सहकारी समिति) क्षेत्र. 234.62 वर्गगज का नाम हस्तानतरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तानतरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तानतरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त, विद्याधर नगर जोन, नगर निगम जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे
बिजली-कोचिंग कार्य के लिए ई निविदा वर्ष 2026-27
NIT No-: 12R/2026-27-Elect/Chg
1. कार्य का नाम स्थान अवधि : Non-core Electrical coaching stock maintenance activities by outsourcing over Jodhpur Division for a period of 02 years. **2. कार्य की अनुमानित लागत** : Rs. 173703562.39 **3. बयाना राशि जो कि जमा करानी है। :** Rs. 1018500.00 **4. टेण्डर प्रस्तुत करने एवं टेण्डर खुलने का समय व दिनांक :** 11.00 बजे, दिनांक **12.10.2026** तक through E-tendering online submission on IREPS, उसी दिन तत्पचात् खोली जायेगी। **5. वेबसाईट विवरण एवं सूचना पट्ट का स्थान जहां से टेण्डर की पूर्ण जानकारी देखी जा सके। : http://www.ireps.in** कैवये सूचना पट्ट पर **NOTE :** The offer can only be accepted through E-Tendering on the website of **https://www.ireps.gov.in/**, Offer in any other form will not be accepted. The tenderer/bidders must have Class-III Digital Signature Certificate & must be register on IREPS portal/ Only registered tenderer/bidders can participate on e-Tendering. All relevant paper must be uploaded at the time of participating in e-Tendering. **1364-CQ/26**
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 3958 दिनांक :-22/09/26
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना मे आवास / फ्लैट संख्या 261/09 (MIG-B), का आवंटन श्री बलवीर सिंह पुत्र श्री राम सिंह को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1586 दिनांक 30.06.2007 को जारी किया गया था। श्री बलवीर सिंह द्वारा श्री मगन जेठवानी पुत्र श्री लीलाराम जेठवानी को दिनांक 16.11.2006 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री मगन जेठवानी द्वारा श्री बलवीर सिंह के पक्ष मे पंजीयन पत्रो निष्पादन दिनांक 04.05.2009 को उप पंजीयक (अष्टम) जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्री मगन जेठवानी द्वारा मुख्त्यारआम की हैसियत से उक्त आवास का विक्रय पत्र श्री प्रेम कुमार सैनी पुत्र श्री ईश्वर लाल सैनी को दिनांक 05.06.2009 विक्रय पत्र उप पंजीयक (अष्टम) जयपुर मे पंजीकृत करवाया गया गया। श्री प्रेम कुमार सैनी द्वारा उक्त आवास को श्री ओम प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री कावलिया राम गुप्ता एवं श्रीमती सुनीता देवी पत्नी श्री प्रहलाद को विक्रय कर इनके पक्ष मे विक्रय पत्र दिनांक 03.07.2014 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम जयपुर मे पंजीकृत करवाया गया। श्री ओम प्रकाश गुप्ता द्वारा उक्त आवास 1/2 हिस्से को श्री प्रहलाद कुमार गुप्ता पुत्र श्री ओम प्रकाश गुप्ता को उपहार कर इनके पक्ष मे उपहार पत्र दिनांक 12.02.2015 को उप पंजीयक (चतुर्थ) जयपुर मे पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती सुनीता देवी एवं श्री प्रहलाद कुमार गुप्ता द्वारा उक्त आवास को 1. श्री गजानन्द अग्रवाल पुत्र श्री राधेश्याम अग्रवाल, 2. श्री शुभम गुप्ता पुत्र श्री दामोदर गुप्ता एवं 3. श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री रमेश चन्द गुप्ता को विक्रय कर इनके पक्ष मे विक्रय पत्र दिनांक 03.11.2023 को उप पंजीयक (चतुर्थ) जयपुर मे पंजीकृत करवाया गया। 1. श्री गजानन्द अग्रवाल 2. श्री शुभम गुप्ता एवं 3. श्रीमती सुशीला देवी द्वारा उक्त आवास को श्रीमती रजनी देवनानी पत्नी श्री किशोर देवनानी एवं सुश्री नंदिता माखीजा पुत्री श्री गोहरमज माखीजा को विक्रय कर इनके पक्ष मे विक्रय पत्र दिनांक 27.06.2025 को उप पंजीयक (एकादश) जयपुर मे पंजीकृत करवाया गया। क्रेता श्रीमती रजनी देवनानी पत्नी श्री किशोर देवनानी एवं सुश्री नंदिता माखीजा पुत्री श्री गोहरमज माखीजा द्वारा आवासन मण्डल मे उक्त आवास मे अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती रजनी देवनानी पत्नी श्री किशोर देवनानी एवं सुश्री नंदिता माखीजा पुत्री श्री गोहरमज माखीजा का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

न्यायालय तहसीलदार फुलेरा मु0 सांभरलेक जिला जयपुर
दुरभाष नम्बर 01425-224219 ई-मेल tdrsbr@ymail.com
क्रमांक:- भू0अ0/2026/4455 दिनांक :- 22/09/2026
सार्वजनिक सूचना नोटिस
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी दीनदयाल दास चैला स्व0 रामस्वरूपदास निवासी दादू पालका, बिचून, तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर द्वारा ग्राम रामसागर की आराजी खसरा नम्बर 155, 156, 158, 159 कुल रकबा 5.6270 हैक्टेयर भूमि के मृतक खातेदार रामस्वरूपदास चैला रामबल्लभदास जाति दादूपंथी निवासी दादू पालका, बिचून की विरासत का नामांतरण हेतु प्रकरण भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 135 (2) के तहत हाजा न्यायालय में विचाराधीन है।अतः यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति / एतराज हो तो आगामी दिनांक 08.10.2026 तक मय दस्तावेज पेश करे अन्यथा इकतरफा कार्यवाही कर निर्णय पारित कर दिया जावेगा। **तहसीलदार (भू.अ.)**
फुलेरा मु. सांभरलेक

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 166/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री सुरेन्द्र मोहन पारीक पुत्र स्व. महन्त श्री जयदत्त पारीक निवासी ए-16 बी, गिरधार कॉलोनी, मुरलीपुरा स्कीम रोड, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत मंदिर श्री मुरली मनोहर जी महाराज, ग्राम सॉखर, तहसील कठूमर जिला अलवर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 15.9.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 20.11.26
मोहर अदालत **सहायक आयुक्त (द्वितीय)**
देवस्थान विभाग जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली निविदा सूचना (ई-निविदा द्वारा)
संख्या. 2026-20RT2- Collection of material दिनांक: 21.09.2026
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मुख्य कारखाना प्रबंधक, कैरिज कारखाना, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा ई-निविदा आमत्रित की जाती हैं। **01 कार्य का नाम व स्थान** : Collection of material from Store depot and distribute to various shop store & Inter/Intra Shop materials Movement & Scrap Transportation in Carriage Workshop, NWR, Jodhpur. (24 Months) **02. कार्य की अनुमानित लागत** : रु 37,067,244.48 (रु तीन करोड़ सत्तर लाख सड़सठ हजार दो सौ चवालीस रुपये और अड़तालीस पैसे मात्र) **03. बयाना राशि जो जमा करानी हैं। :** रु. 741400.00 (रु सात लाख इकतालीस हजार चार सौ रुपये मात्र।) **04. ई निविदा जमा करने की अन्तिम दिनांक व समय तथा ई-निविदा खोलने की दिनांक व समय** : दिंनाक **14.10.2026** को 15:00 बजे तक तथा **14.10.2026** को 15:00 बजे के बाद **05. वेबसाइट विवरण जहां से ई-निविदा सम्बन्धित पूर्ण विवरण प्राप्त किया जा सकता हैं। : www.ireps.gov.in** डब्लूडब्लूडब्लू.आई आरईपीएस.जीओवी.आईएन **06. कार्यालय का पता जहां से निविदा जारी की गयी। :** मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय, कैरिज कारखाना, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर-342001 राजस्थान **1370-CQ/26**
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उद्घोषण (इश्तिहार)
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम 11 सांगानेर जयपुर महानगर नगर प्रथम
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद संख्या 26/2026
विषय :-प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 8(2) हिन्दू माईनारिटी एण्ड गार्जियनशिप एक्ट 1956
प्रार्थीया का नाम :- श्रीमती उर्वशी गलुंडिया पत्नी स्वर्गीय श्री कुणाल सिंघवी
पेशी दिनांक :-12/10/2026
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थीया श्रीमती उर्वशी गलुंडिया पत्नी स्वर्गीय श्री कुणाल सिंघवी, उम्र 46 वर्ष, हाल निवासिया-मकान नम्बर सी-187, ज्ञान मार्ग, तिलक नगर, जवाहर नगर, जयपुर राजस्थान 302004 (आधार नम्बर 276434840194) ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि उसकी अवयस्क पुत्री कुमारी आहाना सिंघवी पुत्री स्वर्गीय श्री कुणाल सिंघवी, उम्र 15 वर्ष, बाबत अनुज्ञा दिये जाने विक्रय अचल सम्पत्ति मय हित उच्च शिक्षा एवम भविष्य की आवश्कता के अनुसार अनुमति दिये जाने के लिए पेश किया है।
अतः उक्त प्रार्थना पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो ते वह इस न्यायालय में दिनांक 12/10/26 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करे। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 02 माह 09 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
मोहर अदालत **संख्या-11 जयपुर महानगर प्रथम**
मुख्यालय सांगानेर

सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट (उत्तर) जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर
नवरतन व अन्य बनाम जयपुर नगर निगम व अन्य
प्रतिनिधित्व वाद (नोटिस अन्तर्गत आदेश -1 नियम-8 सीपीसी)
वादीगण ने म. न. 401 से 404, रावलजी का घेर, महावीर स्कीन एण्ड एलर्जी क्लीनिक के पास, चान्दी की टकसाल, काले हनुमान जी की रोड, सुभाष चौक, जयपुर के संदर्भ में वादीगण ने एक प्रतिनिधित्व वाद प्रस्तुत किया है जिस कारण सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि कोई भी व्यक्ति उक्त वाद में पक्षकार बनना चाहता है तो वह पेशी 24/9/26 को प्रातः 10.30 ए.एम. बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर पक्षकार के रूप में संयोजित हो सकते है भविष्य में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आदेश आज दिनांक 19/9/26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की की मुद्रा से जारी किया गया है।
अपर जिला न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्तर
मोहर अदालत **जयपुर महानगर द्वितीय**

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई- निविदा सूचना
संख्या: डबलू/118/निविदा/वमई (सम.) जयपुर/इन्जीनियरिंग दिनांक: .09.2026
मण्डल रेल प्रबन्धक इन्जीनियरिंग उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यो के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है। **क्र. सं. : 1 निविदा संख्या/कार्य का नाम : इंजी. -जय-2026-27-82R** जयपुर -छोटे ब्रिजों के लिए GAD तैयार करना और जमा करना, बिल्डिंग ले-आउट प्लान तैयार करना और लेवल क्रॉसिंग व जमीन के प्लान आदि के ड्रॉइंग बनाना। **अनुमानित लागत** : 3208074.20 **बिड प्रतिभूति राशि** : 64200.00 **क्र. सं. : 2 निविदा संख्या/कार्य का नाम : इंजी. -जय-2026-27-108** रेवाड़ी - अलवर सेक्सन में लेवल क्रॉसिंग नंबर 67, 70, 77, 79, 82, 87 की जगह LHS का निर्माण। **अनुमानित लागत** : 453755310.80 **बिड प्रतिभूति राशि** : 9075100.00 **क्र. सं. : 3 निविदा संख्या/कार्य का नाम : इंजी. -जय-2026-27-109** रेवाड़ी-बांदीकुई सेक्सन में लेवल क्रॉसिंग नंबर 91, 96, 100, 104, 108, 136 की जगह LHS का निर्माण। **अनुमानित लागत** : 453755310.80 **बिड प्रतिभूति राशि** : 9075100.00 **क्र. सं. : 4 निविदा संख्या/कार्य का नाम : इंजी. -जय-2026-27-110** बांदीकुई - जयपुर सेक्सन में लेवल क्रॉसिंग नंबर 161, 164, 166, 170, 172 और 173 की जगह LHS का निर्माण। **अनुमानित लागत** : 453755310.80 **बिड प्रतिभूति राशि** : 9075100.00 **क्र. सं. : 5 निविदा संख्या/कार्य का नाम : इंजी. -जय-2026-27-111** बांदीकुई-जयपुर सेक्सन में लेवल क्रॉसिंग नंबर 180, 182, 188, 189, 194 और 195 की जगह LHS का निर्माण। **अनुमानित लागत** : 453755310.80 **बिड प्रतिभूति राशि** : 9075100.00 **क्र. सं. : 6 निविदा संख्या/कार्य का नाम : इंजी. -जय-2026-27-113** DEN/E/JP सेक्सन :- ADEN/BKI के अधिकार क्षेत्र में ट्रैक से जुड़े विविध कार्य। **अनुमानित लागत** : 40525960.04 **बिड प्रतिभूति राशि** : 810500.00 **क्र. सं. : 7 निविदा संख्या/कार्य का नाम : इंजी. -जय-2026-27-114** DEN/E/JP सेक्सन :- ADEN/AWR के अधिकार क्षेत्र में ट्रैक से जुड़े विविध कार्य। **अनुमानित लागत** : 35895915.12 **बिड प्रतिभूति राशि** : 717900.00 **1.** उपरोक्त निविदाओं का पूर्ण विवरण वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड - मण्डल रेल प्रबन्धक (निर्माण लेखा) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। **2.** निविदा संख्या इंजी. जय.-2026-27-82R, 113 एवं 114 की बन्द होने की तिथि **14.10.2026** समय 15.00 बजे एवं खुलने की तिथि **14.10.2026** समय 16.00 बजे। **3.** निविदा संख्या इंजी. जय. -2026-27-78, 108, 109, 110 एवं 111 की बन्द होने की तिथि **10.10.2026** समय 12.00 बजे एवं खुलने की तिथि **10.10.2026** समय 13.00 बजे। **1367-CQ/26**
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालय पंचायत समिति गोविन्दगढ़, जयपुर
Email ID:bdo.jai.gov@gmail.com Phone No. 01423-230025
क्रमाकः-पंसगो / लेखा/ई-निविदा/2026/226 दिनांकः-22.09.2026
निविदा सूचना संख्या /2026-27
वित्तीय वर्ष 2026-27 में पंचायत समिति गोविन्दगढ़ व अधीनस्थ ग्राम पंचायतों में विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत कार्यो / सकर्म हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत प्रतिष्ठानों / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in से upload/download की व देखी जा सकती है।
ऑनलाईन निविदा :-
NIB NO- PFA2627A0427 to PFA2627A0428
UBN NO- PFA2627WSOB00424 to PFA2627WSOB00425
विकास अधिकारी
पं.सं. गोविन्दगढ़ (जयपुर)

Aavas
SAPNE AAPKE, SAATH HAMAARA
आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड
(सीआईएन: L65922RJ2011PLC034297)
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालयः 201-202, द्वितीय मंजिल, साउथ एंड स्क्वायर, मानसरोवर इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302020, राजस्थान, भारत | फोन: +91 141 661 8800
फैक्सः +91 141 661 8861 | ईमेल: info@aavas.in | वेबसाइट: www.aavas.in
सार्वजनिक सूचना
नीम का थाना शाखा का स्थानांतरण
यह सूचना **11 अगस्त 2026** को आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड की **नीम का थाना शाखा** के प्रस्तावित स्थानांतरण के संबंध में प्रकाशित नोटिस के संदर्भ में है। ग्राहकों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर निगम की गतिविधियों के कारण, नीम का थाना शाखा को **23 सितंबर 2026** से प्रभावी, **पहली मंजिल, बीएसएनएल टावर के पास, शाहपुरा रोड, नीम का थाना, राजस्थान, 332713** से स्थानांतरित करके **पहली मंजिल, कमल हाइट्स, आदर्श कॉलोनी, वार्ड नं.-08, शाहपुरा रोड, नीम का थाना जिला, सीकर, राजस्थान-332713** पर शिफ्ट कर दिया गया है। सभी ग्राहक खाते और उनसे संबंधित सेवाएं नई शाखा में सुचारू रूप से संचालित रहेंगी। किसी भी प्रकार की सहायता या पूछताछ के लिए, ग्राहक हमारी ग्राहक सेवा हेल्पलाइन **0141-6618888** पर संपर्क कर सकते हैं।
आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड के लिए
दिनांक: 23.09.2026 **एसडी/-**
स्थानः जयपुर **अधिकृत अधिकारी**

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

का

हार्दिक आभार

जल प्रबंधन में एक और नया कीर्तिमान

समृद्ध होगा राजस्थान

सुनिश्चित होगी शेखावटी की जल सुरक्षा

माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री **श्री अमित शाह** के नेतृत्व एवं केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री **श्री सी आर पाटिल** की गरिमामयी उपस्थिति में **15 सितंबर, 2026** को राजस्थान सहित छह बेसिन राज्यों के मध्य किशाऊ बहुद्देशीय परियोजना के निर्माण हेतु समझौता सम्पन्न

- राजस्थान का आवंटन: **134 MCM जल**
- परियोजना की अनुमानित लागत: **15,000 करोड़**
- किशाऊ बाँध यमुना की सहायक टौंस नदी पर **1324 MCM जल भंडारण क्षमता** की योजना
- माननीय मुख्यमंत्री जी के विशेष प्रयासों से हिमाचल प्रदेश को आवंटित जल में से **25% अतिरिक्त जल राजस्थान को मिलेगा**
- जल का उपयोग **शेखावटी में पेयजल, सिंचाई एवं अन्य हितकारी उपयोगों के लिए**
- किशाऊ परियोजना को भारत सरकार की महत्वपूर्ण **राष्ट्रीय परियोजनाओं में सम्मिलित** किया गया है

राजस्थान संवाद

यमुना जल परियोजना के अंतर्गत हथिनीकुंड बैराज से प्रस्तावित भूमिगत पाइप लाइन से ऊपरी यमुना बेसिन के **रेणुकाजी, लखवार एवं किशाऊ बांधों** से आवंटित जल शेखावटी क्षेत्र में पेयजल, सिंचाई एवं अन्य उपयोगों के लिए वर्ष पर्यंत उपलब्ध होगा।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

टीम को पता है कि वैभव में कितना टैलेंट है और वह क्या कर सकते हैं। लेकिन जो खिलाड़ी पिछले दो-तीन साल से लगातार प्रदर्शन कर रहा है, वह उस खिलाड़ी से आगे रहेगा, जिसने अभी टीम में कदम रखा है। – गौतम गंभीर

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, वैभव सूर्यवंशी के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ओलिवियर पीक

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ओलिवियर पीक ने मैच में एक विकेट हासिल करके 24 साल पुराना एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने ब्रेंडन टेलर को आउट किया, जो इस मैच में उनका एकमात्र विकेट था। इस विकेट के साथ ही वह वनडे क्रिकेट में विकेट लेने वाले सबसे युवा ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर बन गए हैं। पीक ने यह उपलब्धि 20 साल और 7 दिन की उम्र में हासिल की, जिसके साथ ही उन्होंने साल 2002 में बना नाथन हॉरित्ज का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

क्या आप जानते हैं ?... फर्स्ट क्लास क्रिकेट में इंग्लैंड के जैक हॉब्स के नाम संपूर्ण फर्स्ट क्लास करियर में कुल 199 शतक दर्ज हैं।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव 29 को

38 वोटर तय, सबसे ज्यादा 34 जिला क्रिकेट संघ सचिव, 6 पदों के लिये 98 पदाधिकारी मैदान में

जयपुर 22 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव 29 सितंबर को होंगे। अब 38 मतदाता की छह सदस्यीय कार्यकारिणी का चुनाव करेंगे। जिला क्रिकेट संघों को लेकर चली आपत्तियों और सुनवाई के बाद मंगलवार को चुनाव अधिकारी ए. के. पांडे ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी। साथ ही लंबे समय से विवादों में चल रहे चुनाव की तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। चुनाव अधिकारी की ओर से जारी अंतिम मतदाता सूची में 38 लोगों को मतदान का अधिकार दिया गया है। इनमें सबसे बड़ी संख्या जिला क्रिकेट संघों के सचिवों की है। 34 जिला क्रिकेट संघों के सचिव की कार्यकारिणी चुनाव में मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनके अलावा जयपुर और नागौर की एडहॉक कमेटियों के कन्वीनर, दो पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर भी मतदाता सूची में शामिल किए गए हैं। वहीं सूची के मुताबिक 98 पदाधिकारी अब के 6 पदों के लिए चुनावी मैदान में हैं। इन्हीं में से राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव और सदस्य मिलेंगे।

36 जिला संघों की कार्यकारिणी भी घोषित

चुनाव अधिकारी ने केवल वोटर लिस्ट ही जारी नहीं की, बल्कि 36 जिला क्रिकेट संघों की तीन सदस्यीय कार्यकारिणी की सूची भी जारी कर दी है। इन्हीं जिला संघों के पदाधिकारी की छह सदस्यीय कार्यकारिणी के चुनाव में उम्मीदवार बन सकते हैं।ऐसे में 98 नामों में से अब छह लोगों का चयन होगा। ये छह पदाधिकारी अगले कार्यकाल में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की कमान संभालेंगे।

जयपुर-नागौर में एडहॉक कमेटी, तीन जिलों में अध्यक्ष तो राजसमंद में कोषाध्यक्ष का पद खाली

हालांकि जिला संघों की स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं है। चुनाव अधिकारी की सूची में जयपुर और नागौर में एडहॉक कमेटी होने की बात सामने आई है। वहीं, बाड़मेर, बीकानेर और हनुमानगढ़ में अध्यक्ष का पद रिक्त है। इसके अलावा राजसमंद में कोषाध्यक्ष का पद खाली है। इसके बावजूद इन जिला संघों को चुनावी प्रक्रिया से बाहर नहीं किया गया है। ऐसे में अब चुनाव की पूरी प्रक्रिया इन्हीं परिस्थितियों के बीच आगे बढ़ेगी।

3 नए जिलों को भी चुनावी प्रक्रिया में जगह

चुनाव को लेकर सबसे अहम बात यह है कि तमाम विवादों और आपत्तियों के बावजूद चुनाव अधिकारी ने डीडवाना-कुचामन, बालोतरा और खैरथल-तिजारा को भी वोटर लिस्ट में शामिल करने के साथ चुनाव लड़ने के लिए योग्य माना है। इन जिलों की पात्रता को लेकर पहले से विवाद और आपत्तियां सामने आती रही थी। ऐसे में चुनाव अधिकारी के फैसले के बाद इन जिलों को चुनावी प्रक्रिया में जगह मिलना मुकाबले के समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। अब इन जिलों के प्रतिनिधियों को भी की चुनावी प्रक्रिया में अपनी भूमिका निभाने का मौका मिलेगा।

कल से नामांकन, 29 को फैसला

फाइनल वोटर लिस्ट जारी होने के साथ ही अब चुनावी प्रक्रिया अगले चरण में प्रवेश कर गई है। 23 सितंबर से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके बाद उम्मीदवारों की तस्वीर स्पष्ट होगी और छह पदों के लिए मुकाबला सामने आएगा।29 सितंबर को 38 मतदाता मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इसी मतदान के बाद तय होगा कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव और सदस्य के पद पर कौन पहुंचेगा।

विवादों के बीच चुनाव ने पकड़ा जोर

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का चुनाव लंबे समय से विवादों और खींचतान के कारण चर्चा में रहा है। जिला संघों की पात्रता से लेकर वोटर लिस्ट और चुनाव में भागीदारी को लेकर लगातार सवाल उठते रहे। अब चुनाव अधिकारी की ओर से अंतिम वोटर लिस्ट और जिला संघों की कार्यकारिणी सूची जारी होने के बाद चुनावी प्रक्रिया को निर्णायक मोड़ मिल गया है। 38 वोटर, 98 दावेदार और के सिर्फ छह पद अब अगले सात दिन राजस्थान क्रिकेट की चुनावी राजनीति के लिहाज से बेहद अहम रहने वाले हैं। 23 सितंबर से नामांकन शुरू होने के साथ ही यह भी साफ हो जाएगा कि कौन किसके सामने ताल ठोक रहा है और किन पदों पर सीधा मुकाबला बनता है। 29 सितंबर को होने वाला मतदान राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की नई तस्वीर तय करेगा।

एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने रिपब्लिक ऑफ कोरिया पर 63-31 की शानदार जीत दर्ज करते हुए लगातार दूसरा मैच जीता

भारत ने लगातार रेडिंग और तीन ऑल आउट्स के दम पर शुरुआती बढ़त बना ली, जिससे आइची नागोया में अपने खिताब बचाव की अपराजित शुरुआत को और मज़बूत किया

आइची, जापान, 22 सितंबर। भारत ने 2026 एशियाई खेलों में अपनी अपराजित लय को जारी रखते हुए मंगलवार सुबह टोकाई सिटिज़न्स जिम्नेज़ियम में ग्रुप के दूसरे मुकाबले में रिपब्लिक ऑफ़ कोरिया को दबदबे वाले प्रदर्शन के साथ 63-31 से हराया। कप्तान सुनील कुमार की टीम, जिसके कई रेडर्स और डिफेंडर्स प्रो कबड्डी लीग के परिचित नाम हैं, ने शुरुआत में ही मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया और उसे कभी छोड़ा नहीं। भारतीय रेडिंग यूनिट पूरे मैच में बेहद सटीक रही, कोरिया के 23 आउट पॉइंट्स के मुकाबले 38 आउट पॉइंट्स हासिल किए, जबकि डिफेंस ने लगातार सफल टैकल्स के ज़रिए बार बार कोरिया की आक्रमण लय को रोक दिया।

भारत ने अंतराल तक 34-14 की बढ़त बना ली, जो केवल पहले हाफ में ही 23 आउट पॉइंट्स और सात बोनस पॉइंट्स पर आधारित थी, साथ ही दो ऑल आउट्स भी शामिल थे जिनका कोरिया के पास कोई जवाब नहीं था। कोरिया के रेडर्स भारतीय डिफेंस लाइन में जगह तलाशने के लिए संघर्ष करते रहे और ब्रेक से पहले केवल 10 टच पॉइंट्स ही हासिल कर पाए। दूसरे हाफ में भी वही पैटर्न जारी रहा। कोरिया ने थोड़ी अधिक लड़ाई दिखाई लेकिन वापसी की कोई संभावना नहीं बनी। भारत ने ब्रेक के बाद और 29 अंक जोड़े, एक और ऑल आउट किया और मैच में अपने बोनस पॉइंट्स की संख्या 17 तक पहुँचा दी। वहीं कोरिया ने 17 अंक जुटाए, लेकिन अंतर कम करने के लिए यह बिल्कुल पर्याप्त नहीं था। इस जीत के साथ भारत ग्रुप में शीर्ष पर बने रहने की दिशा में मज़बूती से आगे बढ़ रहा है। टीम ने लगातार मेज़बान जापान और कोरिया को हराया है। अब पुरुष टीम अगला मुकाबला बांग्लादेश से 23 सितंबर को खेलेगी, जहाँ वे पिछले दस संस्करणों में नौवें एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक की तलाश जारी रखेंगे।

टेबल टेनिस में कुनेड के खिलाड़ियों का जलवा

पावटा, 22 सितंबर। जिले में आयोजित 70वीं जिला स्तरीय टेबल टेनिस क्रीड़ा प्रतियोगिता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुनेड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विद्यालय की 17 वर्ष एवं 19 वर्ष वर्ग की टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार सहित ग्रामीण क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुनेड में किया जा रहा है। 20 से 23 सितंबर तक चल रही इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जिले की करीब 45 टीमों के 150 खिलाड़ी हिस्सा लिया।

अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। कड़े मुकाबलों के बीच कुनेड खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, तकनीक और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए विजेता बनने का गौरव हासिल किया। राजकीय विद्यालय कुनेड के टेबल टेनिस कोच एवं नेशनल प्लेयर ऊषा यादव ने बताया कि ठामीण क्षेत्र में खिलाड़ियों को टेबल टेनिस जैसे खेल से जोड़ना चुनौतीपूर्ण कार्य है। सीमित संसाधनों के बावजूद विद्यालय के खिलाड़ियों ने लगातार मेहनत कर जिले और राज्य स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में ठामीण क्षेत्र के 60 से अधिक विद्यार्थी राज्य स्तर तक टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुके हैं। विद्यालय में खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण देकर उनकी खेल प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया जा रहा है।

तेजस्वी सिंह गहलोत बने महासचिव

अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ ने नागोया, जापान में सफलतापूर्वक चुनाव सम्पन्न किये

नागोया, जापान, 22 सितम्बर। अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ को यह घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है कि उसके चुनाव 22 सितम्बर 2026 को नागोया, जापान में चल रहे आइची-नागोया 2026 एशियाई खेलों के दौरान सफलतापूर्वक संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया एशियाई ओलंपिक परिषद और एशियाई कबड्डी महासंघ की निगरानी में पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से आयोजित की गई, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी के प्रशासन और प्रबंधन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। चुनाव के पश्चात, आगामी कार्यकाल के लिए अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ का मार्गदर्शन करने हेतु 18 सदस्यीय कार्यकारी बोर्ड समिति का गठन किया गया है।

नवनिर्वाचित नेतृत्व इस प्रकार है: विनोद कुमार तिवारी – अध्यक्ष तेजस्वी गहलोत – महासचिव सोमप्रांचू – कोषाध्यक्ष नवनिर्वाचित कार्यकारी बोर्ड महाद्वीपों में के सदस्य महासंघों के साथ सामूहिक रूप से कार्य करेगा ताकि कबड्डी की अंतर्राष्ट्रीय संरचना को और सुदृढ़ किया जा सके, व्यापक भागीदारी को बढ़ावा दिया जा सके, खिलाड़ियों और अधिकारियों का विकास किया जा सके और खेल की वैश्विक पहुंच का विस्तार किया जा सके। नागोया में चुनावों का सफल आयोजन अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और यह सुशासन, संस्थागत स्थिरता, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और विश्व स्तर पर कबड्डी के निरंतर विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सभी सदस्य महासंघों, प्रतिनिधियों और हितधारकों का आभार व्यक्त करता है जिन्होंने चुनावी प्रक्रिया में भाग लिया और सहयोग दिया। महासंघ शासन प्रक्रिया में विश्वास बनाए रखने के लिए एशियाई ओलंपिक परिषद के पर्यवेक्षण और सहयोग के महत्व को भी स्वीकार करता है।

खिलाड़ी या मेंटॉर जहीर के हेड कोच बनने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने लगाई धोनी के भविष्य पर मुहर

नई दिल्ली, 22 सितंबर। चेन्नई सुपर किंग्स ने कन्फर्म कर दिया है कि टीम के हेड कोच के तौर पर भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान की नियुक्ति के बाद भी एमएस धोनी एक खिलाड़ी के तौर पर खेलते रहेंगे। कुछ महीने पहले आपसी सहमति से हेड कोच का पद छोड़ने वाले स्टीफन फ्लेमिंग की जगह लेने के लिए धोनी का नाम भी चर्चा में था। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया था कि धोनी आधिकारिक तौर पर टीम के मेंटॉर की भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि वह कई सालों से असल में टीम के टैक्टिकल हेड की तरह काम कर रहे थे। हालांकि सीएसके के मैनेजिंग डायरेक्टर काशी विश्वनाथन ने कहा कि दिग्गज विकेटकीपर के लिए ऐसी कोई भूमिका नहीं है। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार विश्वनाथन ने कहा कि धोनी एक खिलाड़ी के तौर पर उपलब्ध हैं। चोट की कुछ समस्याओं के कारण धोनी 2026 का पूरा सीजन नहीं खेल पाए थे। उन्होंने जान-बूझकर चेपॉक में मौजूद अपनी टीम के होम ग्राउंड एमए चिदंबरम स्टेडियम जाने से भी परहेज किया। माना जाता है कि ऐसा उन्होंने इसलिए किया, ताकि युवा टीम से लाइमलाइट (ध्यान) न छिन जाए। टीम में फैसले लेने की प्रक्रयिा में अभी भी शामिल: हालांकि विश्वनाथन ने संकेत दिया कि धोनी अभी कोचिंग की भूमिका नहीं संभालेंगे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह टीम में फैसले लेने की प्रक्रिया से दूर हो जाएंगे। टीम में उनका बहुत प्रभाव है औरजहीर की नियुक्ति उनकी मंज़ूरी के बिनानहीं हुई होती। धोनी हमेशा से जहीर के बड़े प्रशंसक रहे हैं और संभवत को उसके सुनहरे दिनों में वापस लाने के लिए उनके साथ मिलकर काम करेंगे, इसका मतलब यह है कि जहीर को यह तय करना होगा कि की प्लेइंग 11 में धोनी की क्या भूमिका होगी। 45 साल की उम्र में धोनी के रिफ्लेक्स और खेल में निरंतरता (कंसिस्टेंसी) पहले जैसी नहीं रही है और इम्पैक्ट प्लेयर नियम के बावजूद उन्हें हर मैच में खिलाना टीम के लिए कमज़ोरी बन सकता है। जहीर को धोनी के सकारात्मक प्रभाव को बनाए रखने और भावनात्मक लगाव को मैदान पर टीम की सफलता पर असर न डालने देने के बीच संतुलन बनाना होगा।

मांधना ने रचा इतिहास, इस मुकाम पर पहुंचने वाली बनी दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर

नई दिल्ली, 22 सितंबर। भारत की स्टार ओपनरस्मृति मांधानाने मंगलवार कोएशयिन गेम्स 2026के गोल्ड मेडल मैच में इतिहास रच दिया। वह महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में 11000 रन बनाने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बन गईं। मांधना ने आइची-नागोया में श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में भी अपना शानदार प्रदर्शन जा रखा और 79 रन की बेहतरीन पारी खेली। अपनी पारी के दौरान मांधना ने इतिहास रच दिया।

मांधना ने रचा अनोखा इतिहास: श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स के महिला क्रिकेट फ़ाइनल में उतरने से पहले मांधना इस अनोखे कारनामे से बस 13 रन दूर थीं। 30 साल की इस बाएं हाथ की बल्लेबाज ने श्रीलंका की महिला टीम के खिलाफ सिर्फ़ दस गेंदों में यह कारनामा कर इतिहास रच दिया। इस शानदार उपलब्धि के साथ न सिर्फ उन्होंने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया, बल्कि महिला 20 इंटरनेशनल में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी के तौर पर अपनी स्थिति और मज़बूत की। रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफ़ाइनल मैच में मांधाना 20 फ़ॉरमेट में 100 छक्के लगाने वाली पहली महिला इंटरनेशनल क्रिकेटर बनी थी। सेमीफाइनल में मांधना न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स को पीछे छोड़ते हुए महिला टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाजी बनी थीं। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला टीम के पूरे सफ़र के दौरान इस ओपनर का प्रदर्शन ज़बरदस्त रहा है।

मंधाना और शेफाली ने भारत को ज़बरदस्त शुरुआत दिलाई: भारत के पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद ओपनर मांधना और शेफाली ने पावरप्ले में आक्रामक खेल दिखाया और पहले विकेट के लिए सिर्फ 60 गेंदों में 99 रन बना दिये। हालांकि शेफाली अपनी शानदार हाफ़-सेंचुरी से बस दो रन दूर आउट हो गईं। मांधना ने 45 गेंदों में 79 रन बनाए। अपनी पारी में उन्होंने पांच चौके और सात छक्के लगाए। उनके आलवा ऋचा घोष ने 22 गेंदों में नॉटआउट 49 रन बनाए। शेफाली, मांधना और घोष की शानदार पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाकर श्रीलंका के खलिाफ पहाड़ जैसी चुनौती रख दी।

इंटरनेशनल डेब्यू करने से पहले भारतीय क्रिकेटर पर यौन उत्पीड़न का आरोप

महिला ने खिलाड़ी के घर के बाहर दिया धरना

नई दिल्ली, 22 सितंबर। टीम इंडिया के साथ जापान दौरे पर गए विपराज निगम पर यौन उत्पीड़न और शारीरिक शोषण करने का आरोप है। नगिम मंगलवार को जापान के खिलाफ ऐतिहासिक एकमात्र 20 मैच में भारत के लिए अपना डेब्यू कर सकते हैं। वहएशयिन गेम्सका भी हिस्सा है। उन पर जुलाई 2025 में नोएडा के एक होटल में शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न और शारीरिक शोषण करने का आरोप है। जागरण की रपिोर्ट के अनुसार इस मामले में हैदराबाद की रहने वाली कथित पीड़िता रविवार को घंटों तक निगम के घर के बाहर बैठी रही। उसका कहना था कि वह क्रिकेटर से मिलना चाहती है। रिपोर्ट के मुताबिक क्रिकेटर के पिता ने महिला से फोन पर बात की और भरोसा दिलाया कि वे एक सप्ताह बाद बात करेंगे। महिला ने बताया कि वह कोई विवाद नहीं खड़ा करना चाहती थी और सिर्फ निगम से बात करना चाहती थी, जिन्हें चोटिल स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की जगह पहली बार इंटरनेशनल टीम में बुलाया गया है और जो 2026 एशियन गेम्स की टीम का भी हिस्सा होंगे। एक-दूसरे के खिलाफ केस दर्ज: निगम और महिला दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ केस दर्ज कराए हैं।

इंग्लैंड के लिए 253 विकेट लेने वाले खतरनाक गेंदबाज ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। इंग्लैंड के खतरनाक तेज गेंदबाजमार्क वुड ने तुरंत प्रभाव से इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। इंग्लैंड के लिए खेलने वाले सबसे तेज गेंदबाजों में से एक 36 साल के वुड अपने पूरे करियर में चोटों से परेशान रहे हैं। डरहम के इस तेज गेंदबाज ने कोहनी की चोट और उसके बाद घुटने की सर्जरी के कारण 15 महीने तक बाहर रहने के बाद नवंबर में पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट में वापसी की थी। हालांकि उन्होंने सिर्फ़ 11 ओवर ही फेंके थे कि उनके उसी बाएं घुटने में सूजन आ गई और इसके बाद वे इलाज के लिए घर लौट आए। तब से उन्होंने इंग्लैंड के लिए कोई मैच नहीं खेला है। सोशल मीडिया पर एक बयान में वुड ने कहा कि पिछले साल को देखते हुए यह कोई हैरानी की बात नहीं है, लेकिन उनके कॉन्ट्रैक्ट के खत्म होने पर यह एक स्वाभाविक समय जैसा लगता है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने हमेशा मुश्किलों का सामना करने और चोट से उबरकर लोगों को गलत साबित करने और यह दिखाने की कोशिश की है कि वह क्या कर सकते हैं। दुर्भाग्य से इस बार वह यह लड़ाई हार गए।

टेस्ट और 50-ओवर खेलना संभव नहीं: वुड ने कहा कि मेडिकल सलाह के अनुसार टेस्ट क्रिकेट और 50-ओवर का क्रिकेट खेलना संभव नहीं है, इसलिए पिछले एक साल में इंग्लैंड के लिए खेलने का सपना धीरे-धीरे खत्म हो गया है। इंग्लैंड के लिए खेलना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान और एक सपना सच होने जैसा रहा है।

श्रीलंका ने इंग्लैंड को 265 रन पर ऑलआउट किया

ब्रुक की फिफ्टी के बाद बिखरी इंग्लिश पारी, कोलंबगे ने डेब्यू में 3 विकेट लिये

नई दिल्ली, 22 सितंबर। श्रीलंका ने पहले वनडे में इंग्लैंड को 48.1 ओवर में 265 रन पर ऑलआउट कर दिया। चेस्टर ली स्ट्रीट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हैरी ब्रुक ने 69 गेंद पर 67 रन बनाए। जो रूट ने 52 गेंद पर 44 रन बनाए। दोनों के बीच 68 रन की साझेदारी से इंग्लैंड मजबूत स्थिति में था, लेकिन श्रीलंका के स्पिनरों ने इसके बाद मैच का रुख बदल दिया।

डेब्यू कर रहे लेग स्पिनर सचिंदु कोलंबगे ने 10 ओवर में 44 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने रूट, जोस बटलर और जेमी ओवरटन को आउट किया। इंग्लैंड एक समय 31.1 ओवर में 182/3 था और 320 के आसपास का स्कोर आसानी से बनता दिख रहा था। ब्रुक 67 रन बनाकर आउट हुए और इसके बाद विकेट लगातार गिरने लगे।

जोस बटलर 31, रेहान अहमद 2 और जेमी ओवरटन 8 रन बनाकर लौटे। 38.5 ओवर में ओवरटन के आउट होने के साथ इंग्लैंड का स्कोर 211/7 हो गया। यानी 29 रन के अंदर टीम ने चार विकेट गंवा दिए। श्रीलंका के लिए सबसे बड़ी खोज सचिंदु कोलंबगे रहे। 23 साल के इस लेग स्पिनर ने अपने पहले ही वनडे में जो रूट जैसा बड़ा विकेट हासिल किया। 22.3 ओवर में उन्होंने रूट को बोल्ड किया। रूट 44 रन बना चुके थे और ब्रुक के साथ इंग्लैंड की पारी संभाल रहे थे। इसके बाद कोलंबगे ने बटलर को और ओवरटन को बोल्ड कर अपना आंकड़ा 3 विकेट तक पहुंचाया। उनकी 10 ओवर की गेंदबाजी में 44 रन आए। इंग्लैंड ने शुरुआती 10 ओवर में 64 रन बनाए थे। बेन डकेट और रूट ने शुरुआत में तेज गेंदबाजों को संभलकर खेला, लेकिन स्पिन आने के बाद रन बनाना मुश्किल हो गया।

फ्लडलाइट्स में खेला गया आर्मी सीडीआरएस कप (6 गोल्स) का मैच

टीम जयपुर ने थंडरबोल्ट को एकतरफा मुकाबले में हराया

जयपुर, 22 सितंबर। वार्षिक सितम्बर जयपुर पोलो सीज़न 2026 के अंतर्गत मंगलवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर फ्लडलाइट्स में आर्मी सीडीआरएस कप (6 गोल्स) के लिए मुकाबला हुआ। नाइट पोलो के रोमांच के बीच टीम जयपुर और टीम टीम थंडरबोल्ट आमने-सामने हुईं। इस एकतरफा मुकाबले में टीम जयपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11-2.5 के स्कोर से टीम थंडरबोल्ट को मात दी। विजेता टीम जयपुर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह और मार्टिन कार्लोस डोनोवन ने 4-4 गोल दागे। वहीं, विश्वराज सिंह ने 2 गोल और अक्षय मलिक ने 1 गोल किया। दूसरी ओर, टीम थंडरबोल्ट से लेफ्टिनेंट कर्नल विशाल चौहान ने 1 गोल किया। टीम से मेजर एआरएस वारिच, मेजर अनंत राजपुरोहित और लेफ्टिनेंट कर्नल यतिंदर कुमार भी खेले। यहीं टीम थंडरबोल्ट को 1.5 गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ।

भारतीय बेटियों का गोल्डन परफॉर्मेंस, श्रीलंका को रौंद हासिल किया सोने का तमगा

नई दिल्ली, 22 सितंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने एशियन गेम्स गोल्ड मेडल का शानदार तरह से बचाव किया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने आइची-नागोया एशियन गेम्स-2026 मंगलवार को श्रीलंका को 147 रनों से हराते हुए अपने गोल्ड मेडल को बचाव किया और इसे अपने पास ही रखा है। ये इन खेलों में भारत का पहला गोल्ड है। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति मंधाना के शानदार 79 रनों के दम पर 20 ओवरों में तीन विकेट खोकर 216 रन बनाए। श्रीलंकाई टीम इस स्कोर के सामने 15.4 ओवरों में 69 ढेर हो गई।भारत ने जो स्कोर बनाया वो एशियाई खेलों के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है जिसके सामने श्रीलंका नतमस्कत हो गई। भारतीय बल्लेबाजों ने दिखाया दम: मंधाना की 45 गेंदों की पारी में सात छक्के और पांच चौके शामिल रहे। उन्होंने शेफाली वर्मा के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 99 रन जोड़े और 17वें ओवर में आउट हुईं। अंत में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने 22 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाकर पारी को शानदार ढंग से खत्म किया। शेफाली महज दो रनों से अर्धशतक से चूक गईं। उन्होंने 29 गेंदों पर तीन चौके और इतने ही छक्कों की मदद से 48 रन बनाए।

खलिन ने करियर का सर्वश्रेष्ठ 61 का स्कोर बनाकर बेंगलुरु ओपन 2026 पावर्ड बाय इंडियन ऑयल में बनाई बढ़त

बेंगलुरु, 22 सितंबर। खलिन जोशी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ और बोगी-मुक्त 11-अंडर 61 का स्कोर बनाकर कर्नाटक गोल्फ एसोसिएशन (केजीए) में खेले जा रहे एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाले बेंगलुरु ओपन 2026 पावर्ड बाय इंडियनऑयल के शुरुआती राउंड के बाद चार शॉट की बढ़त हासिल की।

अपने घरेलू कोर्स पर खेल रहे बेंगलुरु के 34 वर्षीय जोशी ने टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण में शानदार शुरुआत करते हुए पार-5 11वें होल पर एक ईगल और नौ बर्डी लगाई। जोशी पिछले सप्ताह नवा रायपुर ओपन के रूप में सत्र का अपना तीसरा डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई खिताब जीतकर बेंगलुरु पहुंचे हैं। उन्होंने सप्ताह की शुरुआत रेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में सातवें स्थान से की।

स्थानीय युवा खिलाड़ी मनोज एस ने भी बोगी-मुक्त प्रदर्शन करते हुए सात बर्डी की मदद से सात अंडर 65 का स्कोर बनाया। अठारह वर्षीय मनोज, जो सत्र की रैंकिंग में 31वें स्थान पर हैं, जोशी से चार शॉट पीछे दूसरे स्थान पर हैं। दिल्ली के 23 वर्षीय शौर्य भट्टाचार्य ने आठ बर्डी और दो बोगी की मदद से छह-अंडर 66 का स्कोर बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत सत्र की रैंकिंग में 17वें स्थान से की।

बेंगलुरु के मारी मुथु आर., श्रीलंका के एन. थंगराजा, ग्रेटर नोएडा के मौजूदा रेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप शीर्ष खिलाड़ी सप्तक तलवार और दिल्ली के पूर्व एशियन टूर विजेता हिम्मत सिंह राय पांच-अंडर 67 के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। इकतालीस वर्षीय मारी मुथु ने छह बर्डी और एक बोगी बनाई, जबकि 45 वर्षीय थंगराजा ने पांच बर्डी के साथ बोगी-मुक्त राउंड खेला।

प्रत्याशी सर्वे से लेकर टिकट वितरण तक मुख्यमंत्री रहे सुपर एक्टिव

भाजपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जोधपुर संभाग में रहा, जहाँ उसने 87 प्रतिशत निकायों में विजय प्राप्त की

जयपुर, 22 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में हुए निकाय चुनाव में इस बात को साबित कर दिया है कि यदि किसी भी चुनाव को जमीनी मुद्दों और मजबूत संगठनात्मक रणनीति के साथ लड़ा जाए तो सफलता मिलना तय है। मुख्यमंत्री जहां प्रत्याशी सर्वे से लेकर टिकट वितरण तक सुपर एक्टिव रहे। वहीं, राजस्थान में पहली बार निकाय चुनाव प्रचार में रोड शो जैसा मॉडल स्थापित किया। इसी मॉडल के परिणाम स्वरुप, भाजपा ने वन स्टेट-वन इलेक्शन के तहत, 309 निकायों में एक साथ हुए चुनाव में अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए अब तक घोषित 303 निकायों में से 200 में अपना प्रमुख बना लिया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

संभागवार निकाय चुनाव परिणाम पर नजर डाली जाए तो भाजपा का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन जोधपुर में रहा, जो कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तीन बार के मुख्यमंत्री रह चुके अशोक गहलोत का गढ़ कहा जाता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विज़न के साथ काम करते हुए भाजपा ने यहां 87 प्रतिशत निकायों में अपना बोर्ड बनाया है। जोधपुर संभाग के कुल 41 निकायों में से भाजपी ने 35 में बोर्ड बनाया, जबकि कांग्रेस 5 बोर्ड तक सिमट कर रह गई।

भरतपुर संभाग की बात करें तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इसी क्षेत्र से आते हैं और संगठन में मजबूत पकड़ होने के कारण वे यहां की राजनीति को ग्राउंड जीरो से जानते हैं। इसी का परिणाम है कि भाजपा ने यहां 75 प्रतिशत निकायों में अपना बोर्ड बना लिया है।

अजमेर संभाग में भी भाजपा ने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए कुल 69 प्रतिशत निकायों में बोर्ड बनाया है।

बीकानेर संभाग में भी भाजपा ने 66 प्रतिशत से अधिक निकायों पर कब्जा जमाया है। यहां कुल 37 निकायों में से भाजपा ने 24 में अपना बोर्ड बनाया, वहीं कांग्रेस ने 10 सीटें हासिल कीं।

कोटा और जयपुर संभाग में भी भाजपा ने आधे से अधिक निकायों में अपने प्रमुख बना लिए हैं। कोटा संभाग के कुल 28 निकायों में से भाजपा ने 15 और कांग्रेस ने 10 में अपना प्रमुख बनाया।

आमतौर पर स्थानीय निकाय चुनावों में सत्ताधारी दलों को एंटी-इन्कम्बेंसी और असंतोष का सामना करना पड़ता है, लेकिन मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों, शहरी विकास की प्राथमिकताओं और सुशासन को चुनाव का मुख्य एजेंडा बनाया। उन्होंने स्वयं अग्रिम मोर्चे पर रहकर चुनाव अभियान की कमान संभाली, प्रमुख शहरों में तूफानी प्रचार किया और संगठन व सरकार के बीच बेहतर तालमेल बिठाकर कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया।

■ **आमतौर पर स्थानीय निकाय-चुनावों में सत्ताधारी दलों को एंटी-इन्कम्बैंसी और असंतोष का सामना करना पड़ता है, लेकिन मुख्यमंत्री ने स्वयं अग्रिम मोर्चे पर रहकर चुनाव अभियान की कमान संभाली, प्रमुख शहरों में तूफानी प्रचार किया और संगठन व सरकार के बीच बेहतर तालमेल बैठाकर कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया।**

बिहार, नाबालिग से बदसलूकी का आरोपी गिरफ्तार

पटना, 22 सितम्बर। बिहार के जमुई में नाबालिग से बदसलूकी के मामले में मुख्य आरोपी नंदन यादव को गिरफ्तार करने के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी, जबकि दूसरे आरोपी हरेराम यादव का पैर भागने के दौरान टूट गया। दोनों को जमुई सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

■ **पुलिस की दबिश से भागते हुए आपसी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी।**

अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) (कानून-व्यवस्था) केएस अनुपम ने मंगलवार को बताया कि पुलिस टीम कुंदर बराज के समीप आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही थी। इसी दौरान पुलिस और आरोपियों का आमना-सामना हो गया। आरोपियों ने पुलिस टीम पर हमला किया और भागने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें मुख्य आरोपी नंदन यादव के पैर में गोली लगी। वहीं, भागने के दौरान हरेराम यादव का पैर टूट गया। दोनों का इलाज जमुई सदर अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने बताया कि नंदन यादव और हरेराम यादव दोनों बालिग हैं। दोनों प्रतापपुर गांव के रहने वाले हैं और पेशे से ट्रैक्टर चालक हैं।

एसआईआर में तार्किक विसंगतियों का आधार भी बताएं- सुप्रीम कोर्ट

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसा लगता है तार्किक विसंगतियों के नोटिस किसी मशीन ने जारी किये हैं

नई दिल्ली, 22 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में सुनवाई करते हुए तार्किक विसंगतियों सम्बन्धी नोटिस जारी करने के तरीके पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि ये किसी मशीन से जारी किए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच ने मामले पर सुनवाई के दौरान आज यह टिप्पणी की। कोर्ट सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज की याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि तार्किक विसंगतियों के साथ जिन लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं, उनकी विस्तृत जानकारी दी जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि वे 2019 में चंडीगढ़ से दिल्ली आ गए। अब वे अगर दिल्ली में वोट डालेंगे और तार्किक विसंगति का नोटिस दिया जाएगा तो उसमें यह बताना जरूरी है कि इसका आधार क्या है? उन्होंने कहा कि बूथ लेवल अधिकारी को भी इस मामले में संवेदनशील और प्रशिक्षित होना चाहिए।

■ **वकील प्रशांत भूषण ने अदालत से कहा कि वोटर को यह भी नहीं बताया जा रहा कि उसका नाम तार्किक विसंगति में कैसे आया।**

इससे पहले 17 सितंबर को इसी मामले की मेंशनिंग के दौरान, वकील प्रशांत भूषण ने सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच से कहा था कि दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान पहले ही 47 लाख मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची के बाहर कर दिए गए थे। अब निर्वाचन आयोग ने तार्किक विसंगति के तहत 33 लाख लोगों को नोटिस जारी किया है। प्रशांत भूषण ने कहा कि ये पूरी प्रक्रिया ही अस्पष्ट है।

मेंशनिंग के दौरान प्रशांत भूषण ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने किस आधार पर वोटर लिस्ट से नाम काटे हैं। इसका खुलासा नहीं किया है, जबकि इसका खुलासा निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर करने का नियम है। कुछ लोगों को नोटिस मिले हैं और कुछ लोगों को नोटिस नहीं मिले हैं। नोटिस में ये भी नहीं बताया जा रहा है कि उन्हें क्यों बुलाया जा रहा है। भूषण ने कहा कि वोटर को ये भी नहीं बताया जा रहा है कि उनका नाम तार्किक विसंगति में कैसे आया है। ये प्रक्रिया पूरे तरीके से अस्पष्ट है।

एडवोकेट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमार अग्रवाल को कथित रूप से गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। साथ ही, कोचिंग संस्थानों के खिलाफ दायर केस को वापस लेने की चेतावनी भी दी। इस बारे में तत्काल ही डीजीपी, मुख्य सचिव ओर एसीएस होम को लिखित में सूचना दी गई थी। इसके अलावा डागुर के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई, लेकिन मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के अधिवक्ता को बुलाया और चेतावनी दी कि यदि जल्द सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो 24 सितंबर को डीजीपी व सीएस को पेश होना होगा। सरकारी अधिवक्ता ने कुछ देर बाद ही अदालत को बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है और बयान दर्ज कर लिए हैं। अदालत ने इस पर डीजीपी को जल्द व सख्त कार्रवाई के लिए कहा। मामले की आगामी सुनवाई 23 नवंबर को होगी।

जल्दी ही ज़मींदोज़ हो जाएंगे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कृषि, सामाजिक न्याय और कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालयों सहित, कई अन्य कार्यालय शामिल हैं।

16 सितंबर को जारी सीपीडब्ल्यूडी के एक पत्र में कहा गया है कि प्लॉट नंबर 120, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली पर दो नए भवनों के निर्माण का टेंडर दिया जा चुका है। चूंकि प्रस्तावित भवन मौजूदा शास्त्री भवन और कृषि भवन की जगह पर बनाए जाने हैं, इसलिए सीपीडब्ल्युडी ने संबंधित अधिकारियों से 30 सितंबर तक परिसर खाली कर उसे सौंपने की प्रक्रिया पूरी करने को कहा है।

यह समय-सीमा सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास के इस बड़े हिस्से के लिए योजना और टेंडर प्रक्रिया से वास्तविक निर्माण कार्य की ओर बढ़ने का संकेत है। टेंडर दस्तावेजों के अनुसार, कर्तव्य भवन 4 और 5 परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 3,155 करोड़ रुपये है, जिसमें पांच साल का संचालन और रखरखाव भी शामिल है। निर्माण की अवधि 24 महीने निर्धारित की गई है।

सेंट्रल विस्टा मास्टर प्लान में मौजूदा कई सरकारी कार्यालय भवनों को नए और एकीकृत सचिवालय परिसरों में बदलने की योजना है। शास्त्री भवन और कृषि भवन भी उन मौजूदा कार्यालय परिसरों में शामिल हैं, जिन्हें पुनर्विकास के लिए चिन्हित किया गया है। नए कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट भवनों का उद्देश्य सरकारी कार्यालयों को एक जगह एकत्रित करना और उनके बीच समन्वय में सुधार करना है।

दोनों परिसरों को खाली करने की प्रक्रिया में इन भवनों से संचालित मंत्रालयों और विभागों को पहले अन्य स्थानों पर स्थानांतरित करना होगा, जिसके बाद निर्माण एजेंसी को स्थल का कब्जा दिया जा सकेगा।

सीपीडब्ल्यूडी के पत्र में इस प्रक्रिया का क्रम भी स्पष्ट किया गया है- परिसर खाली करना, जमीन सौंपना और निर्माण कार्य शुरू करने में सहयोग करना। यह पुनर्विकास केन्द्रीय सचिवालय को नए सिरे से व्यवस्थित करने की सरकार की व्यापक योजना का हिस्सा है। सेंट्रल विस्टा मास्टर प्लान में मौजूदा कार्यालय भवनों को आधुनिक सचिवालय परिसरों से बदलने की परिकल्पना की गई है, जिनमें बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी समायोजित करने की क्षमता होगी।

इस कदम का तत्काल प्रभाव सरकारी कार्यालयों में दिखाई देगा, क्योंकि दोनों परिसरों में स्थित विभाग अपने स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी करेंगे। दीर्घकालिक बदलाव राजधानी के सबसे प्रमुख प्रशासनिक गलियारों में से एक में दिखाई देगा।

दिल्ली में नाबालिग से गैंगरेप के मामले में पुलिस ने एक आरोपी पकड़ा

गिरफ्तारी से पहले पुलिस व आरोपी के बीच संक्षिप्त फायरिंग भी हुई

नई दिल्ली, 22 सितंबर। राजधानी दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास 17 वर्षीय नाबालिग से कथित गैंगरेप के मामले में दिल्ली पुलिस ने एक आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को आरोपी को पकड़ने के दौरान पुलिस के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ हुई है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, मंगलवार सुबह सामूहिक दुष्कर्म के एक आरोपी की जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए जाल बिछाया। इसके बाद पुलिस और आरोपी के बीच संक्षिप्त फायरिंग हुई, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं अन्य दो आरोपियों की तलाश के लिए छापेमारी की जा रही है।

■ **सोमवार को नाबालिग लड़की अपने दोस्त के साथ कालकाजी मंदिर के पास पार्क में गई थी। वहां तीन आरोपियों ने अपने आप को पुलिसकर्मी बताकर लड़की को धमकाया व दुष्कर्म किया।**

पुलिस ने बताया कि शिकायत के मुताबिक, लड़की सोमवार शाम करीब सात बजे अपने दोस्त के साथ कालकाजी मंदिर गई थी। अधिकारियों ने बताया कि पूजा-अर्चना करने के बाद दोनों शाम करीब 7.30 बजे एक पार्क में चले गए, जहां 25 से 30 वर्ष की आयु के तीन आरोपी कथित तौर पर उनके पास आए और उन्होंने खुद को पुलिसकर्मी बताया।

आरोपियों ने कथित तौर पर दोनों को धमकी दी और उनमें से एक ने लड़की के दोस्त को पकड़ लिया, जिसके बाद तीनों व्यक्तियों ने लड़की के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि कालकाजी मंदिर और इस्कॉन मंदिर के पास कथित दुष्कर्म के संबंध में रात करीब 8.45 बजे सूचना मिली, जिसके बाद एक पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दिल्ली निवासी लड़की को चिकित्सीय जांच के लिए ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि उसके बयान के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अमेरिका का एफ-35 लड़ाकू विमान जोधपुर युद्धाभ्यास में शामिल होगा

नई दिल्ली, 22 सितंबर। भारतीय वायु सेना की मेजबानी में बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास "तरंग शक्ति" में इस बार भी दुनिया के फाइटर जेट आसमान में उड़ान भरेंगे, जिसमें अमेरिका का पांचवीं पीढ़ी का एफ-35 लड़ाकू विमान शामिल होगा। वैसे तो भारत की वायु सेना एफ-35 के साथ विदेशों में कई बार एयर कॉम्बैट एक्सरसाइज में हिस्सा ले चुकी है, लेकिन यह पहला मौका है, जब अमेरिका का यह शक्तिशाली विमान हवाई युद्धाभ्यास में शामिल होने भारत आ रहा है। इस अभ्यास में 40 से ज्यादा देश हिस्सा लेंगे, जिसमें भारतीय वायु सेना अपने सभी प्रमुख एयरक्राफ्ट तैनात करेगी, जिनमें फ्रंटलाइन राफेल और सुखोई-30 फाइटर जेट शामिल हैं।

राजस्थान के जोधपुर में 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक होने वाली मल्टीनेशनल एक्सरसाइज तरंग शक्ति के दूसरे संस्करण में 07 देश अपने विमानों के साथ हिस्सा लेंगे।

राज्यसभा की 11 सीटों पर चुनाव 16 अक्टूबर को होगा

नई दिल्ली, 22 सितंबर। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश की 10 और उत्तराखंड की एक राज्यसभा सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव तथा पश्चिम बंगाल की एक सीट के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम मंगलवार को घोषित किया। सभी 12 सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना होगी।

आयोग के अनुसार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की 11 राज्यसभा सीटों के मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इनमें उत्तर प्रदेश की 10 सीटें और उत्तराखंड की एक सीट शामिल है।

■ **उत्तर प्रदेश की दस तथा उत्तराखंड की एक सीट के साथ प.बंगाल की एक सीट पर उपचुनाव भी होगा**

उत्तर प्रदेश से जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के अलावा, अरुण सिंह, बृजलाल, बीएल वर्मा, नीरज शेखर, गीता उर्फ चंद्रप्रभा, रामजी, सीमा और दिनेश शर्मा शामिल हैं। उत्तराखंड से नरेश बंसल का कार्यकाल भी 25 नवंबर को समाप्त होगा। वहीं, पश्चिम बंगाल की एक राज्यसभा सीट पर रुक्मिणी मलिक के इस्तीफा देने से हुई आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए उपचुनाव कराया जा रहा है। चुनाव आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक, चुनाव की अधिसूचना 29 सितंबर को जारी होगी और नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 06 अक्टूबर होगी। नामांकन पत्रों की जांच 07 अक्टूबर को होगी तथा उम्मीदवार 09 अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकेंगे।

सीबीआई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गिरवी रखी गई संपत्तियों को छुड़ाने में सहायता मिली। इस आपराधिक कृत्य से बैंक को कुल 12.14 लाख रुपए का नुकसान हुआ। सीबीआई ने मामले की विस्तृत जांच करते हुए 5 मई, 2022 को तीनों अभियुक्तों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र पेश किया था।

उत्तर प्रदेश के मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया, लेकिन आगे नहीं बढ़ सका। इसके बाद आई समाजवादी पार्टी सरकार ने भी इसे आगे नहीं बढ़ाया।

विभाजन के विचार के क्रियान्वयन के रास्ते में गंभीर कानूनी, प्रक्रियात्मक और प्रशासनिक बाधाएं हैं। संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत, नए राज्यों का गठन केवल संसद कर सकती है। इसके लिए राष्ट्रपति की सिफारिश पर विधेयक लाना होगा, राज्य विधानसभा को उसकी राय के लिए भेजना होगा, हालांकि उसकी राय बाध्यकारी नहीं होती। इसके बाद दोनों सदनों में साधारण बहुमत से विधेयक पारित होगा और राष्ट्रपति की मंजूरी जरूरी होगी। विधायी प्रक्रिया के अलावा, व्यावहारिक स्तर पर भी कई जटिलताएं हैं, जिनमें संपत्तियों और देनदारियों का बंटवारा, जल और बिजली के अधिकार, सिविल सेवा कैडर, उच्च न्यायालय और संस्थागत ढांचे का विभाजन शामिल हैं। पिछले पुनर्गठनों, जैसे 2000 में उत्तराखंड के गठन में भी कर्मचारियों और संसाधनों के बंटवारे को लेकर लंबे समय तक विवाद चले थे।

उत्तर प्रदेश के विभाजन की किसी भी गंभीर पहल की वजह से निश्चित रुप से अन्य राज्यों में भी इसी तरह की मांगों को प्रोत्साहन मिलेगा, जैसे महाराष्ट्र में विदर्भ, प.बंगाल में गोरखालैंड या अन्य बड़े राज्यों में नए विभाजन की मांगें। इससे संघीय राजनीति और जटिल हो सकती है तथा क्षेत्रीय आंदोलनों की एक श्रृंखला शुरू होने का जोखिम पैदा हो सकता है। फिलहाल राजभर का ये बयान एक बार फिर चुनावी दबाव बनाने का साधन तो हो सकता है, लेकिन इसका तत्काल प्रशासनिक वास्तविकता के रूप में आना तो बहुत दूर की कौड़ी है।

क्या यूएन जैसे महत्वपूर्ण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिलिस्तीनियों की मौत हुई है।

वहीं, नेतन्याहू ने इन आलोचनाओं का जवाब देते हुए इज़रायलियों की उस निर्मम हत्या की ओर इशारा किया है, जिन्हें उनके घरों में बिना किसी चेतावनी के मार दिया गया था। हमास ने बिना किसी उकसावे या कारण के एक इज़रायली बस्ती पर हमला किया था और लोगों की हत्या करने के साथ ही कुछ लोगों को बंधक बनाकर गाज़ा में हमास के कब्जे वाले इलाकों में ले गए थे। इसके जवाब में इज़रायल ने जवाबी कार्रवाई की थी।

ममदानी ने नेतन्याहू की गिरफ्तारी का आ ान तभी किया था, जब उनकी यूएनजीए यात्रा की घोषणा हुई थी। हालांकि, बाद में ममदानी ने स्वीकार किया कि न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के सत्र में शामिल होने आए किसी विदेशी प्रधानमंत्री को गिरफ्तार करने का उनके पास कोई अधिकार नहीं है।

■ **मैसेज देने के इस बढ़ते चलन से सबसे बड़ा नुकसान भारत जैसे उभरते देशों को हो रहा है, जो यूएन को गंभीरता से लेते हैं और वहाँ अपनी पोज़ीशन मजबूत करने की कोशिश करते रहते हैं।**

यूएनजीए में एक और महत्वपूर्ण मुद्दा एआई (आर्टिफिशल इंटेलिजेंस) के भविष्य और इस क्षेत्र में होने वाले विकास के लिए ग्लोबल रैगुलेशन का होगा, ताकि यह नई तकनीक किसी वैश्विक तबाही का कारण न बने।

यूएनजीए में एक प्रमुख अनुपस्थिति चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की होगी। शी यूएनजीए में शामिल नहीं होंगे और सीधे वॉशिंगटन जाएंगे, जहां उनके समकक्ष डॉनल्ड ट्रंप की ओर से उनके लिए भव्य और आंडबरपूर्ण स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। शी का यूएनजीए में शामिल नहीं होना इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे पहले वे नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जी20 नेताओं के लिए आयोजित डिनर में शामिल नहीं हुए थे।

कुछ अफवाहें चल रही थीं कि शी दिल्ली में गंभीर रूप से बीमार पड़ गए थे और उन्हें एक विशेष विमान से वापस बीजिंग ले जाया गया था। वॉशिंगटन में डॉनल्ड ट्रंप के स्वागत समारोह में उनकी मौजूदगी पर इस बात के किसी भी संकेत के लिए बारीकी से नज़र रखी जाएगी, चीनी नेता की तबीयत ठीक नहीं है।

पाकिस्तान के दोस्त टर्की ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के अनुसार, अगस्त में तुर्किये ने भारत से प्रतिदिन 1,20,000 बैरल से अधिक डीज़ल आयात किया, जबकि अमेरिका से आयात करीब 90,000 बैरल प्रतिदिन रहा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ये दोनों ही आंकड़े 2017 से कैप्लर के डेटा में दर्ज सबसे ऊँचे मासिक स्तर थे। इसी दौरान, अगस्त में तुर्किये का रूस से डीज़ल आयात घटकर करीब 80,000 बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि इस साल के पहले के महीनों में यह 2,00,000 बैरल प्रतिदिन से अधिक था।

डैलस स्थित एनर्जी इकॉनमिस्ट अनस अलहज्जी ने एक्स पर इस बदलाव को उजागर करते हुए लिखा, "हैरानी की बात है।" उन्होंने कहा, "अगस्त में भारत से तुर्किये को पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया, सालाना आधार पर करीब पांच गुना बढ़ोतरी। इसका अधिकांश हिस्सा रिलायंस ने भेजा।"

रूस लंबे समय से तुर्किये के डीज़ल आपूर्ति पर हावी रहा है। तुर्किये की "एनर्जी मार्केट रैगुलेटरी अथॉरिटी (ईएमआरए) के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में तुर्किये के डीज़ल आयात में रूस की हिस्सेदारी करीब 85 प्रतिशत थी और उसने लगभग 2,81,000 बैरल प्रतिदिन की आपूर्ति की थी।

एर्दोगन के नेतृत्व वाले तुर्किये के लिए यह निर्भरता अचानक कमज़ोरी बन गई है। यूक्रेन के ड्रोन हमलों से रूस की रिफाइनरियों और घरेलू ईंधन उपलब्धता में व्यवधान पैदा होने के बाद रूस ने डीज़ल निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिए। रॉयटर्स के अनुसार, तुर्किये का रूस से डीज़ल आयात जुलाई में घटकर करीब 1,00,000 बैरल प्रतिदिन और अगस्त में करीब 80,000 बैरल प्रतिदिन रह गया। इसके कारण अगस्त में तुर्किये के डीज़ल आयात में रूस की हिस्सेदारी घटकर करीब 20 प्रतिशत रह गई।

सप्लाई के वैकल्पिक स्रोतों पर भी दबाव है।

मध्य पूर्व की रिफाइनरियों को युद्ध से संबंधित व्यवधानों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि होर्मुज़ जलडमरूमध्य से होने वाली शिपिंग ईरान के व्यापक संघर्ष से प्रभावित हुई है। ग्लोबल डीज़ल मार्केट में आपूर्ति की स्थिति बहुत तंग है क्योंकि, रूस और मध्य पूर्व में रूकावटों के कारण रिफाइंड ईंधन की उपलब्धता कम हो गई है।

इस स्थिति ने तुर्किये की रिफाइनरियों और कारोबारियों को ईंधन के लिए दूर-दराज के विकल्प तलाशने पर मजबूर कर दिया है। और इसका एक समाधान भारत बना।

रॉयटर्स द्वारा बताए गए कैप्लर के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में भारत से तुर्किये को डीज़ल की आपूर्ति 1,20,000 बैरल प्रतिदिन से अधिक रही। 2017 से उपलब्ध उसके रिकॉर्ड में यह किसी एक महीने का सबसे ऊंचा स्तर है। ब्रिटेन स्थित डेटा विश्लेषण और बाजार संबंधी जानकारी देने वाली कंपनी "एनर्जी आस्पेक्ट्स" का अनुमान इससे कम, करीब 74,000 बैरल प्रतिदिन है। लेकिन यह भी 2022 के बाद से तुर्किये को भारत की सबसे बड़ी शिपमैंट होगी। लंबे समय के व्यापार आंकड़े बताते हैं कि अगस्त की यह बढ़ोतरी इतनी महत्वपूर्ण क्यों है।

भारत ने 2025 में तुर्किये को 5,62,421 टन डीज़ल का निर्यात किया था और रूस तथा मिस्र के बाद वह तुर्किये का तीसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता था। 2023 में तुर्किये को भारत का डीज़ल निर्यात 3,97,761 टन था, जबकि 2022 में यह 3,30,990 टन रहा था।

राष्ट्रपति ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिनेमाई यात्रा के लिए प्रदान किया गया, जिसने कलाकारों की पीढ़ि यों को प्रेरित किया है। अभिनेता अनंत नाग ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार को उन कलाकारों और तकनीशियन को समर्पित किया, जिनके साथ उन्होंने काम किया। इस अवसर पर उन्होंने अभिनय के अपने शुरुआती सफर से जुड़े अनुभव साझा किए। उनके काम में बेहद लोकप्रिय टेलीविजन धारावाहिक "मालगुडी डेज" भी शामिल है। उन्होंने पांच फिल्मफेयर पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए पांच कर्नाटक राज्य पुरस्कार जीते हैं। भारत सरकार ने उन्हें साल 2025 में पद्म भूषण से सम्मानित किया था।

मुख्यमंत्री आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोजित पदयात्रा में शामिल होंगे। इसके बाद बाबा रामदेव मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना करेंगे।ष्शाम 4:20 बजे रामदेवरा हेलीपैड पर युवाओं से संवाद करने के बाद, मुख्यमंत्री शाम को जयपुर लौटेंगे।

'वंदे मातरम् के सभी अंतरे नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(प्रिवेन्शन ऑफ इन्सल्ट्स टु नैशनल ऑनर एक्ट) के तहत राष्ट्रगान के बराबर दर्जा दिया गया है।

कृष्णा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एस. मुरलीधर ने कहा कि छह में से चार अंतरों में स्पष्ट रूप से हिंदू देवी-देवताओं के प्रति भक्ति का उल्लेख है और इन्हें गाने के लिए मजबूर करना संविधान के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यह संशोधन मनमाना है, व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन करता है और "बहुसंख्यक धार्मिक संदेश" को बढ़ावा देता है। मुरलीधर ने कहा, उन्होंने "राष्ट्रीय गीत" (नैशनल सॉन्ग) शब्द तो शामिल किया है, लेकिन अधिनियम में राष्ट्रीय गीत की कोई परिभाषा नहीं है। सरकारी विज्ञप्ति (ऑफिस मेमोरेन्डम) को भी गजट में प्रकाशित नहीं किया गया है। इसमें किसी प्रावधान का उल्लेख नहीं है।"

उन्होंने जोर देकर कहा कि कानूनी कार्रवाही अस्पष्टता पर आधारित नहीं हो सकती और सरकार ने आम राय बनाए बिना "बहुत ज्यादा जल्दबाजी" में यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा, "आप इसे थोप नहीं सकते और इसके लिए दंडात्मक कार्रवाई नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी कहा कि मूल अधिनियम में राष्ट्रीय गीत का कोई उल्लेख नहीं था और अब सरकार इस बात पर जोर दे रही है कि यह केवल आम तौर पर गाए जाने वाले दो अंतरों तक सीमित नहीं है।

■ **कृष्णा की ओर से प्रस्तुत अधिवक्ता एस. मुरलीधर ने कहा कि 6 में से चार अंतरों में हिंदू देवी-देवताओं के प्रति भक्ति का उल्लेख है, इन्हें गाने के लिए मजबूर करना संविधान के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप का उल्लंघन है और व्यक्तिगत स्वतंत्रता में हस्तक्षेप है।**

कांग्रेस ने फैसला किया है कि वह वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाएगी, पूरा गीत नहीं।

न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि "राष्ट्रीय गीत हमेशा से वंदे मातरम् ही माना जाता रहा है" और अदालतें राष्ट्रीय आकांक्षाओं पर सवाल नहीं उठा सकतीं। न्यायाधीश ने कहा, "यह राज्य का विषय है। व्यक्ति यह तय कर सकता है कि वह एक अंतरा गाए या चार अंतरे। इसके लिए दंडात्मक कार्रवाई नहीं हो सकती।"

धर्मनिरपेक्षता पर बहस के दौरान न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रगान में "ईश्वर" शब्द का इस्तेमाल होता है और पूछा कि क्या धार्मिक भाव संविधान के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप को प्रभावित करेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इतिहास पढ़ने वाला कोई भी व्यक्ति जानता होगा कि राष्ट्रीय गीत क्या है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि "संवैधानिकता इतनी संकीर्ण नहीं हो सकती" और उन्होंने विधायी प्रक्रिया का बचाव किया।

सुनवाई के दौरान उस समय तीखा मोड़ आया, जब मेहता ने कहा कि "कानून बनाना नक्सलियों के हिसाब नहीं होना चाहिए।"

मुरलीधर ने इसका कड़ा विरोध करते हुए कहा कि यह टिप्पणी अनावश्यक थी, इसका सीधा प्रसारण हो रहा था और कानून अधिकारियों से मर्यादा की अपेक्षा की जाती है।

मुरलीधर ने कहा, "उन्हें इसे वापस लेना चाहिए।" बाद में जब मेहता ने दोहराया कि उन्हें अपनी टिप्पणी पर कोई खेद नहीं है, तो मुरलीधर ने "कड़ा विरोध" दर्ज कराया। मेहता ने स्पष्ट किया कि उनका आशय यह था कि कानून बनाने का फैसला संवैधानिक होना चाहिए और इसे हथियारों या असंवैधानिक तरीकों से निर्देशित नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि अदालत ने इस टिप्पणी को रिकॉर्ड पर नहीं लिया है और जोर देकर कहा कि संवैधानिक अदालतों की विश्वसनीयता इसलिए है, क्योंकि जिन लोगों पर आतंकवादी होने का आरोप है, उन पर भी "कंगारू अदालतों" के बजाय, कानून के शासन के तहत मुकदमा चलया जाता है।

केन्द्र से जवाब मांगते हुए पीठ ने स्पष्ट किया कि वह इस सवाल पर विचार करेगी कि वंदे मातरम् न गाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है या नहीं। साथ ही, बैंच ने यह भी माना कि वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत घोषित किए जाने के फैसले की दोबारा समीक्षा नहीं की जा सकती।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908